एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार
बरेली
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ · बरेली · कानपुर · मुरादाबाद · अयोध्या · हल्द्वानी
बैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया 10:49 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2083
रविवार, 19 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 144, पृष्ठ 18+4 मूल्य 6 रुपये

ममता को सत्ता से हटाएं वरना हमसे बंगाल छीन लेंगे बांग्लादेशी मुसलमान : हेमंत
- 11

तेल और गैस की खोज को डेटा आधारित करने की दिशा में बढ़ा भारत: पुरी
- 12

एआई से घबराएं नहीं, सतर्कता के साथ इस्तेमाल करें: सीजेआई
-13

आखिरी ओवर में डेविड मिलर के तूफान से आरसीबी की उम्मीदों पर फिरा पानी
- 14

TANYA JEWELLERS
TJ JEWELLERS
An Exclusive Range of Gold & Silver Jewellery
465, Alamgiriganj, Bareilly Mob : 9412604388, 9219930044
शुद्ध सोने एवं चाँदी के सिक्के भी उपलब्ध

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में आधी रात सड़क पर दिखा मगरमच्छ, गंगा में छोड़ा

मेरठ, एजेंसी : जिले के चामरौद गांव में शुक्रवार देर रात एक मगरमच्छ के सड़क पर दिखायी देने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित पकड़कर गंगा नदी में छोड़ दिया गया। वन विभाग, हस्तिनापुर की क्षेत्राधिकारी खुशबू उपाध्याय ने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे सूचना मिली थी कि गांव में मगरमच्छ देखा गया है। टीम के मौके पर पहुंचने पर मगरमच्छ झाड़ियों में छिप गया था, जिससे बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण हो गया। उपाध्याय ने बताया कि इसके बाद झाड़ियों की कटाई कर मगरमच्छ की घेराबंदी की गई और उसे नियंत्रित करते हुए सुरक्षित स्थान की ओर लाया गया। उन्होंने बताया कि मगरमच्छ वयस्क और आक्रामक अवस्था में था। ऐसे में वन विभाग के दल को अत्यंत सावधानीपूर्वक बचाव अभियान चलाना पड़ा। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया गया।

पटाखा फैक्टरी में आग लगने से दो नाबालिग झुलसे, मालिक फरार

मुजफ्फरनगर, एजेंसी : जिले के रतनपुरी थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर माफी गांव में अवैध पटाखा फैक्टरी में आग लगने से दो नाबालिग मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) यतेंद्र सिंह नागर ने बताया कि शुक्रवार को हुई इस घटना में घायलों की पहचान कासिम (15) और हजेफा (16) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि फैक्टरी में बिना लाइसेंस के अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

गाजीपुर, एजेंसी : गाजीपुर में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार मुबारकपुर हरतरा गांव के रहने वाले दीपक यादव, शनि कुमार राम तथा शुभम कुमार एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर गुरूवार रात में मेला देखने शादियाबाद जा रहे थे जो दुर्घटना का शिकार हो गये।

डिजिटल अरेस्ट कर करोड़ों की ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

एसटीएफ ने कानपुर के नौबस्ता से दबोचा, कई दस्तावेज बरामद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पकड़े गए ठगी के दोनों आरोपी।

- गिरोह म्यूल खातों का इस्तेमाल कर ठगी की रकम छिपाता था
- इनके खिलाफ देशभर में 650 से अधिक शिकायतें मिल चुकी हैं

अमृत विचार: यूपी एसटीएफ ने शेयर बाजार में निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने और डिजिटल अरेस्ट कर करोड़ों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया। इस गिरोह के दो सदस्यों को कानपुर के नौबस्ता से शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से विभिन्न बैंकों के डेबिट और क्रेडिट कार्ड, ब्लैंक चेक, बैंक दस्तावेज, नकदी, दो आईफोन और कई बैंक खातों के लेन-देन से जुड़े स्क्रीनशॉट बरामद किए हैं।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी शुधांशु शेखर के मुताबिक पकड़े गये आरोपी पंजाब के फजिल्का स्थित सिटी अबोहर के स्ट्रीट नंबर नई आबादी का करन कसेरा और नई आबादी बड़ी पौड़ी का गुलशन शामिल है। डिप्टी एसपी के मुताबिक कुछ दिनों से यूपी को म्यूल खातों का प्रयोग कर श्रीलंका व ब्रिटेन समेत दर्जनों देशों के नंबर व पहचान का प्रयोग कर टेलीग्राम व व्हाट्सएप ग्रुप के जरिये गिरोह बनाकर भारतीय नागरिकों को शेयर बाजार में निवेश व डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की जा रही है। जानकारी होने पर टीम ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि यह गिरोह म्यूल खातों का इस्तेमाल कर ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर कर छिपाता था। अब तक इस गिरोह के खिलाफ देशभर में 650 से अधिक ऑनलाइन शिकायतें मिल चुकी हैं और विभिन्न राज्यों में एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि दोनों अभियुक्त थाना नौबस्ता, कानपुर नगर में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे थे।

छेड़छाड़ के आरोप में पूर्व मंत्री के बेटे समेत दो गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, एजेंसी: जिले के नयी मंडी थाने की पुलिस ने एक युवती से छेड़छाड़ करने और अपशब्द कहने के आरोप में पूर्व मंत्री के बेटे समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सुधीर कुमार बालियान के बेटे आर्यमन रघुवंशी (28) और एक अन्य युवक शौर्य गुप्ता (18) के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक (नगर) अमृत जैन ने शनिवार को बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पीड़िता के भाई की तहरीर के अनुसार, दोनों आरोपियों ने शराब के नशे में स्कूटी पर सवार होकर नयी मंडी क्षेत्र में उसकी बहन से छेड़छाड़ की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

34 हजार मेगावाट बिजली आपूर्ति की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीक डिमांड 33 हजार मेगावाट पार होने का अनुमान
- सभी थर्मल यूनिट्स चालू, घाटमपुर की तीसरी यूनिट 30 तक होगी शुरू
- बिजली एक्सचेंज के जरिये पूरी की जाएगी अतिरिक्त मांग

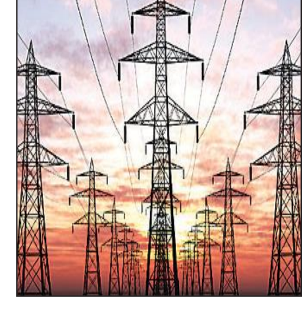

अमृत विचार : भीषण गर्मी के बीच प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऊर्जा विभाग ने इस वर्ष पीक (अत्यधिक गर्मी के दौरान) मांग को ध्यान में रखते हुए लगभग 34,000 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने की रणनीति तैयार की है।

ऊर्जा विभाग के मुताबिक, अप्रैल से सितंबर के बीच बिजली की मांग में तेजी से वृद्धि होती है। इस वर्ष जून में पीक डिमांड 33,375 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि मई और जुलाई में यह 31 से 32 हजार मेगावाट के बीच रह सकती है। इसे देखते हुए सभी नए थर्मल पावर प्लांट यूनिट्स को चालू कर दिया गया है। घाटमपुर, खुर्जा, पनकी, ओबरा और जवाहरपुर परियोजनाओं से उत्पादन शुरू हो चुका है, जबकि घाटमपुर की तीसरी यूनिट 30 अप्रैल तक चालू हो जाएगी, जिससे आपूर्ति और मजबूत होगी।

पंकज कुमार (यूपीपीसीएल) के एमडी ने बताया कि पीक आवर्स में करीब 80 प्रतिशत बिजली की मांग पहले से किए गए लांग टर्म एमओयू के जरिए पूरी की जाएगी। वहीं शेष मांग पूरा करने को इंडियन एनर्जी एक्सचेंज, पावर एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड और हिंदुस्तान पावर एक्सचेंज जैसे प्लेटफॉर्म से खरीदी जाएगी। इसके अलावा अन्य राज्यों के साथ 4,663 मिलियन यूनिट बिजली की बैंकिंग व्यवस्था भी की गई है, जिससे जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने बिजली आपूर्ति को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में उपभोक्ताओं को परेशानी न हो। इसके लिए पूरी तैयारी करने के निर्देश दिये गये है। फाल्ट पर भी नजर रखने को कहा गया है।

सेक्टर-98 में चलती कार में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

नोएडा, एजेंसी: नोएडा में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सेक्टर 39 थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर 98 के पास एक चलती कार में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। चालक ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए समय रहते कार से कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना की जानकारी देते हुए शनिवार को पुलिस ने बताया कि, सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार चलते समय अचानक उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कुछ ही मिनटों में पूरी कार आग की लपटों में घिर गई। सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात को सुचारु कराया। आग लगने के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई थी, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है लेकिन पुलिस और दमकल विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी जांच के बाद ही आग लगने के सटीक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

राप्ती नदी में नहाने गए तीन युवकों की डूबने से मौत

गोरखपुर, एजेंसी: गोरखपुर में राप्ती नदी में नहाने गए तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई, जिनके शव शनिवार को राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने बरामद कर लिए। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे मैनाभागर टोला बंजराहा के पास हुई, जहां चार युवक राप्ती नदी में नहाने गए थे। पुलिस ने बताया कि इस दौरान तीन युवक फिसलकर गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे, तभी एक युवक तैरकर बाहर निकल आया और घटना की जानकारी दी। एसडीआरएफ ने भी स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम के साथ शुक्रवार को घटना होने के बाद से ही तलाशी अभियान शुरू किया और शुक्रवार देर रात तक प्रयास जारी रहने के बावजूद लापता युवकों का पता नहीं चल सका।

बिना नोटिस राहुल पर एफआईआर का आदेश असंगत

विधि संवाददाता, लखनऊ

दोहरी नागरिकता मामला

- हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ओपन कोर्ट में सुनाए गए आदेश पर लगाई रोक

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कथित दोहरी नागरिकता मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के ओपन कोर्ट में सुनाए गए अपने आदेश को रोक दिया है।

शनिवार को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध आदेश में कोर्ट ने कहा है कि सुनवाई के दौरान याची समेत केंद्र व राज्य सरकार के अधिवक्ताओं से पूछा गया था कि क्या इस मामले में विपक्षी संख्या एक (राहुल गांधी) को नोटिस जारी किए जाने की आवश्यकता है। आदेश में कहा गया है कि अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि नोटिस जारी किए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है, तत्पश्चात ओपन कोर्ट में एफआईआर दर्ज करने का विस्तृत आदेश पारित कर दिया गया। हालांकि उक्त आदेश के टाइप होने और उस पर हस्ताक्षर होने के पूर्व ही न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने पाया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने वर्ष 2014 में पारित एक निर्णय में कहा है कि एफआईआर दर्ज किए जाने के मांग वाले प्रार्थना पत्रों के खारिज होने पर पुनरीक्षण याचिका ही पोषणीय है। ऐसी याचिका पर प्रस्तावित अभियुक्त को नोटिस भेजा जाना अनिवार्य है। कोर्ट ने कहा की इस विधिक स्थिति को देखते हुए बिना विपक्षी संख्या एक (राहुल) को नोटिस जारी किए मामले को निर्णित करना उचित नहीं है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तिथि नियत की है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक निवासी याची एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर न्यायालय ने शुक्रवार को राहुल गांधी के विरुद्ध कथित दोहरी नागरिकता के मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना का आदेश ओपन कोर्ट में डिक्टेट किया था।

गैरहाजिर पांच अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

अयोध्या: मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिसमें तय किया गया कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र अब सीसीटीवी की निगरानी में होंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में गैर हाजिर रहे अधिशासी अधिकारी भदरसा, माँ कामाख्या एवं सुचित्तागंज सहित अधिशासी अभियन्ता पीडब्लूडी सीडी-4 एवं अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिये।

प्रदेश में 1.03 लाख गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में मिला दाखिला

आरटीई : नामांकन में लखनऊ प्रथम, दूसरे नंबर पर वाराणसी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार की पहल से वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1,03,439 बच्चों का निजी स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित किया जा चुका है। अभी नामांकन प्रक्रिया जारी है, ऐसे में आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ने की संभावना है।

जारी आंकड़ों के अनुसार लखनऊ 7,952 नामांकन के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है। इसके बाद वाराणसी (4,957), बुलंदशहर (4,154), बदायूं (3,599), मुरादाबाद (3,246) और आगरा (3,086) प्रमुख हैं। कानपुर नगर (2476), गोरखपुर (2352), अलीगढ़ (2320) और गाजियाबाद (2209) भी टॉप-10 में शामिल हैं।

ऑनलाइन प्रक्रिया से बढ़ी पारदर्शिता : सरकार ने आवेदन और चयन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया है। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार जुलाई तक चलने वाली प्रक्रिया में और अधिक बच्चों को जोड़ा जाएगा, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास को नई गति मिलेगी।

राम मंदिर के 60 अर्चकों के लिए आए 500 आवेदन

अयोध्या, अमृत विचार : राममंदिर में 60 नए अर्चकों की आवश्यकता के अनुसार नया प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ के दिया गया है। इसके लिए 500 आवेदन आए है। छह माह पूर्व प्राप्त आवेदन की जांच की जा रहा है। इसमें अयोध्या निवासी आवेदनकर्ता को वरीयता मिलेगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के धार्मिक समिति के माध्यम से निर्धारित शर्त को पूरा करने वालों का चयन किया जाएगा। राम मंदिर परिसर में राम मंदिर के भूतल पर रामलला और प्रथम तल पर राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। परकोटा में छह देवी-देवताओं की भी प्रतिष्ठा कराई गई है।

पिता एक बच्चे का प्राकृतिक संरक्षक: उच्च न्यायालय

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक नाबालिग बच्चे की मां द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि पिता एक हिंदू नाबालिग का प्राकृतिक संरक्षक होता है और जब तक किसी न्यायालय के आदेश का उल्लंघन कर बच्चे को उसकी मां से जबरन अलग नहीं किया जाता, तब तक पिता की अभिरक्षा को अवैध नहीं माना जा सकता।

याचिकाकर्ता महिला ने आरोप लगाया था कि उसका पूर्व पति 2022 में बंदूक के बल पर उसके दो नाबालिग बच्चों को अपने साथ ले गया और तब से उन्हें अवैध रूप से अपने पास रखा हुआ है। न्यायमूर्ति अनिल कुमार ने 'तेजस्विनी गौड एवं अन्य बनाम शेखर जगदीश प्रसाद तिवारी' मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि बच्चों की अभिरक्षा के मामलों में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका तभी स्वीकार्य होती है, जब अभिरक्षा अवैध या बिना वैधानिक अधिकार के हो। अंजलि देवी की ओर से दलील दी गई कि बच्चों की अभिरक्षा के लिए विभिन्न मंचों पर कई आवेदन किए गए, लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

अदालत ने 10 अप्रैल को पारित अपने आदेश में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 361 की व्याख्या करते हुए कहा कि किसी नाबालिग को उसके वैध अभिभावक से दूर करना अपराध है, लेकिन यह अपराध तभी बनता है जब बच्चे को उसके प्राकृतिक संरक्षक से अलग किया जाए। अदालत ने कहा कि केवल यह आरोप कि पिता ने बच्चों को जबरदस्ती मां से अलग किया, अपने आप में यह सिद्ध नहीं करता कि बच्चे अवैध अभिरक्षा में हैं। अदालत ने यह भी कहा कि वर्तमान मामले में पांच वर्ष से अधिक उम्र के दोनों बच्चे 2022 से अपने पिता के साथ रह रहे हैं और कोई ऐसी असाधारण परिस्थिति प्रस्तुत नहीं की गई है जिससे यह प्रतीत हो कि उनकी अभिरक्षा अवैध है, ऐसे में इस अदालत के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

आप सभी को अक्षय तृतीया की हार्दिक शुभकामनाएं
★ अध्यक्ष हिंदू सेना (RHS)
★ (प्रदेश अध्यक्ष उ.प्र.) युवा प
★ (चीफ सैकेट्री ऑफ कोर कमेटी)
★ अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट
★ राज. सदस्य एवं एक्टिविस्ट भाजपा
★ संचालक युवा शक्ति एवं समाजसेवी
★ बरेली टीचर्स एसोसिएशन
★ प्रबंधक एवं प्रवक्ता एसीसी ग्रुप ऑफ एजुकेशन
डॉ. अंशु दीपक सक्सेना 'आख'
एडीजे ज्वैलर्स मो. 9997633627

अक्षय तृतीया की हार्दिक शुभकामनायें
स्नेह इण्टरप्राइजेज - SE इलैक्ट्रानिक्स
बिटिया की विदाई स्नेह फर्नीचर के साथ
स्पेशल ऑफर मात्र 51000/- में
डबल बैड, सोफा सेट, गद्दे, सेन्टर टेबिल, ड्रेसिंग टेबिल और दो तकिये आदि
प्रो. अमित अग्रवाल
डेलापीर बाईपास 100 फुटा रोड, भारत पेट्रोल पम्प के सामने आरा मशीन, बरेली
मो. 9319325982, 7535810542, 9027414276

Hero VIDA
घर-घर EVOOTER
VIDA VX2 | बदलते INDIA का स्कूटर
THE ALL NEW GO 3.4 kWh
ज़्यादा Range. ज़्यादा Savings.

VX2 अब 3 वेरिएंट में उपलब्ध
STARTING @JUST ₹84 990*/- (EXCLUDING STATE SUBSIDY)
WITH BaaS @JUST ₹44 990*/- & PER KM COST ₹1.24
REMOVABLE BATTERIES | VIDA BaaS BATTERY AS A SERVICE | 4600+ FAST CHARGING STATIONS | 600+ OUTLETS
Visit us at: www.vidaworld.com
श्री बाँके बिहारी हीरो, बाईपास रोड, बरेली। 7428295740, 9675235678
राधा रानी ऑटोमोटिव, BSNL ऑफिस के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। 9837055565, 7409819090

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :- 8445507002 9756905552

ST. XAVIER SCHOOL (Affiliated to ICSE)
CHANETI, SAINIK VIHAR, BAREILLY CANTT.
Rishabh Saxena 99.82 Percentile JEE 2026
NO ADMISSION FEES NO COMPOSITE FEES ONLY TUITION FEES
Rs. 2400/- Per Month Class-XI (Science/Commerce)
ADMISSION OPEN M. 9997697263
Munshi Nagar Akansha Enclave M. 7310623798
DELAPEER KAILASH PURAM M. 7310623798

BASUBARAL SARASWATI VIHAR SENIOR SECONDARY SCHOOL
AFFILIATED TO C.B.S.E. DELHI
Air-Conditioned Kindergarten Classrooms
NC, LKG & UKG No Admission Fee (For Classes NC, LKG, UKG, I & II)
Entrance Test for Admission For Classes III to IX
Admission Fee Discount (Based on Test Criteria)
PCM/PCB/Commerce/Humanities Session 2026-27
7983035601, 8791688082, 8869098082
More Information : www.basubaral.com

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया 10:49 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2083

रविवार, 19 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 144, पृष्ठ 18+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ममता को सत्ता से हटाएं वरना हमसे बंगाल छीन लेंगे बांग्लादेशी मुसलमान : हेमंत - 11

तेल और गैस की खोज को डेटा आधारित करने की दिशा में बढ़ा भारत: पुरी - 12

एआई से घबराएं नहीं, सतर्कता के साथ इस्तेमाल करें: सीजेआई -13

आखिरी ओवर में डेविड मिलर के तूफान से आरसीबी की उम्मीदों पर फिरा पानी - 14

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

वर्कशॉप में सिलेंडर से लगी आग, तीन झुलसे

शादी का रखा सामान जलकर राख, सोमवार को है शादी

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार :कस्बे के बरखन रोड स्थित श्मशान भूमि के पीछे शनिवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब एक वर्कशॉप में रखे सिलेंडर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास के हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई।

परिजनों के अनुसार, घर में नीचे गैराज में सिलेंडर से शादी के लिए कतरा तले जा रहे थे तभी , अचानक आग भड़क उठी और गैराज में रखें बेटी के दहेज का सारा सामान और परचूनी का सामान जलकर राख हो गई। पता चला है गैराज में गाड़ियों से निकाले हुए हुए काले सीएनजी सिलेंडर रखे थे जो लीकेज भी हो रहे थे इसी से पूरा वर्कशॉप आग का गोला बन गया,शादी में खाना बनाने के लिए कुछ एलपीजी सिलेंडर भी रखे थे जो आग लगने के बाद सुरक्षित निकाल लिए गए

वर्क शॉप में केवल मोटर साइकिल को सुरक्षित निकाला गया और सब कुछ जलकर राख हो गया। इस हादसे में महावीर, गैरेज में काम करने वाला अजीत और साहिल गंभीर रूप से झुलस गए। तीनों को तत्काल उपचार के लिए बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

आग की चपेट में आकर घर में बेटी की शादी के लिए रखा दहेज में देने के लिए सोफा, बेड, आटा, बेसन समेत अन्य घरेलू वस्तुएं जलकर नष्ट हो गईं। बताया जा रहा है कि महावीर की बेटी विनीता की शादी सोमवार को होनी थी, घटना की सूचना मिलते ही कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव और क्षेत्राधिकारी नीलेश मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर सिलेंडर से आग फैलने की आशंका जताई जा रही है। इस हादसे को लेकर तरह तरह की चर्चाएं हो रही है एक तरफ बताया तो ये भी जा रहा है कि इस वर्क शॉप में एक ईको गाड़ी में गैस डाली जा रही थी तभी ये हादसा हुआ है ।

सिलेंडर से लगी आग से जलकर दहेज का सामान हुआ राख ● अमृत विचार

फसल में लगी आग से गेहूं राख

हाफिजगंज, अमृत विचार :क्षेत्र के ग्राम पंचायत लाडपुरा उस्मानपुर स्थित बिजलीघर के पास खड़ी गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के कई खेत इसकी चपेट में आ गए। आग से किसानों की महीनों की मेहनत जलकर राख हो गई, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। आग लगने का स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका है, आग इतनी तेजी से फैली कि शुरुआती समय में ग्रामीण उस पर काबू नहीं पा सके। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से पानी, मिट्टी व ट्रैक्टर आदि संसाधनों से काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। काफी देर बाद फायर बिग्रेड पहुंची घटना में कई किसानों की गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई।

गौतस्करों से मुठभेड़, दो घायल गिरफ्तार, एक फरार

- गोकशी से जुड़े उपकरण, अवैध हथियार और नकदी बरामद
- घने जंगल का फायदा उठाकर किच्छा निवासी अभियुक्त भागा

कार्यालय संवाददाता, बरेली/ शीशगढ़

अमृत विचार : गौ तस्करों ने पुलिस को देखकर उनपर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में जब पुलिस ने गोली चलाई तो दो तस्कर के पांव में गोली लगी जबकि एक वहां से भाग निकला। पुलिस की टीमें फरार तस्कर को पकड़ने के लिए कॉबिग करती रही लेकिन उसका पता नहीं लग सका। वहीं घायल तस्करों को मेडिकल के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से अवैध हथियार, कारतूस, नकदी और गोकशी से जुड़े उपकरण बरामद किए हैं।

एसपी उत्तरी मुकेश मिश्रा ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब 5 बजे वह शीशगढ़ पुलिस पनवड़िया पुल के पास गश्त कर रहे थे। तभी तीन व्यक्तियों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो तस्कर अब्दुल रहमान निवासी धोराटांडा के बाएं पैर में और दानिश कुरैशी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिससे वे घायल हो गए। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त अब्दुल रहमान के पास से एक तमंचा, दो खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और 1260 रुपये नकद बरामद हुए। दानिश कुरैशी के पास से भी एक तमंचा, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, 1550 रुपये नकद और पशु वध करने के उपकरण मिले।

तीसरा अभियुक्त आरिफ (निवासी किच्छा) घने जंगल का फायदा उठाकर मौके से भाग गया। उसकी तलाश में पुलिस द्वारा कॉम्बिंग की गई। लेकिन उसका पता नहीं लग सका।

शीशगढ़ में हुई मुठभेड में गिरफ्तार आरोपी । ● अमृत विचार

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
NABH PRE ACCREDITED
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीवी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

24 घंटे गुल रही देवरनियां की बिजली

देवरनियां । शुक्रवार रात से पूरे देवरनियां बिजली घर की बिजली आपूर्ति ठप है। इससे देवरनियां कस्बा के अलावा सौ गांव प्रभावित हुए हैं। इसको लेकर लोगों में आक्रोश पनप रहा है।

देवरनियां, मुंडिया जागीर , दलपतपुर , सेमीखेड़ा , चठिया , पखुर्नी , बसुधरन जागीर , कमालपुर , ढकिया , सिंगतरा , करनपुर , विहारीपुर , तजुआ , धनुआ , रहपुरा गनीमत ,आदि, के अलावा इलाके के करीब सौ गांवों को बिजली की आपूर्ति देवरनियांउपकेन्द्र से होती है। शुक्रवार शाम 7 बजे बिजली आपूर्ति ठप हो गई। उपभोक्ताओं को बताया गया कि 33 हजार लाइन में कुछ फाल्ट है। मगर शाम को बताया कि पावरग्रिड की लाइन में काम हो रहा है जेई

सुशील कुमार मिश्रा ने बताया कि काम चल रहा है। रात तक आपूर्ति चालू हो जाएगी।

दीवान ने पीआरडी जवान पर तानी बंदूक

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : थाना परिसर में ड्यूटी के दौरान एक पीआरडी जवान ने दीवान पर शराब के नशे में अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है।

कस्बा निवासी पीआरडी जवान उमाशंकर गुप्ता के अनुसार, शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे वह एक पीड़ित का मेडिकल कराने गए थे और लौटकर पुनः ड्यूटी में लग गए। आरोप है कि रात करीब साढ़े बारह बजे थाना के दीवान बंदूक और पिस्टल लेकर पहुंचे और बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने हवाई फायर किया और बंदूक तानकर गोली मारने की धमकी दी। जान बचाने के लिए जवान को वहां से भागना पड़ा।

मौजूद पुलिसकर्मियों ने समझाकर मामला शांत कराया, लेकिन दीवान का व्यवहार जारी रहा। पीड़ित जवान ने घटना का वीडियो होने का दावा करते हुए थाना प्रभारी से शिकायत की है।वहीं थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने बताया कि दीवान नशे में थे, जिससे कहासुनी हुई। फायरिंग या बंदूक तानने की पुष्टि नहीं हुई है। मामले की जांच की जा रही है और सत्य पाए जाने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220836316 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **निशान्त सिंह पुत्र हरीवान सिंह ग्राम चड़ारी थाना सिंधौली शाहजहांपुर**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी बी.एससी. वर्ष 2017 की उपाधि वास्तव में कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **सुमन देवी पुत्री सिकदार निवासी ग्राम हरिहापुर सिमरा खुदागंज जिला शाहजहांपुर।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम मोहम्मद सोहैल (Mohammad Sohail) पुत्र श्री मोईन मियां था जो अब बदलकर **मोहम्मद सोहैल खान (Mohammad Sohail Khan) पुत्र श्री मोईन मियां निवासी मोहल्ला मुनीर खां तहसील व जिला पीलीभीत** हो गया है और भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी की फर्म मै0 इण्डियन कैमिकल्स एण्ड फर्टीलाइजर्स इंडस्ट्रीज, चकभीटारा सीतापुर रोड, शाहजहाँपुर 242001 जिसकी पंजीकरण सं0-SHA/0008382 है, यह फर्म दि. 27.12.2020 में निरन्तर सुचारू रूप में कार्य कर रही है, उपरोक्त फर्म में दि. 20.03.2026 को साझेदार थी अशीष गुप्ता पुत्र श्री अरविन्द कुमार गुप्ता, सेवानिवृत्त हो गये है तथा उक्त के स्थान पर नये साझेदार के रूप में थी रुद्राक्ष गुप्ता पुत्र श्री मुकेश चन्द्र गुप्ता, छोटी सब्जी मण्डी, बहादुरगंज, जिला शाहजहाँपुर को उक्त फर्म में स्वेच्छा से सम्मिलित हो रहे है। उपरोक्त फर्म में वर्तमान में कुल दो साझेदार है कमशः 1. मुकेश चन्द्र गुप्ता 2. रुद्राक्ष गुमा सालेदार हैं। एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त साझेदारी के संशोधन के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई। **मुकेश चन्द्र गुमा (साझेदार) मै0 इण्डियन कैमिकल्स एण्ड फर्टीलाइजर्स इंडस्ट्रीज, चकभीटारा मीतापुर रोड, शाहजहाँपुर 242001**

सूचना
मै नूरुद्दीन पुत्र कमालुदीन, निवासी- 58, पकड़िया पीलीभीत मेरे पिता दारा दी गई पंजी त वसीयत से एक घर का बैनामा प्राप्त हुआ था जिसका दिनांक 20.12.1982 को वहीं सं 1 जिल्द सं. 1155 पृष्ठ संख्या 9 से 10 पर क्रमांक 4171 उपनिबन्धक पीलीभीत सदर में रजिस्ट्रीकृत हुआ था जो कि बरेली दरवाजे से मेन बाजार जाते समय रास्ते में कहीं दिनांक 20.02.2026 को गुम हो गया है।

BIMT
BADAUN INSTITUTE OF MANAGEMENT & TECHNOLOGY
(Affiliated to M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly)
REQUIRED
Candidates for B.Ed. Course
1- Principal/HOD 01
2- Perspectives in Education 01
3- Pedagogy Subject 03
(Math, Science, Social Science, Language)
4- Health and Physical Education 01
5- Fine Art 01
6- Performing Arts (Music/Dance) 01
Qualification/Experience as per NCTE/UGC Norms.
Submit your Resume within 07 Days in the BIMT.
Campus: Kakrala road, near Mandi Samiti, Badaun (U.P.)
E-mail: bimtbudaun@gmail.com
Contact: 9897777709, 9897777797

जे.एम.बी. इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज एंड हायर एजूकेशन
कैम्पस- देवीपुरा, माधोटांडा रोड, पीलीभीत
आवश्यकता है
स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत निम्न विषयों में प्रवक्ताओं की
● रसायन विज्ञान ● वनस्पति विज्ञान
● इतिहास ● हिन्दी
योग्यता व वेतनमान- नेट/पी.एच.डी. विश्वविद्यालय नियमानुसार
इच्छुक अभ्यर्थी फोटोयुक्त बायोडाटा व प्रमाणपत्रों की प्रति सहित महाविद्यालय में 15 दिन की सीमा में आवेदन करें।
E-mail: jmbinstitute@gmail.com

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया 10:49 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2083

रविवार, 19 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 144, पृष्ठ 18+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ अक्षय तृतीया : 18 हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद - 12

■ तेल और गैस की खोज को डेटा आधारित करने की दिशा में बढ़ा भारत: पुरी - 12

■ एआई से घबराएं नहीं, सतर्कता के साथ इस्तेमाल करें: सीजेआई -13

■ आखिरी ओवर में डेविड मिलर के तूफान से आरसीबी की उम्मीदों पर फिरा पानी - 14

विपक्षी दलों ने आरक्षण विधेयक का विरोध कर 'भ्रूण हत्या का पाप' किया : मोदी

प्रधानमंत्री ने देश की सभी महिलाओं से माफी मांगी, कहा- देश के सामने आज जितनी भी बड़ी चुनौतियां हैं सभी कांग्रेस के रवैये से उपजी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस व उसके सहयोगियों को चेताया कि महिला आरक्षण संबंधी संशोधन का विरोध करके उसने जो 'भ्रूण हत्या का पाप' किया है, उसके लिए भारत की महिलाएं उन्हें सजा जरूर देंगी। देश को संबोधित करते हुए मोदी ने महिलाओं से माफी मांगी और कहा कि सरकार भले ही विधेयक पारित न करा पाई हो लेकिन वह महिलाओं को सशक्त बनाने के अपने प्रयासों को कभी नहीं छोड़ेगी। कहा, आज देश के सामने जितनी भी बड़ी चुनौतियां हैं, वो कांग्रेस के इसी रवैये से उपजी हुई हैं।

लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण 2029 के संसदीय चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। इस घटनाक्रम के एक दिन बाद मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, भले ही, विधेयक पारित कराने के लिए जरूरी 66 प्रतिशत वोट हमें नहीं मिले हों, लेकिन मैं जानता हूं, देश की 100% नारीशक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है। विपक्षी दलों ने सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद संसद में विधेयक को पारित न होने देकर महिलाओं के सपनों को निर्दयतापूर्वक कुचल दिया है। उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार महिला आरक्षण को लागू करने और महिलाओं के सशक्तीकरण के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करेगी। मोदी ने अपने 30 मिनट के भाषण में आरोप लगाया कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश के नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन का विरोध करने वाले विपक्षी दल महिला शक्ति को हल्के में ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया। मोदी ने कहा कि भारत की महिलाओं ने देखा कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम जैसे दल देश की महिला शक्ति के खिलाफ अपनी स्वार्थ की राजनीति का जश्न कैसे मना रहे थे।

महिला आरक्षण के रास्ते में आने वाली हर रुकावट को खत्म करके रहेंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जानते हैं कि देश की माताएं, बहनें, बेटियां आज दुखी हैं। मैं भी आपके इस दु:ख में दु:खी हूं। मैं देश की हर नारी को विश्वास दिलाता हूं, हम महिला आरक्षण के रास्ते में आने वाले हर रुकावट को खत्म करके रहेंगे, हटाकर के रहेंगे। हमारा हौसला भी बुलंद है, हमारी हिम्मत भी अटूट है और हमारा इरादा भी अडिग है।

एक महिला सबकुछ भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान नहीं भूलती

मोदी ने कांग्रेस पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप भी लगाया और कहा कि कांग्रेस उत्तर-दक्षिण विभाजन के बारे में झूठी बातें फैला रही है। उन्होंने कहा, एक महिला सबकुछ भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान नहीं भूलती। कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा किया गया यह अपमान हर महिला के दिल में हमेशा रहेगा। मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन समय की आवश्यकता थी और उत्तर, दक्षिण, पूर्व तथा पश्चिम में संतुलित सशक्तीकरण सुनिश्चित करने का एक ईमानदार प्रयास था। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने राष्ट्र निर्माण और देश में सुधार के सभी प्रयासों का हमेशा विरोध किया है।

चाहे तीन तलाक हो या जन धन योजना सभी का कांग्रेस विरोध किया

मोदी ने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसने प्रधानमंत्री जन धन योजना, आधार कार्ड, डिजिटल भुगतान और जीएसटी का विरोध किया था। कांग्रेस ने, सामान्य वर्ग के गरीबों को आरक्षण का विरोध किया, तीन तलाक के विरुद्ध कानून का विरोध किया, अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया। हमारा संविधान, हमारे कोर्ट जिस समान नागरिक संहिता, समान नागरिक आचार संहिता को, यूसीसी को जरूरी बताते हैं, कांग्रेस उसका भी विरोध करती है। मोदी ने कहा, ये लड़ाई, कांग्रेस की उस एंटी-रिफॉर्म मानसिकता के साथ है, जिसमें सिर्फ नेगेटिविटी है, नकारात्मकता है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, सुनहरे अतीत की परछाई लाल इमली मिल व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। –संपादक

ब्रीफ न्यूज

1.6 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट में बैंक अधिकारी व दो अन्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने 1.6 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट प्रकरण के सिलसिले में इंडसइंड बैंक के एक सहायक प्रबंधक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच के तहत एजेंसी ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पांच स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। आरोपियों ने एक वरिष्ठ नागरिक को डिजिटल अरेस्ट कर 1.6 करोड़ रुपये हस्तांतरित करने के लिए मजबूर किया। सीबीआई ने पाया कि बैंक अधिकारी ने एक कंपनी के नाम पर फर्जी खाता खोलने में मदद की, जिसके जरिये अपराध से प्राप्त राशि की लेनदेन की गई।

होर्मुज में भारतीय जहाजों पर गोलीबारी

ईरान ने भारत आ रहे 14 जहाजों को पार करने से रोका, होर्मुज स्ट्रेट फिर किया बंद | भारत ने ईरान के राजदूत को किया तलब अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप

नई दिल्ली/काहिरा, एजेंसी

होर्मुज में जारी दोहरी घेराबंदी शनिवार को एक अनिश्चित और खतरनाक स्थिति में पहुंच गई। एक ओर जहां अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी करने के अपने अभियान को और तेज कर दिया है, वहीं दूसरी ओर ईरान ने जलमार्ग खोलने के अपने शुरुआती कदम को वापस लेते हुए वहां से गुजरने की कोशिश कर रहे जहाजों पर गोलीबारी कर दी। इनमें दो भारतीय जहाज भी शामिल हैं। गोलीबारी की घटना के बाद भारत आ रहे 14 भारतीय जहाजों को भी वापस लौटना पड़ा। इसी बीच एक भारतीय पोत ने होर्मुज पार कर लिया।

होर्मुज में घटी घटना को लेकर नई दिल्ली में तैनात ईरानी राजदूत मोहम्मद फताअली को भारत के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को तलब किया और इस घटना को लेकर राजदूत के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। वहीं, एक अधिकारिक सूत्र ने बताया कि भारत आ रहे कच्चे तेल और गैस से लदे 14 जहाजों के एक काफिले को ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने होर्मुज से गुजरते समय रोक दिया और उनमें से दो जहाजों पर गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप 13 जहाज फारस की खाड़ी में अलग-अलग स्थानों पर लौट गए। होर्मुज पार करते समय भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर आईआरजीसी की गोलीबारी हुई, जिसमें कच्चा तेल लदा हुआ था। जहाज की एक खिड़की का शीशा टूट गया, जिसके कारण उसे यात्रा रोककर वापस लौटना पड़ा। दूसरे जहाज को कितना नुकसान हुआ, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन वह भी वापस लौट चुका है। 'गनबोट' ओमान से 37 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित टैंकर के पास पहुंचीं, जिसके कारण अन्य जहाजों को यात्रा पूरी किए बिना ही वापस लौटना पड़ा।

यह घटना केशम और लारक द्वीपों के बीच के जलक्षेत्र में घटी। भारत आने वाले 14 जहाजों में से सात पर भारतीय ध्वज, चार पर लाइबेरिया का ध्वज, दो पर मार्शल द्वीप समूह का ध्वज और एक पर वियतनाम का ध्वज लगा हुआ है। इनमें से छह जहाजों में कच्चा तेल, तीन में एलपीजी और चार में उर्वरक लदे हुए हैं। इनमें से पांच मालवाहक जहाज हैं। सभी 14 जहाज एक कतार में थे। इनमें से 13 जहाजों को ईरानी नौसेना ने रोक लिया और उन्हें इंतजार करने का निर्देश दिया।

सीजफायर के बीच ट्रंप की धमकी, कहा- हम बमबारी कर देंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को फिर से धमकी देते हुए कहा कि सीजफायर को अब और आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। डील फेल होने पर सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ सीजफायर तब तक आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, जब तक बुधवार तक कोई दीर्घकालिक समझौता नहीं हो जाता। उन्होंने चेतावनी दी कि दबाव बनाने वाले उपाय अभी भी विचाराधीन रहेंगे। इनमें ईरानी बंदरगाहों पर लगातार नाकेबंदी और फिर से बमबारी की संभावना शामिल है।

नौसेना शत्रुओं को करारी हार देने को तैयार : मोजतबा

काहिरा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने कहा है कि ईरान की बहादुर नौसेना अपने दुश्मनों को करारी हार देने के लिए तैयार है। ईरानी सेना की स्थापना की वर्षगांठ के मौके पर एक संदेश में, उन्होंने युद्ध के दौरान दुश्मनों को निशाना बनाकर किए गए ईरान के ड्रोन हमलों की सराहना की।

इराक से 20 लाख बैरल तेल लेकर निकला था जहाज

जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले पोर्टल ने बताया कि ईरान के 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' की गोलीबारी की खबरों के बाद होर्मुज में दो भारतीय जहाजों को अपना रास्ता बदलना पड़ा। इनमें भारतीय ध्वज वाला एक सुपर टैंकर भी शामिल है जो इराक से 20 लाख बैरल तेल लेकर जा रहा है।

केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता 2% बढ़ाया, यूपी-आंध्र में 601 किमी की रेल लाइन मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने शनिवार को केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) दो प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया। इससे केंद्र सरकार के लगभग 50.46 लाख कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। साथ ही रेल मंत्रालय की लगभग 24,815 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली दो परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में उत्तर प्रदेश में 403 किलोमीटर लंबी गाजियाबाद-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन और आंध्र प्रदेश में 198 किलोमीटर लंबी राजामुंदरी-विशाखापत्तनम तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं।

मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महंगाई भत्ते और महंगाई राहत, दोनों में वृद्धि के कारण सरकारी खजाने पर कुल 6,791.24 करोड़ रुपये सालाना का बोझ पड़ेगा। मूल वेतन या पेंशन की मौजूदा 58 प्रतिशत की दर पर दो प्रतिशत की यह वृद्धि, महंगाई की भरपाई के लिए है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को डीए और पेंशनभोगियों को डीआर की यह अतिरिक्त किस्त एक जनवरी, 2026 से दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लिए कई अहम फैसले

- 50.46 लाख कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को होगा लाभ
- 24,815 करोड़ रुपये से पूरी की जाएंगी रेलवे की दोनों परियोजनाएं

यह वृद्धि स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार है, जो सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। वहीं, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश राज्यों के 15 जिलों से गुजरने वाली रेल की दो परियोजनाएं भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 601 किलोमीटर तक बढ़ाएंगी। दोनों परियोजनाओं के लाभों को रेखांकित करते हुए सरकार ने कहा कि ये कोयला, अनाज, सीमेंट, लोहा और इस्पात, कंटेनर, उर्वरक, चीनी, रासायनिक लवण, चूना पत्थर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। गाजियाबाद-सीतापुर रेलखंड पर इस समय दोहरी लाइन है, जो दिल्ली-गुवाहाटी उच्च घनत्व नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

(संबंधित कारोबार पेज पर)

भीषण गर्मी दिखाने लगी असर, पारा 45 पार जाने के आसार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अगले दो-तीन दिन शुष्क मौसम पूर्वी यूपी में लू चलने की चेतावनी

अमृत विचारः प्रदेश में अप्रैल के मध्य में ही भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। जबकि 16 शहरों में पारा 40 डिग्री या उससे अधिक दर्ज किया गया। शनिवार को बांदा में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक है। राजधानी लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज समेत करीब 50 शहरों में तेज धूप और लू जैसे हालात बने हुए हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि शुष्क पछुआ हवाओं और आंतरिक महाराष्ट्र के आसपास बने प्रति चक्रवात के प्रभाव से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा। खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी भागों में दिन के समय कहीं-कहीं उष्ण लहर (लू) चलने की संभावना है।अगले दो-तीन दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी के आसार हैं। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, झांसी और बुंदेलखंड क्षेत्र में दिन के समय तेज धूप और गर्म पछुआ हवाओं ने जनजीवन प्रभावित किया। लखनऊ में भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है और आगामी तीन दिनों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। राजधानी में मौसम शुष्क रहेगा तथा गर्म हवाएं चलने की संभावना है। प्रयागराज में गर्मी और अधिक तीखी रहने के संकेत हैं। सुबह से ही गर्म हवाएं चलने लगी हैं, जिससे लोगों को घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है।

स्कूल जाने वाले बच्चे चेहरे ढककर और छाते लेकर निकलते दिखाई दे रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि प्रदेश के दक्षिणी भाग में अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार करने के साथ आने वाले दिनों में शुष्क पछुआ हवा चलेगी, लू चलेगी।

अक्षय तृतीया पर आज से शुरू होगी चारधाम यात्रा

देहरादून। अक्षय तृतीया पर आज गंगोत्री धाम के कपाट दोपहर 12:15 बजे और यमुनोत्री धाम के कपाट दोपहर 12:35 बजे खुलने के साथ इस वर्ष की उत्तराखंड चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी।

शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश से चारधाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और देशभर से आए श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। इस वर्ष बदरी-केदार धाम के मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। गंगोत्री में गैर-सनातनियों को पंचगव्य (गोबर, गोमूत्र, दूध, दही और घी) ग्रहण करने के बाद ही मंदिर में प्रवेश की अनुमति होगी। वहीं, यमुनोत्री मंदिर समिति ने 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा के तहत श्रद्धा भाव से आने वाले सभी श्रद्धालुओं का बिना जाति-धर्म पूछे स्वागत करने का निर्णय लिया है। केदारनाथ धाम के 22 अप्रैल व बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को खोले जाएंगे।

नोएडा हिंसा: साजिशकर्ता त्रिच्चुरापल्ली से गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः नोएडा में श्रमिक आंदोलन में हिंसक घटनाओं का मुख्या साजिशकर्ताओं में शामिल आदित्य आनंद उर्फ रस्टी को तामिलनाडु के त्रिच्चुरापल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। नोएडा पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त टीम ने शनिवार तड़के कार्रवाई करते हुए दबोचा। आदित्य आनंद पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह हिंसा वाले दिन से ही फरार चल रहा था।

एसटीएफ के एएसपी राजकुमार मिश्रा के मुताबिक आदित्य आनंद उर्फ रस्टी मूलतः बिहार के हाजीपुर के मढैया का रहने वाला है।

- लगातार बदल रहा था ठिकाना एक लाख का था इनाम
- नोएडा व एसटीएफ की संयुक्त टीम ने शनिवार तड़के की कार्रवाई

वह वर्तमान में हरियाणा गुरुग्राम के सरस्वती विहार सेक्टर-28 में रहता था। पुलिस के अनुसार श्रमिकों के धरना-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच शुरू की गई। जिसमें सामने आया कि भड़काऊ गतिविधियों और हिंसा को संगठित करने में आदित्य आनंद की मुख्य भूमिका थी। जांच में उसे पूरे घटना का साजिशकर्ता पाया गया। नोएडा के थाना फेज-2 में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने सर्विलांस, लोकेशन ट्रैकिंग की। आरोपी की लोकेशन तमिलनाडु में मिली। इसके बाद विशेष टीम को वहां भेजा गया।

तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक आदित्य आनंद की गिरफ्तारी के श्रमिक आंदोलन में हुई हिंसा के बारे में पूछताछ की जाएगी। ताकि पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा हो सकेगा।

सियासत | बंगाल में गरजे मुख्यमंत्री योगी, टीएमसी पर बोला तीखा हमला, भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

पश्चिम बंगाल में भी लव जिहाद व लैंड जिहाद पर लग जाएगी रोक : योगी

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में शनिवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जोरदार हुंकार भरी। माथाभांगा और धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला और भाजपा प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगा।

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस, टीएमसी और अन्य दल महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में नहीं हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों की पैरोकारी का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि इन लोगों ने आधी आबादी को उनका हक देने में बाधा डाली, जो महिलाओं का अपमान है। योगी ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा अराजक स्थिति के लिए टीएमसी को दोषी ठहराते हुए ऐलान किया कि ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है। योगी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर यूपी की ही भांति पश्चिम बंगाल में भी लव जिहाद व लैंड जिहाद पर रोक लगा दी जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि मानुष टीएमसी की गुंडागर्दी से भयभीत है। साथ ही दावा किया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा और उद्योग-धंधे ठप हो रहे हैं। किसान पलायन करने को विवश है। टीएमसी के 15 वर्ष के कार्यकाल में सात हजार से अधिक बड़े कारखाने बंद हुए। केंद्र सरकार विकास के लिए जो पैसा देती है, वह जरूरतमंदों तक नहीं पहुंचता। यह पैसा तृणमूल के गुंडे व बांग्लादेशी घुसपैठिए खा जाते हैं। सैंड माफिया, बागान माफिया सभी आपके हक पर डकैती डाल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल के पास अब परिवर्तन का अवसर है और भाजपा की सरकार बनने पर विकास को गति मिलेगी। ममता दीदी को तो हिंदुओं व जय श्रीराम के उद्घोष से चिढ़ है।

पश्चिम बंगाल के माथाभांगा जिला कुचबिहार विधान सभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री योगी ने बांग्ला में किया संवाद

जनसभाओं में मतदाताओं से बांग्ला भाषा में संवाद करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आमार सोनार बांग्ला (हमारा सोने जैसा बंगाल), जनता ने जवाब दिया- टीएमसी मुक्तो बांग्ला (टीएमसी मुक्त बंगाल)। सीएम ने कहा, ऑन्धकार, जनता बोली- हटबे, मुख्यमंत्री ने कहा- सूरोज, जनता बोली- उगेबे, सीएम बोले- कोमोल, जनता ने कहा- खिलबे (अंधेरा-हटेगा, सूरज-उगेगा, कमल-खिलेगा)। मुख्यमंत्री ने यह कहकर अपनी बात संपन्न की- पलटानो दोरकार (परिवर्तन की जरूरत), इसका भी जनता ने उत्तर दिया- चाई बीजेपी सोरकार (चाहिए भाजपा सरकार)। जनसमूह ने कई बार अपने दोनों हाथ उठाकर इसे दोहराया।

न्यूज ब्रीफ

सीएमओ ने 30 टीबी मरीजों को बांटी पुष्टाहार किट

बिथरी चैनपुर, अमृत विचार :टीबी मुक्त अभियान के तहत बिथरी चैनपुर सीएचसी पर सीएमओ ने 30 टीबी मरीजों को पुष्टाहार किट वितरित कीं। ।जिसके बाद सीएमओ ने उपस्थिति रजिस्टर और लेबर रूम का निरीक्षण किया। सीएमओ डा. विश्राम सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे 30 टीबी रोगियों को पुष्टाहार किट वितरण की। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ उत्तरा शर्मा,एआरओ धीरेंद्र सिंह,सचिन प्रताप,शिवम सिंह,रमेश मणि त्रिपाठी,सर्वेश कुमार,शिवानी,शिप्रा वर्मा, रूबी पटेल समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्मैक के साथ अलीगंज का युवक गिरफ्तार

बहेड़ी,अमृत विचार :पुलिस ने स्मैक के साथ एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक शहर के दक्षिणी छोर पर पुलिस टीम ने एक युवक को संदिग्ध हालत में पकड़ा। तलाशी में उसके पास 164 ग्राम स्मैक बरामद हुई। युवक ने अपना नाम विकास पुत्र लाला राम बताया। पुलिस के अनुसार युवक ने स्मैक बेचने का काम करने की बात स्वीकार की।

प्रेम विवाह से नाराज परिवार ने की मारपीट

बिशारतगंज अमृत विचार : वार्ड नंबर 6 की रहने वाली करिश्मा ने संपूर्ण समाधान दिवस आंवला में की शिकायत में बताया है कि उसने 4 वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था उसके दो बच्चे भी हैं करिश्मा के प्रेम विवाह से उसके माता-पिता व भाई राजी है जबकि परिवार के अन्य लोग तरह-तरह की धमकियां देते हैं ।

कई अफसर हटाए, निलंबन से वेतन कटौती तक सख्ती

मीरगंज में तीन इंजीनियर,सीओ अनुपस्थित मांगा स्पष्टीकरण, डीएम ने एसडीएम फरीदपुर को हटाया, आरआई निलंबित

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: : जिले में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान प्रशासन ने लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए कई बड़ी कार्रवाइयां कीं। औचक निरीक्षण में अधिकारियों की गैरहाजिरी उजागर होने पर जहां स्पष्टीकरण तलब किया गया, वहीं फरीदपुर में गलत अंश निर्धारण के मामले में राजस्व निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया और एसडीएम का तबादला कर दिया गया। नवाबगंज में भी अनुपस्थित अधिकारियों पर वेतन कटौती के निर्देश दिए गए। कुल मिलाकर समाधान दिवस पर शिकायतों के निस्तारण में ढिलाई बरतने वालों पर प्रशासन ने सख्त संदेश दिया।

मीरगंज शनिवार को तहसील सभागार में समाधान दिवस का कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी ने करीब पौने दो बजे औचक निरीक्षण किया। कमिश्नर ने पहले अधिकारियों की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया। उन्होंने एक-एक कर सभी अधिकारियों की मौजूदगी का सत्यापन किया। इस दौरान उन्हें सहायक अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा , सहायक अभियंता/अवर अभियंता जल निगम सहायक अभियंता/ अवर अभियंता नलकूप , वनाधिकारी मीरगंज, और क्षेत्राधिकारी पुलिस अनुपस्थित रहे।जिसके चलते अपर जिलाधिकारी पूर्णिमा सिंह ने अनुपस्थित रहे अधिकारियों से तीन दिन स्पष्टीकरण मांगा है।

इसके बाद कमिश्नर ने समाधान दिवस में उपस्थित शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में 32 शिकायते प्राप्त हुई।जिसमें चार का मौके पर निस्तारण किया गया।

मीरगंज में जनसमस्याएं सुनते कमिश्नर एडीएम ई, एसडीएम आदि। ● अमृत विचार

फरीदपुर में फरियादियों की समस्याएं सुनते डीएम अविनाश सिंह। ● अमृत विचार

नवाबगंज में ईओ समेत पांच अफसर रहे गायब, कटेगा वेतन

नवाबगंज अमृत विचार :नवाबगंज में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में लापरवाही पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। अपर जिलाधिकारी न्यायिक देश दीपक ने उपस्थिति रजिस्टर जांचा जिसमें नगरपालिका परिषद के ई ओ सहित पांच अधिकारी अनुपस्थित मिले। इस पर नाराजगी जताते हुए सभी से जवाब तलब कर एक दिन का वेतन काटने के निर्देश एसडीएम उदित पवार को दिए गए। कार्यक्रम में 51 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 5 के निस्तारण किया गया। लावाखेड़ा बद्री प्रसाद की दुर्गा देवी ने गाटा 304 की तुदाबंदी का आदेश होने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत के बावजूद 15 दिन बीतने पर भी अमल न होने से विपक्षी निर्माण की तैयारी में हैं

अहमदाबाद निवासी इन्द्रवती ने आरोप लगाया है कि खेत कटी गेहूं की फसल 20 दिन से पड़ी है, लेकिन पड़ोसियों द्वारा चकमार्ग जोतकर व पेड़ लगाकर रास्ता बंद कर देने से फसल नहीं निकल पा रही है।समाधान दिवस में एसडीएम उदित पवार, सीओ नीलेश मिश्रा, बीडीओ महेश चंद शाक्य और एआरओ प्रदीप तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गलत अंश निर्धारण करने पर राजस्व निरीक्षक सस्पेंड, एसडीएम मल्लिका भी हटाईं

बरेली,/ फरीदपुर अमृत विचार : डीएम अविनाश सिंह ने शनिवार को तहसील फरीदपुर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में गलत अंश निर्धारण की शिकायत मिलने पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने संबंधित राजस्व निरीक्षक ताहिर अली को सस्पेंड कर दिया। इसके साथ ही एसडीएम मल्लिका नैन को भी फरीदपुर से हटा दिया। उनकी जगह राम जनम यादव को एसडीएम फरीदपुर बनाया है। तहसील फरीदपुर के सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम शिकायतें सुन रहे थे। इसी दौरान खानपुर गांव निवासी शिकायतकर्ता किशन लाल गंगवार ने गलत अंश निर्धारण की शिकायत की, जिस पर डीएम ने राजस्व निरीक्षक को बुलाकर जानकारी की गयी तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिस पर डीएम ने उसकी भूमिका संदिग्ध मानते हुए गलत अंश निर्धारण करने पर तत्काल प्रभाव से उसे निलंबित कर दिया। डीएम ने तहसील दिवस से आने के बाद शाम को पीसीएस मल्लिका नैन को अपर उप जिलाधिकारी सदर पद पर तैनाती करते हुए पीसीएस राम जनम यादव को एसडीएम फरीदपुर बना दिया। राम जनम यादव अभी तक अपर उप जिलाधिकारी सदर का कार्य देख रहे थे। मल्लिका नैन लंबे समय से फरीदपुर एसडीएम पद पर तैनात थीं, पिछले दिनों वकीलों और पेशकार के बीच हुए विवाद में वकीलों ने एसडीएम के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए मल्लिका नैन को हटाने के लिए पोस्टर तक तहसील में चस्पा कर दिए थे। हालांकि, उस विवाद में पेशकार को मीरगंज भेज दिया था। फरीदपुर तहसील से संबंधित कई अन्य मामले जिलाधिकारी पहुंच रहे थे।

इस दौरान एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह,एसडीएम आलोक कुमार, तहसीलदार न्यायिक सुरभि रॉय, बीडीओ आनन्द विजय यादव, एडीओ समाज कल्याण आसिम अली, सहित अधिकारी मौजूद रहे।

आंवला में 43 में से चार का मौके पर निस्तारण

आंवला, अमृत विचार : संपूर्ण समाधान दिवस में 43 शिकायतें आईं इनमें से चार का ही मौके पर निस्तारण हो पाया। एसडीएम विदुषी सिंह ने बताया कि ज्यादातर मामले बंटवारे को लेकर थे। वह सिविल कोर्ट का मामला है। भूमि सीमांकन के मामले आए जिनमे लोग चाहते हैं उनकी सुविधा के अनुसार सीमांकन हो जाए जबकि नियम है कि काश्तकार की सहमति जरुरी है। एसडीएम ने बताया कि अहमद गैस सर्विस की सेवाएं पूरी तरह स्थगित कर दी गई हैं । वहां के उपभोक्ताओं को वीएमआर गैस एजेंसी बदायूं रोड और जंगबाजपूर पर ट्रांसफर किया गया है ।उपभोक्ता कनेक्शन की जानकारी लेकर गैस ले सकते हैं ।

बहेड़ी में 62 में 11 शिकायतों का हल

बहेड़ी,अमृत विचार :समाधान दिवस में किसानों के मुद्दे छाए रहे। अस्पताल में डॉक्टरों की कमी और मरीज़ों की सुविधाओं का अभाव होने का मामला भी उठा। आवारा पशुओं से नुकसान होने का मुद्दा भी उठाया गया ।शनिवार को कुल 62 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 11 का मौके पर निस्तारण हो गया। भाकियू ने गाँवों में जल शक्ति मिशन के तहत डाली गई पाइप लाइनों से गाँवों में सड़कों के टूटने और गड्ढे होने का मामला उठाते हुए उनको सही कराने की मांग उठाई।

हाईवे पर चलती कार बनी आग का गोला अफरा-तफरी

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी के गांव बल्लिया के पास नेशनल हाईवे पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब संभल से बरेली आ रही एक कार अचानक आग का गोला बन गई। घटना फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के बल्लिया ओवर ब्रिज के पास की है, जहां बीच सड़क पर लगी आग ने राहगीरों को दहशत में डाल दिया। जलती कार को देख हाईवे पर वाहनों की चाल थम गई।

जानकारी के मुताबिक, कार में सवार नदीम असगर अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। सफर के दौरान अचानक गाड़ी से धुआं उठता दिखा और देखते ही देखते आग भड़क उठी। स्थिति को भांपते हुए चालक ने तुरंत वाहन रोककर बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। कुछ ही क्षणों में पूरी कार लपटों में घिर गई।

घटना की सूचना मिलते ही मीरगंज से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

परसाखेड़ा प्रभारी के बंसल ने बताया कि एक कार में आग लगने की सूचना मिलने पर तत्काल टीम को मौके के लिए रवाना किया गया। दमकल टीम ने समय रहते कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया।

परशुराम चौक के लिए विरोध, समझौता

संवाददाता आंवला,

अमृत विचार : नगर के बेहटा चौराहा पर परशुराम चौक निर्माण को लेकर रविवार से पहले माहौल गर्मा गया, जब भूमि पूजन की तैयारी के बीच ग्रामीणों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। ब्राह्मण समाज द्वारा 19 अप्रैल को शोभा यात्रा और भूमि पूजन की अनुमति लेने के बाद जैसे ही जेसीबी से खुदाई शुरू हुई, स्थानीय ग्रामीणों ने इसे रोक दिया।

गांव के सूरजपाल, गौरव पाल, लल्ला बाबू, रवि मौर्य, अशोक मौर्य समेत कई लोगों ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित स्थल पर सड़क केवल 15-15 फीट चौड़ी है। ऐसे में 12 फीट का चौक बनने से सड़क संकरी हो जाएगी और यह स्थान हादसों का केंद्र बन सकता है। ग्रामीणों ने चौक को सुरक्षित स्थान पर बनाए जाने की मांग को लेकर तहरीर भी दी।

कोतवाली में परशुराम चौक निर्माण को लेकर हुए विवाद के बाद वार्ता करते लोग।

विरोध बढ़ता देख प्रभारी निरीक्षक बीनू चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। वहीं, एसडीएम विदुषी सिंह के निर्देश पर लेखपाल राहुल ने स्थल का निरीक्षण किया। ब्राह्मण समाज ने अपनी तरफ से दावा किया कि मौके पर करीब 80 फीट जगह उपलब्ध है।

काफी देर तक चली बातचीत और प्रशासन की मध्यस्थता के बाद आखिरकार दोनों पक्षों में सहमति बन गई।

लल्ला बाबू, रवि मौर्य, अशोक मौर्य सहित प्रथम पक्ष और नितिन शर्मा, आशीष पाठक, अवनीश तिवारी समेत द्वितीय पक्ष ने लिखित समझौता देते हुए कहा कि अब कोई विवाद शेष नहीं है। पुलिस ने तय रूट पर शोभा यात्रा की अनुमति देते हुए दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की।

शादी से 15 दिन पहले दूल्हे का इंकार, 6 पर केस दर्ज

संवाददाता क्योलड़िया,

- लड़की के पिता ने रिश्तेदारों में बांट दिये थे शादी के कार्ड

अमृत विचार : भोजीपुरा थाना क्षेत्र के वीरपुर भकरुका गांव में एक तयशुदा शादी अचानक टूटने से खुशियां मातम में बदल गईं। लड़की के पिता मोर पाल ने बताया कि उनकी बेटी वंदना का रिश्ता क्योलाडिया क्षेत्र के चंदपुर ख्यालीराम निवासी प्रेम सिंह से 8 अगस्त 2025 को तय हुआ था। 25 अगस्त को टीका रस्म पूरी होने के बाद 21 अप्रैल की शादी की तारीख निश्चित थी। परिवार ने तैयारियां पूरी कर ली थीं और निमंत्रण कार्ड भी रिश्तेदारों में बांट दिए गए थे।

आरोप है कि शादी से करीब 15 दिन पहले प्रेम सिंह और उसके परिजनों ने अचानक शादी से इंकार कर दिया। 31 मार्च को लड़की पक्ष ने समझाने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। 2 अप्रैल को प्रेम सिंह ने फोन कर साफ मना करते हुए धमकी दी। इसके बाद 8 अप्रैल को दोबारा कॉल कर लड़की व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि 16 अप्रैल को क्योलाडिया थाने जाते समय नदी के बांध के पास आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। किसी तरह जान बचाकर वे वहां से निकले। घटना से लड़की मानसिक तनाव में है। मोर पाल की तहरीर पर पुलिस ने प्रेम सिंह समेत छह लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मंदबुद्धि युवती से दुष्कर्म, आरोपी दबोचा

मीरगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक गांव में मंदबुद्धि युवती के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने नामित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

8 अप्रैल को पीड़िता की मां की तहरीर पर सतीश पुत्र फतेह सिंह और वीरपाल पुत्र होरीलाल, के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नल नगरिया अड्डे से आरोपी सतीश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मजदूरी करता है और शराब पीने का आदी है। घटना वाले दिन वह पीड़िता के खेत पर गेहूं थ्रेसिंग के लिए गया था, लेकिन जमीन में नमी होने के कारण काम नहीं हो सका। लौटते समय रास्ते में उसे पीड़िता मिली, युवती के मंदबुद्धि होने का उसने फायदा उठाया।जिसके बाद उसने उसके साथ गलत कृत्य किया। अन्य आरोपी की तलाश भी जारी है।

मां ने शराब पीने से डांटा तो फंदे पर झूल गया बेटा

संवाददाता क्योलड़िया,

- क्योलड़िया निवासी विक्रम शराब पीने का आदी हो गया था
- गन्ना बुवाई के बाद घर पहुंचने पर मां से हुआ था विवाद

अमृत विचार : मां ने अपने बेटे को शराब पीने से मना किया तो युवक नशे में धुत होकर घर से निकल गया सुबह ग्रामीणों ने उसका शव पेड पर लटके देखा। प्लास्टिक की रस्सी का फंदा बनाकर युवक ने आत्महत्या कर ली थी। प्रधान पति ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मृतक विक्रम ।

थाना क्षेत्र के गांव सिठौरा के टेकचंद का 17 वर्षीय बेटा विक्रम शुक्रवार शाम को गन्ना बुवाई के बाद घर पहुंचा। वह शराब के नशे में था। इस पर उसकी मां से विवाद हो गया और वह गुस्से में गांव के बाहर राम मूर्ति लाल के खेत में खड़े आम के पेड़ पर रस्सी के फंदा बनाकर उसे पर लटक गया। सुबह जब ग्रामीणों ने उसका शव लटका देखा तो ग्राम प्रधान को सूचना दी। ग्राम प्रधान पति तुलाराम वर्मा की सूचना पर मौके पर पहुची पुलिस ने शव को पेड़ से उतार कर कब्जे में ले लिया। मृतक के पिता टेक चंद्र बाहर मजदूरी करते हैं। मृतक दो भाई है। मृतक की माता संगीता देवी का रो-रो कर बुरा हाल है।

बाबा साहब की भव्य शोभा यात्रा का हुआ स्वागत

आंवला, अमृत विचार : भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर नगर में शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। शुभारंभ मोहल्ला बिलायतगंज से हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों पक्का कटरा, स्टेट बैंक चौराहा, भूमि विकास बैंक, गंज और अलीगंज बस अड्डा होते हुए पुनः बिलायतगंज पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। जगह-जगह पुष्प वर्षा की ।कमेटी के पदाधिकारी अरबिंद पेंटर ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर सर्व समाज के महान व्यक्तित्व थे।

आंवला में शोभायात्रा निकालते समर्थक। ● अमृत विचार

क्रय केन्द्र पर नहीं मिले प्रभारी, कार्रवाई के निर्देश

मीरगंज, अमृत विचार: गेहूं खरीद व्यवस्था को पारदर्शी, सुचारु और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से शनिवार को एडीएम (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह ने एसडीएम आलोक कुमार के साथ मीरगंज के सरकारी गेहूं क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकांश केंद्रों की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, लेकिन एक केंद्र पर प्रभारी के अनुपस्थित मिलने पर एडीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

निरीक्षण में खरीद प्रक्रिया, किसानों के पंजीकरण, तौल व्यवस्था, अभिलेखों के रखरखाव और भुगतान प्रणाली की गहन समीक्षा की गई।

फतेहगंज में दुकान में घुसकर महिला से मारपीट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : युवक ने दुकान में घुसकर महिला से गाली गलौज कर मारपीट कर दी ।विरोध करने पर पति को भी मारपीट कर घायल कर दिया ।महिला की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

इलाके के एक गांव की महिला ने बताया शुक्रवार को वह घर में मौजूद अपनी दुकान पर बैठी थी ।अचानक गांव का युवक अमर सिंह आया और उनके साथ गाली-गलौच करने लगा। मजदूरी करके लौटे पति को पूरी बात बताई। जिस पर पति ने जब युवक और उसके परिजनों से शिकायत की तो उसको भी मारपीट कर घायल कर दिया। तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बिना अनुमति आंबेडकर प्रतिमा स्थापित करने पर थाने में धरना

संवाददाता भुता,

अमृत विचार : दस दिनों पूर्व ग्राम मिर्जापुर में रात्रि के समय बिना प्रशासनिक अनुमति डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाये जाने के बाद ,आंबेडकर जयंती वाले दिन गांव के ही एक युवक ने सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज पर अभद्र टिप्पणी प्रसारित कर दी। इससे ब्राह्मण समाज व ग्रामीण भड़क गये। शनिवार को ब्राह्मण समाज ने विरोध करते हुए बिना प्रशासनिक अनुमति के लगायी प्रतिमा को हटाये जाने को लेकर थाना परिसर में धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। थाना क्षेत्र के ग्राम मिर्जापुर में 8 अप्रैल की रात बिना प्रशासनिक अनुमति के डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी गयी थी। तब किसी ने शिकायत नहीं की इससे मामला शांत रहा लेकिन अंबेडकर जयंती पर गांव निवासी संजू पुत्र सोमवीर द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर की गयी आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद विवाद गहराता चला गया है ।

भुता थाने में प्रदर्शन करते ब्राह्मण समाज के लोग। ● अमृत विचार

शनिवार को बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज व विश्व हिंदू राष्ट्र सेवा प्रांत के मंडल अध्यक्ष विजय गौरव सनातनी, राजेश पाराशरी, सोनू शर्मा, अशोक शर्मा, सत्यम गोड़ ,प्रांशु पाठक, वीरेंद्र गंगवार, उमेश सिंह ,निशांत सिन्हा आदि तमाम लोग थाने पहुंचे और धरना कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए अंबेडकर प्रतिमा हटाने की मांग को लेकर एक शिकायती ज्ञापन थाना क्राइम इंस्पेक्टर योगेंद्र कुमार को सौंपा। उनका कहना था कि प्रतिमा बिना प्रशासनिक अनुमति अवैध रूप से स्थापित की गई है और अभद्र टिप्पणी को लेकर गांव समाज में तनाव का माहौल बना हुआ है। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार कहना है कि बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित करने वालों के खिलाफ जांच पड़ताल कर चिन्हित किया जा रहा है।

नरियावल प्रकरण में बिथरी बीडीओ का ट्रांसफर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिले के विकास खंडों में शनिवार को हुए बड़े प्रशासनिक फेरबदल में बिथरी चैनपुर के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) कौशल कुमार गुप्ता का तबादला भदपुर कर दिया गया गया है। इसे नकटिया में गोवंश शिफ्टिंग के दौरान हुई एक गाय की मौत से जोड़कर देखा जा रहा है। लापरवाही उजागर होने पर उन्हें पद से हटाने से महज एक दिन पहले प्रतिकूल प्रवृष्टि भी जारी की गई थी। इस फेरबदल में सुखपाल सिंह से भुता ब्लॉक का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया है, जिसे लेकर चर्चाएं तेज हैं। अब उनके पास केवल क्यारा ब्लॉक की जिम्मेदारी रहेगी। भुता का नया प्रभार अपर जिला सहकारी अधिकारी अर्जुन कुमार को दिया गया है।

जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद जिला विकास अधिकारी दिनेश यादव ने आदेश जारी कर कई अन्य बीडीओ की की तैनाती में भी बदलाव किया है। इसमें आशीष पाल को भोजीपुरा से फतेहगंज पश्चिमी भेजा गया है, साथ ही वह बिथरीचैनपुर का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। आनन्द विजय यादव को मीरगंज से शेरगढ़, जबकि राम शंकर सिंह अब भदपुरा से मीरगंज में अपनी सेवाएं देंगे। वहीं, शिरीष वर्मा को बहेड़ी से भोजीपुरा की कमान सौंपी गई है। अन्य विभागों के अधिकारियों को भी ब्लॉक की जिम्मेदारी से जोड़ा गया है। जिला उद्यान अधिकारी जितेन्द्र कुमार को फरीदपुर और सुनील कुमार को मझगवां से हटाकर दमखोदा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इसके इलावा भगवान दास को फरीदपुर से हटाकर मझगवां में नवीन तैनाती दी गई है और उन्हें रामनगर का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल नए तैनाती स्थल पर प्रभार ग्रहण करने को कहा गया है ।

बहेड़ी के युवक की राजस्थान में नदी में डूबकर मौत

बहेड़ी अमृत विचार : परिवार पालने को पैसा कमाने के लिए राजस्थान गए एक युवक की नदी में डूबकर मौत हो गई। 20 वर्षीय यह युवक नदी में नहाने गया था। युवक का शव गांव पहुंचा, तो गांव में मातम का माहौल हो गया। मृतक के घर पर तो कोहराम मच गया।

गांव पचपेड़ा के जमील का 20 वर्षीय बेटा फैज़ान राजस्थान के बारा ज़िले में फर्नीचर का काम करने अपने भाई ज़ीशान के साथ राजस्थान गया था। शुक्रवार को अपने दो दोस्तों के साथ नदी पर नहाने गया था। नदी में कुछ देर नहाने के बाद वह गहराई भांप नहीं पाया और आगे बढ़ गया। इससे वह पानी में डूब गया। उसके साथी भी उस समय कुछ समझ नहीं पाएं। पुलिस ने नदी से उसकी लाश बरामद कर पोस्टमार्टम कराया।

फैज़ान का शव आज यहाँ उसके घर पहुंचा, तो घर में कोहराम मच गया। गांव वाले भी उसकी मौत से गमगीन हैं।

एक साल जेल से बाहर नहीं आ सकेगा तस्कर अकरम

बरेली, अमृत विचार: मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कुख्यात तस्कर अकरम पर बड़ी कार्रवाई की है। पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत उसकी निरोधक अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दी गई है, जिससे अब उसकी जल्द रिहाई की संभावना खत्म हो गई है।

2 जुलाई 2025 को इज्जतनगर पुलिस ने अकरम को उसके पांच साथियों आसिफ, हारुन, जावेद, राशिद और आदेश तिवारी के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इनके कब्जे से 3 किलो 526 ग्राम स्मैक बरामद की थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब सात करोड़ रुपये आंकी थी। कार्रवाई के दौरान 1.46 लाख रुपये नकद, सात मोबाइल व स्मैक तैयार करने के उपकरण बरामद हुए थे। एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अकरम को जेल भेज दिया गया था, जहां वह तभी से निरुद्ध है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अकरम का आपराधिक इतिहास पुराना है। वह लंबे समय से मादक पदार्थ तस्करी में सक्रिय रहा है। वर्ष 2018 में ऊधम सिंह नगर पुलिस ने उसे 252 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था।

- पिट एनडीपीएस के तहत बड़ी कार्रवाई, ड्रग माफिया पर शिकंजा

तस्कर ने स्वीकारी स्मैक बेचने की बात

जुलाई 2024 में फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने पंकज नामक आरोपी से 211 ग्राम स्मैक बरामद की थी। पूछताछ में पंकज ने यह स्मैक अकरम से खरीदने की बात स्वीकार की थी। मामले में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। फरवरी 2025 से न्यायालय में सुनवाई जारी है।

आरोपी तस्कर के खिलाफ पिट एनडीपीएस के तहत कार्रवाई हुई है। इससे वह एक साल तक जेल से बाहर नहीं आ सकेगा। और भी तस्करों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी।

– अनुराग आर्य, एसएसपी

सुनहरे अतीत की परछाईं लाल इमली मिल

150 साल पहले स्थापित मिल जो 'मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट' की थी पहचान, अब इतिहास का हिस्सा

कभी मिलों-फैक्ट्रियों के एक के बाद एक बजते सायरन, मशीनों की गड़गड़ाहट और सड़कों पर मजदूरों की साइकिलों की घंटियों से गुलजार रहने वाले शहर कानपुर की शान कही जाती थी, लाल इमली। एक ऐसी मिल जिसने इस शहर को न सिर्फ दुनियाभर में प्रसिद्धि दिलाई, बल्कि पूरब को मैनचेस्टर बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। 'लाल इमली' ब्रांड भरोसे और गुणवत्ता की पहचान था। देश में तो लोग गर्व से इस मिल में निर्मित ऊनी कपड़े पहनते ही थे, इंग्लैंड और यूरोप तक भी यहां के उत्पादों की धाक थी। आज यह मिल भले ही बंद हो चुकी हो, लेकिन कानपुरवासियों के लिए इसकी भव्य इमारत सांस्कृतिक विरासत का केंद्र होने के साथ गौरव, मेहनत और शिल्प कौशल की तमाम यादें संजोए है। इसकी लाल ईंटें और खामोश मशीनें आज भी देश की औद्योगिक यात्रा के सपनों को साकार करने की गाथा समेटे अतीत, वर्तमान और भविष्य की कहानी सुनाती नजर आती हैं। लाल इमली अब ऊनी सामान का उत्पादन भले न करती हो, लेकिन आज की पीढ़ी के लिए अपनी समृद्ध विरासत पर अभिमान करने वाली उस किताब जैसी है, जो बड़ी संख्या में इतिहासकारों, वास्तुकारों, फोटोग्राफरों के साथ डिजाइन और इंजीनियरिंग के छात्रों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती है।

– मनोज त्रिपाठी, कानपुर

80 साल का राम नरेश अपने बेटे और पौत्र के साथ प्रतापगढ़ से कानपुर आया तो फसाड लाइट से जगमग लालइमली को देखने से खुद को रोक नहीं पाया। उसकी और बेटे की यादें जो जुड़ी थीं इस मिल से। सड़क किनारे बेटे ने जब नेपथ्य में मिल की चकाचौंध दिखाने वाले एंगल से एक साथ खड़ी तीन पीढ़ियों की सेल्फी ली तो राम नरेश की आंखें गीली हो गईं। अभी वह मिल से अपनी विदाई और बेटे की बैठकी को याद ही कर रहा था कि पौत्र ने यह कहकर झिंझोड़ दिया कि बाबा मैं भी यहां काम करूंगा। अब भला बाप-बेटे उस सात साल के बच्चे को कैसे समझाते कि मिल बंद हो चुकी है और सिर्फ सुनहरी यादें ही रह गईं हैं। राम नरेश जैसी कहानी लाल इमली के उन हजारों मजदूरों की है, जो मिल दोबारा चलने की उम्मीद टूटने के बाद गांव लौट चुके हैं या फिर शहर में ही रहकर दो जून की रोटी के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। कभी उनके दिलों की धड़कन और परिवार की तरक्की का सबब रही सरकारी मिलों में सबसे बड़ी, लाल इमली, जो अपने ऊनी वस्त्रों की गुणवत्ता के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध थी, आज अपनी जर्जर, लेकिन विशाल इमारत, टूटी खिड़कियों और पुरानी मशीनों के साथ सिर्फ अतीत की परछाई भर बनकर रह गई है।

ब्रिटिश इंजीनियरिंग और भारतीय कौशल से बनी आकर्षक इमारत

कानपुर में सिविल लाइंस के समीप भव्य लाल ईंटों की इमारत लाल इमली बीती डेढ़ सदी से शहर की पहचान है। कानपुर का दिल और धड़कन कही जाने वाली इस मिल की भारत और यूरोपीय औद्योगिक शैली में निर्मित इमारत में ब्रिटिश इंजीनियरिंग और भारतीय कौशल का ऐसा अद्भुत संगम नजर आता है, जिसका आकर्षण आज भी अनूठा है। 19 वीं सदी में बनी इस मिल की डिजाइन तत्कालीन वास्तुकला का ऐसा बेहतरीन उदाहरण है, जिसे मजदूरों के कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया था। मिल में बड़ी-बड़ी मेहराबदार खिड़कियों से भीतर भरपूर धूप और ताजी हवा पहुंचती थी। मोटी ईंट की दीवारें गर्मी के मौसम में बिल्डिंग को ठंडा रखती थीं। आज भी, मिल की लाल दीवारें, ऊंची छतें और लयबद्ध खिड़की के पैटर्न देखकर लोग कह उठते हैं कि भवन निर्माण की आधुनिक तकनीक और एयरकंडीशनिंग सिस्टम आने से पहले कैसे किसी इमारत को इतना सुंदर और डिजाइनर होने के साथ व्यावहारिक तथा टिकाऊ बनाया गया होगा।

परिसर में लाल इमली का बड़ा पेड़ जो बन गया वैश्विक ब्रांड

1857 में कानपुर में गंगा किनारे हुए सत्ती चौरा संग्राम में 300 ब्रिटिश सैनिक मारे गए थे। इस घटना के बाद अंग्रेजों ने पूरे शहर को छावनी में बदल दिया। ब्रिटिश फौज की भारी तैनाती से कंबल, ऊनी कपड़ों, लोई और गर्म कपड़ों की जरूरत काफी बढ़ गई। इस मांग को पूरा करने के लिए ही कॉनपोर वूलेन मिल्स की स्थापना की गई। वर्ष 1876 में जॉर्ज एलन, वीई कूपर, गैविन एस जोन्स, डॉ. कोंडोन और बिवैन पेटमैन ने लाल इमली मिल की स्थापना की। परिसर में इमली का एक बड़ा पेड़ था, जिसकी इमली लाल रंग की होने के कारण इसका नाम 'लाल इमली' पड़ गया।

ऐसा औद्योगिक डिजाइन जिसने सामाजिक समृद्धि की नींव रखी

अपने समय के आधुनिक कारखानों में गिनी जाने वाली लाल इमली मिल ने अपनी यात्रा में हजारों परिवारों के जीवन का निर्माण किया और उन्हें नया आकार दिया। इसने ऊनी वस्त्रों के एक कारखाने से कहीं आगे बढ़कर एक संस्कृति और समुदाय का निर्माण किया। मिल के आसपास आवासीय कॉलोनियां, स्कूल, अस्पताल और बाजार विकसित हुए, जिन्होंने दिखाया कि कैसे एक औद्योगिक डिजाइन सामाजिक समृद्धि से जुड़कर मजदूरों और उनके परिवार के लिए बेहतर जीवनशैली का निर्माण कर सकता है। वर्ष 1950 के आसपास लाल इमली में करीब 10 हजार श्रमिक कार्यरत थे, यह समय मिल के स्वर्णिम युग जैसा था। तीन शिफ्टों में काम चलता था। मशीनें कभी बंद नहीं होती थीं। इसके हूटर की आवाज से तीन किमी क्षेत्र में लोगों को पता चल जाता था कि अभी क्या समय हुआ है।

समय के धागे जैसी मिल में स्थापित घंटाघर की कहानी

लाल इमली देश में औद्योगिक क्रांति का दौर शुरू होने की दास्तान भी सुनाती है। यह वह समय था, जब देश में घड़ियों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। लोग समय का अंदाज सूरज के चढ़ने और ढलने तथा जमीन पर पड़ने वाली परछाई से लगाते थे। सामान्य जीवन में समय की पाबंदी का आज जैसा महत्व भी नहीं था। यह वह समय था, जब घड़ी खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं थी। ऐसे में लाल इमली मिल के शुरू होने पर कानपुर के लोगों के लिए घंटे और मिनट का महत्व बढ़ गया। आठ-आठ घंटे की तीन पालियों में चलने वाली मिल में मजदूरों को समय से पहुंचना होता था, लेकिन सही समय का पता कैसे चले, घड़ी अधिकतर लोगों के पास होती ही नहीं थी। इसी समस्या को हल करने के लिए मिल के प्रबंधक गैविन एस जोन्स ने मिल के पूर्वी कोने पर ऊंची मीनार बनवाकर वर्ष 1880 में घड़ी लगवाई, जिसकी सुइयां इंग्लैंड से आयात की गईं। शहर का यह पहला 'क्लॉक टावर' लगभग दो लाख रुपये में बना था। छह महीने में बनकर तैयार हुए इस टावर को देखने दूर-दूर से लोग आते थे। इसके बाद लाल इमली मिल प्रबंधन ने घंटाघर बनाने का फैसला लिया। वर्ष 1911 में मिल की इमारत में घंटाघर बनना शुरू हुआ, जो वर्ष 1921 में बनकर तैयार हुआ। इसमें खास बात यह थी कि इस घंटाघर को लंदन के बिग बेन की तर्ज पर बनाया गया। इस घंटाघर की ऊंचाई 128 फुट थी। इतनी ऊंचाई के बावजूद घंटाघर की टिकटिक करती सुइयां नीचे से साफ तौर पर सुनी जा सकती थीं।

बीआईसी का अंतिम अवशेष है मिल

ब्रिटिश इंडिया कॉरपोरेशन (बीआईसी) के अधीन कानपुर की लाल इमली और पंजाब में स्थित धारीवाल मिल का संचालन होता था। 1920 में ब्रिटिश इंडिया कॉर्पोरेशन को स्थापित किया गया था। इसके बाद लाल इमली के संचालन के लिए एक निदेशक मंडल बनाकर लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया। वर्ष 1956 में मुद्रा घोटाले के बाद निदेशक मंडल को भंग कर दिया गया। 11 जून 1981 को हुए राष्ट्रीयकरण के बाद यह मिल भारत सरकार के अधीन हो गई थी। वर्ष 1992 में इसे बीमार यूनिट घोषित कर दिया गया। इसके बाद साल 2012 से मिल में उत्पादन बंद हो गया।

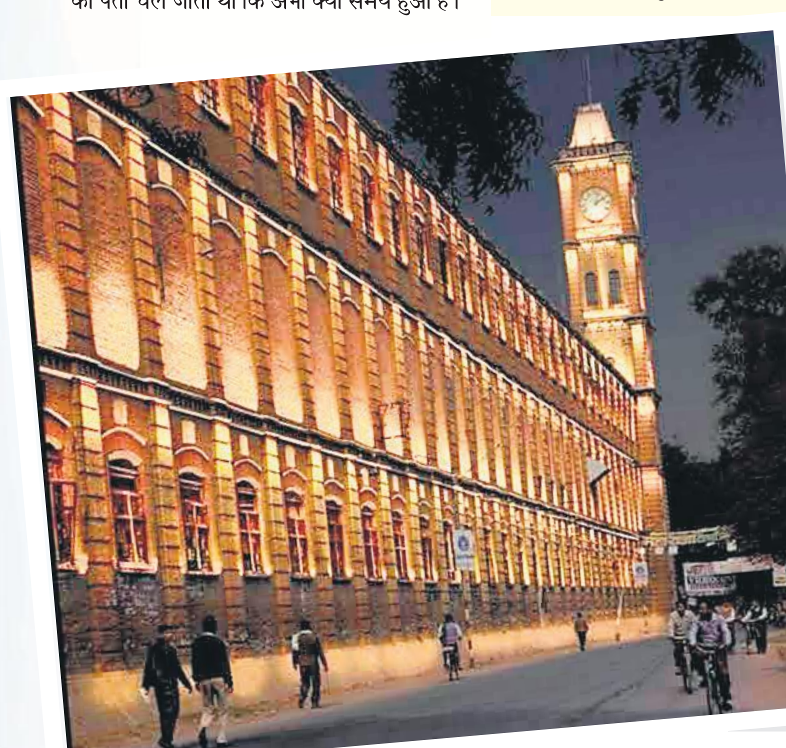

फसाड लाइटिंग से रोशन होने पर विरासत को लगे चार चांद

लाल इमली अब एक ऐतिहासिक इमारत और कानपुर की वास्तुकला का गौरव है, इसे देखते हुए कानपुर स्मार्ट सिटी मिशन के जरिए मिल की ऐतिहासिक इमारत को फसाड लाइटिंग से नया स्वरूप प्रदान किया गया है। चार साल पहले इस काम पर एक करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। डिजाइन फैक्ट्री इंडिया (डीएफआई) ने मिल की विरासत के पुनरुद्धार की योजना को धरातल पर उतारा। उसे इमारत के 100 मीटर लंबे अग्रभाग को रोशन करने का काम सौंपा गया। लक्ष्य था वास्तुशिल्पीय विशेषताओं को उजागर करते हुए मिल की खोई हुई शान को वापस लाना। डीएफआई ने पाया कि मिल परिसर की वास्तुकला दिलचस्प है, मिल औपनिवेशिक तत्वों और अग्रणी निर्माण तकनीक से सुसज्जित है। इन विशेषताओं को उजागर करने के लिए उसने कई डिजाइन दृष्टिकोण विकसित किए। इसमें फसाड लाइटिंग से प्रकाश के फैलाव, किरणों के कोण, प्रकाश की तीव्रता और रंग के तापमान को लेकर कलात्मक दृष्टिकोण के साथ व्यापक शोध किया गया। अंततः लाइटों की रोशनी से बनने वाली परछाइयों का कुछ इस तरह संयोजन किया गया, जो एक शांत, लेकिन उत्सवपूर्ण दृश्य प्रस्तुत करता है। काम पूरा होने के बाद यहां फोटोग्राफी के शौकीन, सेल्फी लेने वाले और रील बनाने वालों की भीड़ बढ़ गई। लोग दूर-दूर से इमारत की भव्यता देखने आने लगे।

आस्ट्रेलिया की मेरिनो भेड़ की वूल से बनते थे विश्व प्रसिद्ध उत्पाद

लाल इमली अपने वूलन क्लॉथ के लिए मशहूर थी। एक जमाने में यहां आस्ट्रेलिया की मेरिनो भेड़ के बाल से बनने वाली वूल से कंबल, लोई, मोजे, मफलर, टोपी व कपड़े बनाए जाते थे, जो इतने गर्म होते थे कि पहनने वाले को कड़ाके की ठंड में भी पसीना छूट जाता था। सियाचिन और लद्दाख सीमा पर तैनात होने वाले सैनिकों के लिए लाल इमली के वूलन कपड़े बर्फ से बचाव में कवच का काम करते थे। यहां बनने वाली '60 नंबर लोई' पूरी दुनिया में प्रसिद्ध थी, जिसे इंग्लैंड, अमेरिका, रूस और जर्मनी तक निर्यात किया जाता था। यह वही लोई थी, जिसे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बाद राजीव गांधी बड़े चाव से ओढ़ते थे। अपनी इसी धमक के चलते लाल इमली को बेस्ट वूलन क्लॉथ के लिए स्पेन में इंटरनेशनल ग्लोबल अवार्ड भी प्रदान किया गया था। यही वह समय था, जब मिल के आउटलेट्स खरीदारों की भीड़ से भरे रहते थे। इस तरह लाल इमली भारत की पहली ऊनी मिल थी, जिसने वैश्विक ऊन बाजार में देश को शानदार मुकाम पर पहुंचाया।

लंदन के बिग बेन से काफी समानता लोगों को टाइम मैनेजमेंट समझाया

लंदन में टेम्स नदी के किनारे ब्रिटिश सरकार का मुख्यालय वेस्टमिंस्टर पैलेस 1834 में आग में नष्ट हो जाने के बाद, जो नया महल बनाया गया, उसमें एक घंटाघर भी स्थापित किया गया। बिग बेन के नाम से मशहूर इसकी घड़ी आज भी लंदन के प्रतिष्ठित स्थलों में शामिल है। यहां तक कि बिग बेन, जिसे अब एलिजाबेथ टॉवर कहा जाता है, के बिना कोई लंदन या इंग्लैंड के बारे में सोच भी नहीं सकता। वेस्टमिंस्टर पैलेस की तरह साल 1910 में लाल इमली मिल भी आग में जलकर काफी नष्ट हो गई थी।

इसके बाद मिल की इमारत के साथ घंटाघर भी बनाया गया। इसका निर्माण 1911 में शुरू हुआ और 1921 में पूरा हुआ। लाल इमली के इस घंटाघर के कारण कानपुर के लोगों को घंटे और मिनट का महत्व समझ में आने लगा। मजदूर समय से मिल में पहुंचने लगे। मिल के टाइम कीपर को भी कब पाली शुरू होगी, कब पाली बदलेगी, कब लंच होगा, जैसी चीजों का प्रबंधन करने में आसानी हो गई। इसके साथ ही जो लोग मिल में काम नहीं करते थे, उन्हें भी समय के मूल्य का एहसास होने लगा। इस तरह लाल इमली के घंटाघर ने तत्कालीन समाज को टाइम मैनेजमेंट का महत्व समझा दिया।

दिल की सेहत का साथी अर्जुन की छाल

आयुर्वेद एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जिसमें प्रकृति के विभिन्न घटकों–जैसे जड़ी–बूटियां, वृक्ष, खनिज आदि का उपयोग करके शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास किया जाता है। इन्हीं औषधीय वृक्षों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण वृक्ष है अर्जुन (Terminalia arjuna)। अर्जुन की छाल को आयुर्वेद में विशेष रूप से हृदय रोगों के उपचार में उपयोगी माना गया है। आधुनिक जीवनशैली, बढ़ते तनाव, असंतुलित आहार और शारीरिक निष्क्रियता के कारण हृदय रोगों का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में अर्जुन की छाल एक प्राकृतिक और प्रभावी औषधि के रूप में उभरती है, जो न केवल हृदय को स्वस्थ रखती है बल्कि शरीर के अन्य अंगों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है।

डॉ. एस के साहु
प्रोफ़ेसर, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बरेली

अर्जुन एक विशाल, छायादार और सदाबहार वृक्ष है, जो भारत के लगभग सभी भागों में पाया जाता है, विशेषकर नदी किनारों और नम भूमि में। इसका तना मजबूत और सीधा होता है तथा इसकी छाल हल्के गुलाबी या भूरे रंग की होती है, जो परतों में निकलती है। औषधीय उपयोग के लिए इसी छाल का प्रयोग किया जाता है। आयुर्वेद में अर्जुन को 'हृदय मित्र' कहा गया है, क्योंकि यह हृदय की कार्यक्षमता को बढ़ाने में अत्यंत प्रभावी है। अर्जुन की छाल का स्वाद कषाय (कसैला) होता है, जो शरीर में कफ और पित्त दोष को शांत करता है। इसका गुण लघु और रुक्ष होता है, जिससे यह शरीर में अतिरिक्त नमी और कफ को कम करता है। इसका वीर्य शीतल होता है, जिससे यह शरीर को ठंडक प्रदान करता है और सूजन तथा जलन को कम करता है। विपाक कटु होने के कारण यह पाचन को भी सुधारता है। इन सभी गुणों के कारण अर्जुन शरीर में संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हृदय स्वास्थ्य में अर्जुन की भूमिका

अर्जुन की छाल को आयुर्वेद में हृदय रोगों की प्रमुख औषधि माना गया है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाता है। नियमित सेवन से हृदय की धड़कन संतुलित रहती है और हृदय संबंधी कमजोरी दूर होती है। अर्जुन रक्त वाहिकाओं को लचीला बनाता है, जिससे रक्त प्रवाह सुचारु रहता है और उच्च रक्तचाप नियंत्रित होता है। इसके अलावा यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे हृदयाघात (हार्ट अटैक) का खतरा कम हो जाता है।

अर्जुन क्षीरपाक का महत्व

अर्जुन की छाल का सबसे प्रभावी और पारंपरिक प्रयोग 'क्षीरपाक' के रूप में किया जाता है। इसमें अर्जुन की छाल को दूध और पानी के साथ पकाया जाता है, जिससे उसके औषधीय गुण और अधिक प्रभावी हो जाते हैं। यह विशेष रूप से हृदय की कमजोरी, थकान और मानसिक तनाव में लाभकारी होता है। नियमित रूप से अर्जुन क्षीरपाक का सेवन करने से शरीर को पोषण मिलता है और हृदय को विशेष शक्ति प्राप्त होती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

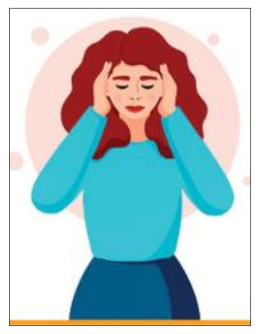

अर्जुन की छाल का प्रभाव केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। यह मन को शांत करती है और तनाव, चिंता तथा घबराहट को कम करती है। वर्तमान समय में जहां मानसिक तनाव एक सामान्य समस्या बन चुका है, वहां अर्जुन का सेवन मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

अन्य रोगों में उपयोगिता

अर्जुन की छाल केवल हृदय रोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई अन्य रोगों में भी लाभकारी है। इसके एंटीसेप्टिक गुण घावों को जल्दी भरने में मदद करते हैं और संक्रमण को रोकते हैं। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है, क्योंकि यह कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाता है। मधुमेह के रोगियों के लिए भी अर्जुन उपयोगी है, क्योंकि यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा त्वचा रोगों, एलर्जी और सूजन में भी इसका उपयोग किया जाता है।

सेवन विधि

अर्जुन की छाल का सेवन विभिन्न रूपों में किया जा सकता है, जैसे चूर्ण, काढ़ा या क्षीरपाक आजकल मार्केट में कैप्सूल और टैबलेट के रूप में भी यह उपलब्ध है। सही मात्रा और सेवन विधि के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह लेना आवश्यक है ताकि अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, फ्लेवोनॉयड्स और टैनिन्स पाए जाते हैं, जो हृदय को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं। कई शोधों में यह पाया गया है कि अर्जुन हृदय की कार्यक्षमता को सुधारने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में सहायक है। इसे एक शक्तिशाली हृदय टॉनिक के रूप में बताया गया है, जो हृदय को बल और स्थिरता प्रदान करता है।

दैनिक जीवन में उपयोग

आज के व्यस्त जीवन में अर्जुन की छाल को अपनी दिनचर्या में शामिल करना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकता है। विशेष रूप से वे लोग, जो तनावपूर्ण जीवन जीते हैं, उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं या हृदय रोग का जोखिम रखते हैं, उन्हें इसका सेवन अवश्य करना चाहिए। यह एक प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय है, जो लंबे समय तक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।

सावधानियां

यद्यपि अर्जुन एक प्राकृतिक औषधि है, फिर भी इसका सेवन सावधानीपूर्वक करना चाहिए। अधिक मात्रा में सेवन से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं और गंभीर रोगियों को इसका सेवन करने से पहले चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

अर्जुन की छाल आयुर्वेद की एक अमूल्य औषधि है, जो विशेष रूप से हृदय स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। इसके नियमित और सही उपयोग से न केवल हृदय को मजबूत बनाया जा सकता है, बल्कि शरीर के अन्य अंगों को भी स्वस्थ रखा जा सकता है। आधुनिक जीवनशैली में जहां रोगों का खतरा लगातार बढ़ रहा है, वहां अर्जुन जैसी प्राकृतिक औषधियां एक सुरक्षित, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रदान करती हैं।

रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय सेक्टर -7, डोहरा रोड बरेली में रोगियों को उचित आहार-विहार और जीवनशैली के बारे में मार्गदर्शन दिया जाता है, जिससे उपचार के परिणाम लंबे समय तक बने रहते हैं। इस प्रकार यह संस्था समग्र, सुरक्षित और स्थायी आयुर्वेदिक उपचार प्रदान करती है। संस्था में योगा एवं पंचकर्म की प्रक्रियाएं सुरक्षित तरीके से कराई जाती हैं, जिससे शरीर की शुद्धि होती है और उसके बाद दी जाने वाली कायचिकित्सा औषधियां अधिक प्रभावी ढंग से काम करती हैं।

टेक्नोलॉजी से फिटनेस-स्मार्ट आदतों की ओर एक कदम

आज के डिजिटल युग में तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। मोबाइल, स्मार्टवॉच और विभिन्न डिजिटल उपकरणों ने हमारे काम को आसान बनाया है, लेकिन इन्हीं साधनों का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग हमारे स्वास्थ्य के लिए चुनौती भी बनता जा रहा है। घंटों तक मोबाइल स्क्रीन पर स्क्रॉल करना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

इंदु सिंह
लेखिका

वास्तव में तकनीक का उद्देश्य हमारे समय और श्रम की बचत करना था, लेकिन आज स्थिति यह है कि हम बचाए गए समय को भी इन्हीं उपकरणों पर खर्च कर देते हैं। परिणामस्वरूप, शारीरिक गतिविधि में कमी, आंखों की थकान, नींद की समस्या और मोटापे जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कई शोध भी यह संकेत देते हैं कि आधुनिक जीवनशैली और तकनीकी उपकरणों का अत्यधिक उपयोग नई-नई बीमारियों के उभरने का एक प्रमुख कारण बन रहा है।

हालांकि यदि समझदारी से उपयोग किया जाए, तो यही तकनीक हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का सशक्त माध्यम भी बन सकती है। आज लगभग हर स्मार्टफोन में स्वास्थ्य संबंधी ऐप्स उपलब्ध हैं, जो हमारी दैनिक गतिविधियों, कदमों की संख्या, कैलोरी बर्न और नींद की गुणवत्ता को ट्रैक करते हैं। स्मार्टवॉच और फिटनेस बैंड जैसे उपकरण हृदय गति, ऑक्सीजन स्तर और शारीरिक गतिविधियों की निगरानी कर हमें अपनी सेहत के प्रति जागरूक बनाते हैं।

स्वस्थ रहने के लिए तकनीक का सही उपयोग करने के कुछ सरल तरीके अपनाए जा सकते हैं। जैसे-हर 30 से 45 मिनट के कार्य के बाद उठकर थोड़ा टहलने के लिए रिमाइंडर सेट करना, प्रतिदिन 10,000 कदम चलने का लक्ष्य निर्धारित करना और उसकी प्रगति को ट्रैक करना। इसके अलावा, योग, ध्यान और व्यायाम से जुड़े वीडियो आज विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आसानी से उपलब्ध हैं, जिनका लाभ उठाकर घर बैठे भी फिट रहा जा सकता है। बाजार में कुछ ऐप्स ऐसे आए हैं, जो उपयोगकर्ता को उनकी फिटनेस यात्रा का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करते हैं, जिससे वे अपनी प्रगति को समझकर बेहतर लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। ये ऐप्स समय-समय पर पानी पीने, चलने-फिरने और सक्रिय रहने की याद भी दिलाते हैं, जो एक स्वस्थ दिनचर्या बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

अंततः फिट रहना कोई कठिन कार्य नहीं है, बल्कि यह सही दिशा में छोटे-छोटे प्रयासों का परिणाम है। यदि हम तकनीक का उपयोग केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उसे अपने स्वास्थ्य सुधार का साधन बना लें, तो एक संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना सहज हो सकता है।

स्मार्ट फिटनेस के 5 आसान मंत्र

- हर दिन कम से कम 8-10 हजार कदम चलने का लक्ष्य रखें।
- हर 30-45 मिनट में ब्रेक लेकर 2-5 मिनट टहलें।
- स्क्रीन टाइम को सीमित करें और ट्रैक करें।
- फिटनेस ऐप्स का नियमित उपयोग करें।
- पर्याप्त नींद और पानी का ध्यान रखें।

फिटनेस ऐप्स

- ये ऐप्स दैनिक गतिविधियों का ट्रैक
- रनिंग और साइक्लिंग के लिए
- संपूर्ण स्वास्थ्य मॉनिटरिंग
- योग और वर्कआउट गाइड

ध्यान रखने योग्य बातें

- तकनीक का उपयोग संतुलित मात्रा में करें अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बचें।
- केवल डेटा देखने के बजाय उस पर अमल करें।
- लक्ष्य छोटे रखें, लेकिन नियमितता बनाए रखें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष – यह सप्ताह राहत भरा रह सकता है। यदि आप बीते कुछ समय से किसी समस्या को लेकर परेशान चल रहे थे, तो इस हफ्ते किसी प्रभावी व्यक्ति अथवा इष्टमित्रों की मदद से उसका समाधान खोजने में अंततः कामयाब हो जाएंगे। कार्य विशेष के लिए संघर्ष कामयाब होगा।

वृष – इस सप्ताह बहुत सोच–समझकर कदम उठाने की आवश्यकता रहेगी। किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने की गलती न करें और लोगों की नेक सलाह का स्वागत करें। लोगों पर आंख मूंदकर विश्वास न करें और न ही किसी को अपनी कमजोरी बताएं अन्यथा लोग उसका गलत फायदा उठा सकते हैं।

मिथुन – यह सप्ताह थोड़ा उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। इस सप्ताह अथक परिश्रम और प्रयास करने के बाद ही कार्यों में मनचाहा फल मिल पाएगा।

कर्क – यह सप्ताह आपको घर और बाहर लोगों का समर्थन सहयोग प्राप्त होता रहेगा। आप अपनी बुद्धि और विवेक से तमाम तरह के लक्ष्यों को हासिल करने में अंततः कामयाब होंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों को सप्ताह के पूर्वार्ध में मनचाहा लाभ पाने के लिए थोड़ा अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है।

सिंह – यह सप्ताह औसत फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने सेहत और संबंध पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में अपनी दिनचर्या एवं खानपान का ख्याल रखें और मौसमी बीमारी से खुद का बचाव करें। इस सप्ताह आपको अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए विशेष प्रयास करने पड़ेंगे।

कन्या – यह सप्ताह सेहत, संबंध और सर्विस इन तीनों ही स्थितियों को लेकर थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है। आप मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने के कारण शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा झेल सकते हैं। इस दौरान करियर–कारोबार में भी विरोधियों के सक्रिय रहने के कारण उठापटक की स्थिति देखने को मिल सकती है।

तुला – यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपको लोगों के साथ अधिक तर्क–वितर्क वाली स्थिति से बचने की आवश्यकता रहेगी। भूलकर भी किसी दूसरे के मामले में टांग न अड़ाएं और अपने लक्ष्य पर फोकस करें अन्यथा बेवजह की दिक्कतें झेलनी पड़ सकती हैं।

वृश्चिक – इस सप्ताह आपको सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में स्थितियां थोड़ी संतोषजनक रहेंगी, लेकिन उत्तरार्ध में आपको कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान बनते हुए कार्यों में विघ्न आने से मन खिन्न रहेगा।

धनु – यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह चीजें कभी बनती, तो कभी बिगड़ती हुई नजर आएंगी। ऐसे में इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को आधे–अधूरे मन से करने या फिर कहें लापरवाही करने से बचना चाहिए। सप्ताह के पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं।

मकर – इस सप्ताह आप यदि आप बगैर आपा खोए अपने धैर्य और विवेक को बनाए रखते हैं, तो अपनी सूझबूझ के जरिए तमाम समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं। सप्ताह की शुरुआत में कार्यक्षेत्र अथवा कारोबार में कोई बड़ी अड़चन आ सकती है, जिसे दूर करने में आपका कोई मित्र या शुभचिंतक काफी मददगार साबित होगा।

कुंभ – कुंभ राशि के जातकों के लिए सप्ताह के पूर्वार्ध का थोड़ा समय यदि छोड़ दिया जाए, तो बाकी हफ्ता शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत में आपको कामकाज से जुड़ी कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों से ही अपेक्षाकृत सहयोग कम मिल पाएगा।

मीन – इस सप्ताह किए गए प्रयास और परिश्रम का फल थोड़ा देर से या फिर कहें रुकावटों के बाद प्राप्त होगा। सप्ताह की शुरुआत अचानक से कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसे पूरा करने के लिए आपको अपनी जमापूंजी खर्च करनी पड़ सकती है अथवा किसी से धन भी उधार लेना पड़ सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 55

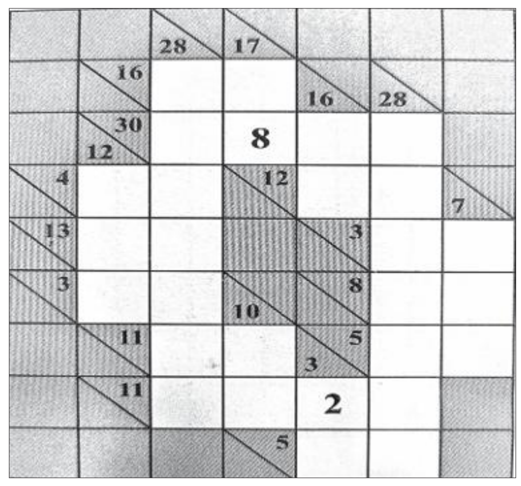

काकुरो 54 का हल

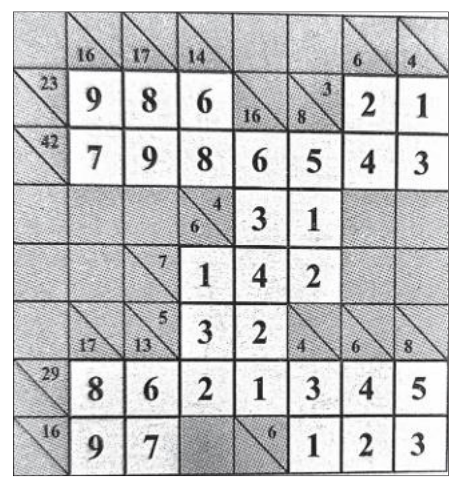

कहानी

कागज की नाव और बचपन

बेटा शिवा, ओ बेटा शिवा, कहां है? कब तक खेलता रहेगा, बारिश आने वाली है, अब अंदर आजा। जी नानी मां, आया, बस थोड़ी देर और। एक तो इस लड़के की यह थोड़ी देर सारा दिन निकाल देती है। रुक जा तेरी मां से शिकायत लगाती हूं अभी। वीना, देख जरा अपने लाडले को, जरा नहीं सुनता यह लड़का मेरी तो। रहने दो मां, बरसात की छुट्टियों का आनंद लेने दो इसे और वैसे भी यह नानी के घर आकर मजे नहीं करेगा, तो क्या शहर में रहकर करेगा?

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

थोड़ी ही देर बाद शिवा कमरे में आता है और अलमारी से पुराने कागज निकालकर फिर से आंगन की ओर जाने लगता है और जाते जाते अपनी मां और नानी मां से कहता है कि "मैंने मिट्ठू के घर खाना खा लिया है, आप खा कर सो जाइएगा।" यह सुनकर नानी मां को और भी गुस्सा आया और फिर बोलीं, "इस लड़के को भी न खाने की चिंता न नहाने की, सुबह से बाहर खेले जा रहा है। अब तो बारिश भी लग पड़ी है, बीमार हो जाएगा तू, सुनता है क्या? मैं भी भला किसे बोले जा रही हूं। यह लड़का नहीं सुधरने वाला। चलो वीना हम तो खाना खा लें।"

बीते जमाने के कुछ मीठे एहसास होंठो पर आज भी प्यारी सी मुस्कान ला देते हैं। खास कर हमारे बचपन से जुड़े वो सभी बेहतरीन किस्से जो आज भी भुलाए नहीं भूलते। बेशक आज हम बड़े हो चुके हैं, लेकिन अपना बचपन भला कौन भुला पाता है? आजकल तो हम खुद के बच्चों में ही अपना बचपन खोजने लग जाते हैं। अब तो बच्चों के साथ हम भी ऐसी-ऐसी अठखेलियां करने को आतुर होने लगते हैं, मानो अभी बाहर से मां की आवाज आएगी, "चुप करते हो या आऊं डंडा लेकर"? खास कर जब नानी मां के घर जाएं तब तो मानो दोबारा से स्वर्ग में रहने आ गए हों। और नानी मां डांटेगी यह कहकर कि आजा अब अंदर, बहुत हुआ तेरा खेल। वो लम्हे थे ही इतने हसीन कि आज भी वो हकीकत से प्रतीत होते हैं। वैसे भी बचपन होता ही इतना मधुर और रसीला है कि बिताए हुए पलों में हर जगह से, हर सफर से और तो और हर मौसम से हमारे कोई न किस्से खुद ही हमारे भीतर उजागर होने लगते हैं। अब जैसे शिवा को ही देख लो, अभी तक बाहर खेले जा रहा है। नानी मां तो खाना खाकर सो भी गई, लेकिन शिवा की मां उसका इंतजार करने में लगी हुई है।

थोड़ी देर बाद जब बूंदाबांदी फिर शुरू हुई तो शिवा की मां शिवा को लाने के लिए चल पड़ी। मां जैसे ही आंगन में पहुंची तो वहां का नजारा देखकर मां का हृदय ऐसा प्रफुलित हुआ, मानो मां को भी अपना बचपन याद आ गया हो। मां ने देखा कि शिवा, कन्नू, अंशू, सन्नू, मिट्ठू, दित्तु, कित्तु आदि सभी बच्चे बारिश में झूम रहे हैं और कागजों से बेहतरीन नाव बनाकर आंगन के पास एकत्रित हुए पानी में कागज की कश्तियां चला रहे हैं। यह दृश्य देख कर मां चाह कर भी शिवा को अंदर नहीं बुला पाई।

भला मां ने भी तो बचपन में अपने दोस्तों के संग ऐसी कई तरह की अठखेलियां की होंगी और शिवा तो अपनी नानी के घर आता भी साल में सिर्फ एक बार है वो भी बरसात की छुट्टियों में।

ऐसा कुछ सोचकर मां शिवा को बिना आवाज लगाए ही लौट आई और सो गई। शिवा रोज ऐसे ही करता और शिवा की मां और नानी मां दोनों उसकी शरारतें देखती भी, उसे डांटती भी और ढेर सारा प्यार भी करती। ऐसे कई दिन बीत गए और एक दिन वो भी आया जब शिवा की मां ने शिवा को बताया कि कल हम वापिस शहर जा रहे हैं, आज रात को ही तैयारी कर लेना सुबह बापिस जाने की। यह सुनकर शिवा बहुत उदास हुआ। उस दिन शिवा खेलने को भी बहुत देरी से आया और आकर चुपचाप एक किनारे बैठ गया। शिवा कभी आसमान की तरफ देखे और कभी अपनी कागज की नाव की तरफ। सभी दोस्तों ने पूछा, शिवा क्या बात है, तुम उदास क्यों हो? किसी का इंतजार कर रहे हो क्या? शिवा ने कहा, हां बारिश का इंतजार कर रहा हूं। मुझे बारिश के साथ बहुत सी बातें करनी हैं। कैसी बातें, दोस्तों ने पूछा? मुझे यही पूछना है कि जब हम बड़े हो जाएंगे, तब भी यह बारिश इसी महक के साथ बरसेगी और हम सबके साथ खेला करेगी या फिर वक्त के साथ यह भी बदल जाएगी? इस बारिश ने जैसी खुशी हमें बचपन में दी है, क्या वैसी ही खुशी हमें बड़े होकर भी देती रहेगी? क्या यह बारिश हमारी इन कागज की नावों का यूंही सहारा बनती रहेगी या इन्हें भी कहीं बहा कर हमसे दूर ले जाएगी? शिवा के ऐसे सवाल सुनकर सभी दोस्त सोचने लगे कि आज शिवा यह कैसी बातें कर रहा है? इस पर सभी दोस्तों ने शिवा से पूछा, शिवा बात क्या है हमें बताओ, यूं पहेलियां न बुझाओ।

इस पर शिवा ने अपने दोस्तों को बहुत गहरा जवाब दिया, "छोड़ चला हूं नाव यहीं पर, देखभाल तुम करना। आऊंगा अगले साल ही अब, इंतजार सब करना। ऐसी बारिश नाव और प्यार, कहीं नहीं मुझे मिलना। बचपन का यह प्यारा पल, किताबों में है लिखना।।" यही कुछ पंक्तियां कहता हुआ अपने दोस्तों और नानी मां को रुलाता हुआ, शिवा अपनी मां के साथ वापिस शहर आ गया।

शहर आने के बाद अपने दोस्तों को, गांव की बारिश को और कागज की नाव को बहुत याद करने लगा। धीरे-धीरे समय के साथ शिवा बड़ा होता गया। हालांकि पहले की तरह ही हर साल शिवा अपनी नानी मां के घर जरूर जाया करता और अपने बचपन के दोस्तों संग वैसे ही मस्ती किया करता।

आज भले ही शिवा बड़ा हो गया है और बचपन के लगभग सभी दोस्त भी नौकरी के लिए या किन्हीं अन्य कारणों से दूसरी जगहों पर जाकर रहने लग पड़े हैं, लेकिन बचपन की वो बारिश और कागज की नाव आज भी शिवा और उसके सभी बचपन के दोस्तों को, इकट्ठे गांव आने से रोक नहीं पाती। मज़े की बात तो यह है कि अब शिवा और उसके दोस्त नहीं, बल्कि उनके छोटे बच्चे बारिश में भीगने और कागज की नाव चलाने का आनंद लेते हैं। शिवा की नानी मां भी बहुत बूढ़ी हो चुकी हैं, जो अब शिवा को कम ही डांटा करती हैं।

काव्य

एक तुम्हारे होने से

रौनक रहती भरे शहर में
एक तुम्हारे होने से,
उठती रहती लहर लहर में
एक तुम्हारे होने से।

धरती पर मुस्काता चंदा
जब भी गाता आता है,
अपनी नम किरणों से छूकर
मरु में फूल खिलाता है।

खुशबू भरती मरे शजर में
एक तुम्हारे होने से।

मदिर हवा का मीठा झोंका
दिल में हो मधुर तराना,
किसी नदी का ज्यों बलखाकर
सागर के उर में आना।

शबनम-शबनम बसी नजर में
एक तुम्हारे होने से।

खाली झोली भर जाती है
फूल हंसी के झरने से
कठिन डगर भी हंसती मिलती
बस तेरे हां करने से

खुशियां बहती संग सफर में
एक तुम्हारे होने से।

हाल हमारा तुमको चाहे
मालूम न हो भले मगर
तेरी बाबत मुझे पूछते
रोज-रोज हैं गांव नगर

मैं भी रहता खोज खबर में
एक तुम्हारे होने से।

संजय पंकज
वरिष्ठ साहित्यकार

तन्हाई

दिल करता है बहुत दूर चली
जाऊं कहीं दूर इतनी दूर
जहां मेरे विचार सांस ले
सके, तस्वीर कागज पर
उतर सके

मेरा मन खुले आसमान में
उड़ सके, जहां सपने अपंग
न हो
तमन्नाएं विकलांग न हो,
खुशियां अपाहिज न हो

मुस्कुराहट सहमी सी न हो,
सपने डरे से न हो
मन में टीस न हो, पलकों के
बीच आंखें

चैन से सोई रहे, बेफिक्र
लम्हों को यूंही समेटती रहे
दिन मुरझाया सा न हो, रात
कुम्हलाई सी न हो

सुबह अलसाई सी न हो,
शाम की खूबसूरती में
इंद्रधनुष के रंग हो
रोशनी उलझी सी न हो,
चांदनी फिकी सी न हो
भीगी-भीगी सी हवाएं हो,
जो हर पल हर लम्हा तुम्हारा
एहसास दे।

इन सबके बीच मेरी तन्हाई
हो, जो बेफिक्र लम्हों में
तुमसे बातें करती रहे
तुम्हारी कल्पनाओं में रंग
भरती रहे, और तुम्हारी यादें
संजोती रहे।

दिल करता है बहुत दूर
चली जाऊं, इतनी दूर जहां
कोई पेड़ कोई पत्ता तक मुझे
जानता न हो।

संध्या राजपुरोहित
स्वतंत्र लेखिका

भीड़ के घेरे

उम्र की धूल में उभरी
एक काली स्याह गहरी रेख।
लोनी लगी दीवार के तन पर
घाव सा लिक्खा अधूरा
लेख।

रात की झिलमिलाती रोशनी
और मद्धिम पड़ रहे चेहरे।
हर तरफ खामोशियां भारी,
भीड़ के घेरे बड़े घेरे।
समय की घुन लगी खिड़की,
पलटती है पुरा अभिलेख।

थक गईं बांहें घड़ी की हैं।
ठहर सी अब गई है दुनियां।
फिट नहीं कर पा रहा चूलें,
जंग खाया वक्त का गुनियां।

स्वप्न का आकाश थामे
भित्तियां, चुप्पियों के साथ
ढहती देख।
आंख की फाइलों में हैं,
फड़फड़ाते कुछ विगत के
चित्र।
दूर जाकर बस गए बेटे,
दूसरी दुनिया गए वह मित्र।
अस्थमा की सांस उखड़ी है,
इन्हेलर कोई गया है फेंक।

डॉ प्रशांत अग्निहोत्री
शाहजहांपुर

लघुकथा

थैला

एक दोपहर में अपने एक मित्र की दुकान पर जाना हुआ। उसकी कॉपी किताब की दुकान थी- ज्ञान पुस्तक केंद्र। मेरे हाथ मे एक थैला था, जो कुछ दिन पहले ही एक बड़े शोरूम से शर्ट की खरीदारी में मिला था। थैले को दुकान के काउंटर पर रख मैं मित्र से बातचीत में मशगूल हो गया। उसी वक्त दुकान में दीनहीन से दिखते एक ग्राहक ने प्रवेश किया। उसने दो-तीन कॉपी और एक पेंसिल-रबड़ खरीदी। फिर उसने कॉपी - पेंसिल रखने के लिए पॉलीथिन मांगी। मित्र ने रैक से निकालकर एक पॉलीथिन उसकी ओर बढ़ा दी। वह हिम्मत कर मेरे थैले की ओर इशारा करके बोला,"ये दे दीजिए, मैं इसमें अपना सामान रख लूं।" " नहीं-नहीं, वो मेरा नहीं है, उसे नहीं दे सकता और मैं ये पॉलीथिन दे तो रहा हूं तुम्हें, उसमें क्यों नहीं रख लेते? "

प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

मैंने गौर किया कि स्पष्ट इंकार के बाद भी वह मेरे थैले को अब भी बड़ी ललचाई नजरों से देख रहा था। मैं उससे पूछ बैठा " क्यों भाई, तुम्हें यही थैली क्यों चाहिए कोई विशेष बात!" " हां, भैया कल से लड़के को स्कूल भेजना है, ये मजबूत थैली मिल जाती, तो कुछ दिन वह इसी में ये सब रखकर स्कूल चला जाता। सुना है प्राइमरी स्कूल में जल्द ही बैग बंटने वाला है। " वह उत्साहित हो बोला।

एक संसाधनहीन बच्चे के जीवन मे शिक्षा की अलख जगाने में मेरे इस मामूली से थैले की भी कुछ हिस्सेदारी होगी, ये सोच मन अनायास पुलकित हो उठा। थैले में रखी फाइल को बाहर निकालकर थैला उसकी ओर बढ़ा दिया मैंने। कृतज्ञता से भरा वह मेरी ओर देखकर मुस्कराया और फिर दुकान से बाहर निकल गया।

पत्ती का रहस्य

सुशांत सुबह से ही परेशान-सा घूम रहा था। उसे रातभर नींद नहीं आई थी। वह किसी बात को लेकर काफी चिंतित था। यह देखकर पिंटू ने हंसते हुए पूछा,"अरे मेरे भाई, सुबह-सुबह चेहरे पर इतनी उदासी क्यों?" लेकिन सुशांत ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया और घर के बगीचे में टहलने लगा। वह मन ही मन अपनी समस्या का समाधान ढूंढने की कोशिश कर रहा था। पिंटू ने सोचा कि जब तक सुशांत अपनी समस्या में उलझा है, क्यों न उसके लाल पेन से थोड़ा आर्ट बना लिया जाए। उसने चुपके से सुशांत का बैग खोला और पेन निकालकर ड्राइंग बनाने लगा, लेकिन थोड़ी देर में पेन खराब हो गया। अब पिंटू घबरा गया। उसने सोचा कि पेन कहीं छिपा देता हूं, सुशांत नया पेन खरीद लेगा। उधर सुशांत घर के अंदर आ गया और स्कूल जाने की तैयारी करने लगा।

पिंटू ने राहत की सांस ली। स्कूल में आखिरी पीरियड आर्ट का था। टीचर ने सभी बच्चों को फूल बनाकर रंगने को कहा। जब सुशांत ने अपना कलर बॉक्स खोला, तो उसमें से लाल पेन गायब था। वह उदास हो गया, लेकिन किसी तरह दोस्त से पेन मांगकर काम पूरा कर लिया। उसने मन में ठान लिया कि घर जाकर पिंटू की शिकायत जरूर करेगा।

यशी
लेखिका, लखनऊ

इधर पिंटू ने अपनी गलती सुधारने के लिए अपने पैसे से नया पेन खरीदकर चुपचाप सुशांत के बैग में रख दिया। जब सुशांत घर पहुंचा, तो पिंटू ने तुरंत पेन निकालकर उसे दे दिया। सुशांत खुश होकर बोला, "अरे, यह पेन तुम्हें कहां मिला?" पिंटू मुस्कराते हुए बोला, "घर में ही छूट गया था।"

फिर उसने पूछा, "लेकिन तुम सुबह से परेशान क्यों थे?" सुशांत उसे बगीचे में ले गया और एक पेड़ की ओर इशारा करते हुए बोला, "इस पेड़ के पास मत जाना, इस पर कोई खतरनाक चीज बैठी है।"

पिंटू पास गया और जोर-जोर से हंसने लगा। उसने पेड़ को हिलाया, तो एक सूखी पत्ती नीचे गिर पड़ी। पिंटू हंसते हुए बोला, "अरे! यह तो सिर्फ सूखी पत्ती है।" अब सुशांत की परेशानी दूर हो चुकी थी। वह भी हंस पड़ा और दोनों की हंसी देखकर आसपास के लोग भी मुस्कुरा उठे।

समीक्षा

कविताएं साक्ष्य है शाश्वत सत्य

हाल ही में प्रकाशित डॉक्टर विकास तोमर का कविता संग्रह 'कसक' हाथ में आया, मन में कुछ मिले-जुले-से भाव थे। कविताई और डॉक्टरी। रोशनाई और चाकू-छूरी। कोई संगत नहीं बैठ रही थी। भीतर का पूर्वाग्रह नजर में जाले बनकर छाया था। मगर ज्यों-ज्यों पन्ने पलटती गई, सारा परिदृश्य किसी जादू की तरह बदलता गया। यहां कोई परिपक्व, तठस्थ, शांत चिकित्सक नहीं, वरन एक छोटा-सा बच्चा है, जो बचपन की धूल भरी गलियों में बहुत पीछे छूट गए अपने शैशव के निर्दोष, अबोध दिन, संगी-साथी, खेल-खिलौने ढूंढता फिर रहा है। उसे अपनी वही निश्चिंत, निरंकुश जिंदगी की तलाश है, जिसमें दुनियादारी और जिम्मेदारियों का भारी बोझा रातों की नींद नहीं छीनता था, जब यकीन और स्नेहिल आत्मीयता की एक भरी-पूरी दुनिया अपनी नन्हीं बाहों में हुआ करती थी, जब बागों से चुराये कैरियों-इमलियों के साथ प्यार-दुलार की मीठी रेवड़ियों से छोटा-सा दामन फटा पड़ता था। डॉक्टर विकास उर्फ परितोष ने शब्दों का बहुत किफायत से इस्तेमाल किया है, इसलिए सहज भाषा में लिखी यह खुशरंग चिड़ियों-सी छोटी-छोटी कविताएं कभी ऊब या एकरसता पैदा नहीं करती न कभी इन्हें समझने के लिए माथापच्ची करनी पड़ती है। इन्हें बड़े आराम से एक सीटिंग में पढ़ा जा सकता है। वास्तव में सच्ची कविता मस्तिष्क से अधिक हृदय को संबोधित करती है। राजपथ से इतर उसका रास्ता संवेदना की मृदुल पगडंडियां ही अधिक होती है। इस संग्रह में कुल छप्पन कविताएं हैं, जो जीवन के विभिन्न रंग, परिस्थिति और मनोभावों के निदर्शन करवाती हैं। इन्हें पढ़ना अनायास मिल गया अवकाश है, एक मीठा-सा किट-कैट ब्रेक! समय को भूल जाने की लग्जरी जो सचमुच दुर्लभ है। फुलकारी-सी रंगीन, मीनाकारी जैसी गझिन बुनावट। खुलती है एक दुशाले की तरह, पूरे पारिदृश्य को एक खुशरंग, नर्म गर्माहट में समेट लेती है। पशमीने-सी लजीज हरारत से भरी तासीर इनकी। मुझे प्रतीत हो रहा, परितोष की यह शुरू-शुरू की कविताएं, इनका निर्दोष, अंखुआता सौंदर्य उसी सबसे सुंदर कविता के अपरिमित वैभव के संकेत हो जैसे। इन कविताओं ने मुझे उस सबसे सुंदर आगत कविता के आने का आश्वासन दे दिया है।

पुस्तक- कसक (काव्य संग्रह)
रचनाकार- परितोष (डॉक्टर विकास तोमर)
प्रकाशक- शुभदा बुक्स साहिबाबाद
मूल्य-300/-
समीक्षक- जयश्री रॉय

व्यंग्य

लागी छूटे ना

आदत आदत होती है, वह बुरी भी हो सकती है, अच्छी भी, मगर आसानी से छूटती नहीं है। तभी कहा जाता है कि लागी छूटे न। यदि कोई मुझसे पूछे कि लोग कतार में क्यों खड़े होते रहते हैं, तब मेरा एक ही उत्तर होगा - "ताकि कतार में खड़े होने की आदत बरकरार रहे।" कटु सत्य यही है कि आम जनता जब तक कतार में लग कर रोटी, कपड़ा और मकान की जरूरतों को पूरा कराने के लिए धरना प्रदर्शन नहीं करती या लंबी कतारें नहीं लगाती, तब तक देश के कर्णधारों की नींद नहीं खुलती। लंबे समय से जो लोग कतार में लगने की आदत भूल चुके थे, उनके लिए पुनः कतारों में लगने के दिन आ गए हैं। ऐसा इसलिए भी है कि लोग कहीं भूल न जाएं कि इस देश में कभी राशन लेने के लिए, गैस सिलेंडर लेने के लिए लंबी-लंबी कतारें लगना रोजमर्रा की बात थी।

सीमेंट, मिट्टी का तेल व उपभोक्ता वस्तुएं कभी सरकारी कंट्रोल में रहा करते थे, जिन्हें प्राप्त करने के लिए संबंधित विभाग से परमिट बनवाने के लिए कतारों में लगना पड़ता था। उस समय लंबी कतारों के समाचार अखबारों में सुर्खियां बनते थे। अब बात आगे बढ़ चुकी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युग है, जो है, उसे दिखाना मुश्किल नहीं है, जो नहीं भी है, उसे भी दिखाया जा सकता है। जब से फेसबुक पर रील बनाने का फैशन चला है, हर कोई खुद को न्यूज चैनल का मालिक समझने लगा है। मनमाने वीडियो बनाता है और फेसबुक पर पोस्ट कर देता है। करे भी क्यों न, संचार जगत में आई क्रांति ने उसकी विशेषताओं का उसे ज्ञान जो करा दिया है। न कहानी लिखने की जरुरत, न कैमरा लाइट ऑन करने के लिए किसी अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता। इधर कोई घटना घटी, उधर कैमरे में कैद हुई। जरूरी नहीं कि स्वाभाविक घटना में किसी प्रकार की ओवर एक्टिंग का तड़का लगे। बहरहाल कैमरा हाथ में हो तथा अभिव्यक्ति की आजादी मिली हो, तो किसी भी प्रसंग को मनमाने ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है। कोरोना काल में जब भूख से बिलखते बच्चे सड़कों पर भटक रहे थे। लॉकडाउन के चलते रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया था। तब भूखे को रोटी देने जैसी योजना शुरू की गई थी।

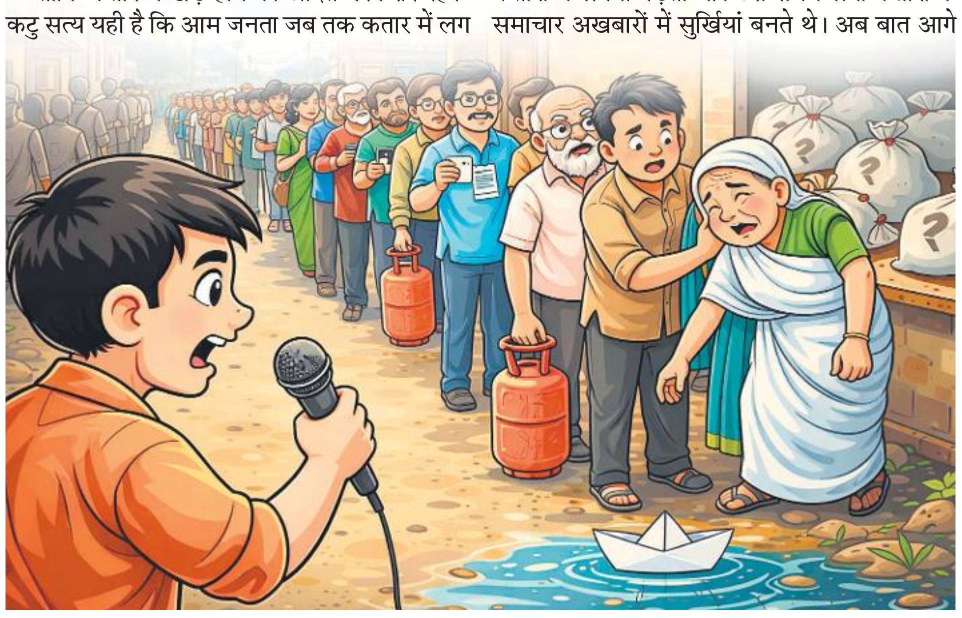

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

गरीबी रेखा आंचल में सिमटे परिवारों के लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था की गई थी, जो लंबे समय से बरकरार है, लाभ उठाने वालों में ऐसे भी परिवार हैं, जो भौतिक रूप से संपन्न हैं, किंतु सरकारी रिकॉर्ड में दुर्बल आय वर्ग की परिधि में ही बसर कर रहे हैं। उनका पोषण करने की जिम्मेदारी सरकार की ही होती है। देश समय पर आकस्मिक संकट उत्पन्न होते रहते हैं। कभी रात को नोटबंदी का फरमान आता है और बड़े नोट बदलकर छोटे नोट इकठ्ठा करने के लिए लंबी कतारें लगने लगती हैं। कभी गैस का संकट उत्पन्न होता है और लोग गैस एजेंसियों के सामने खाली सिलेंडर लेकर कतार में खड़े होने लगते हैं। मीडिया के कैमरे पीड़ितों के मुंह में माइक ठूसकर उनकी पीड़ा उगलवाते हैं। कोई सत्ता को नाकाम बताता है, कोई व्यवस्था को। किसी बीमारी से त्रस्त होकर कोई बुजुर्ग चक्कर खाने लगता है, तो उसकी वीडियो वायरल कर दी जाती है कि गैस की किल्लत के चलते बुजुर्ग बेहोश हो गया। किसी की मौत हो जाए, तो सोने में सुहागा जैसी स्थिति हो जाती है। सियासी बयानवीरों के लिए आपदा में अवसर की खोज पूरी हो जाती है। किसी समस्या से त्रस्त लोग रेलवे स्टेशन पर आते जाते दिख जाएं, तो उनसे सवाल पूछे जाते हैं कि गांव क्यों लौट रहे हो? कोई रोता है, कोई सपाटबयानी करता है कि गैस का सिलेंडर नहीं मिल रहा है। जब खाना ही नहीं पकेगा, तो जीएंगे कैसे। यदि पैसे देकर आवश्यक उपभोक्ता वस्तुएं खरीदने की मजबूरी हो, तो कुछ वास्तविक और कुछ बनावटी बयान सामने आते ही हैं।

बहरहाल किसी की पीड़ा का मजाक उड़ाने वाले भी अपने मकसद को पूरा करने के लिए वीडियो बनाते हैं। मुफ्त की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए यदि कोई गरीब कमीशन एजेंट से फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर गरीब कल्याण अन्न योजना, सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मुफ्त गैस कनेक्शन हेतु उज्ज्वला योजना या किसी भी योजना का लाभ उठाने के फेर में कहीं लाइन में लगता है, तब न उसे चक्कर आते हैं, न वह बेहोश होता है। इतना जरूर है, कि गरीबी, बेरोजगारी से जूझती युवाओं की भीड़ फेसबुक रील्स बनाने, देखने और वायरल करने के रोजगार में भाग्य आजमाने लगी है। ऐसे में पुरानी थीम पर ही लाइन लगाने का अभ्यास किया जा रहा हो, तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता।

पुरानी सोच, नया दृष्टिकोण : समय के साथ बदलने की आवश्यकता

यह सब हमारे समय में नहीं होता था। घर की बहू सुबह जल्दी उठकर, नहा-धोकर, पूजा-पाठ करके ही रसोई में जाती है। रिया को बोल दो, बिना नहाए रसोई में न जाए। अरुणा ने अपने बेटे निशांत से कहा, लेकिन मम्मी, रिया रात में देर तक ऑफिस का काम करती है। उसके क्लाइंट्स विदेशी हैं, वह सुबह जल्दी कैसे उठ सकती है! आपको और पापा को ठीक नौ बजे नाश्ता चाहिए। निशांत ने समझाना चाहा, लेकिन अरुणा कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं थीं। नतीजा, घर में कलह और अशांति का वातावरण बना रहने लगा।

मेघा राठी
भोपाल

यह कई घरों की कहानी है। दरअसल पुरानी पीढ़ी की महिलाओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा पारंपरिक भूमिकाओं और सीमित संसाधनों के साथ जिया है। उनकी परवरिश ऐसे समय में हुई, जब महिलाओं से सिर्फ घर और परिवार संभालने की अपेक्षा की जाती थी, लेकिन आज का समाज तेजी से बदल रहा है और समय के साथ बदलना न केवल व्यक्तिगत खुशहाली के लिए जरूरी है, बल्कि यह परिवार, रिश्तों और समाज के लिए भी आवश्यक है। स्वयं में बदलाव लाने के लिए उन्हें कुछ महत्वपूर्ण बातों को समझना और अपनाना आवश्यक है।

बदलते सामाजिक नियमों को स्वीकारें

आज की महिलाएं घर के बाहर काम कर रही हैं, शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और स्वतंत्र जीवन जी रही हैं। पुरानी पीढ़ी को यह समझना चाहिए कि यह बदलाव महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रहा है। यदि मां या सास अपने बच्चों की आधुनिक सोच को समझें और उनका समर्थन करें, तो यह रिश्तों को मजबूत बनाएगा।

परिवार में संतुलन बनाए रखना

परिवार के युवा सदस्य आधुनिक विचारों के साथ जी रहे हैं। पुरानी पीढ़ी की महिलाओं को उनके विचारों को समझने और स्वीकार करने की जरूरत है। जैसे-आज की बहुएं सिर्फ घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं रहना चाहतीं। अगर सास इसे समझें और अपनी बहुओं को करियर में आगे बढ़ने का समर्थन करें, तो परिवार का माहौल सकारात्मक होगा।

तकनीकी ज्ञान हासिल करें

तकनीक ने हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा बदल दिया है। यदि पुरानी पीढ़ी की महिलाएं स्मार्टफोन, इंटरनेट, और डिजिटल भुगतान जैसे साधनों को अपनाएं, तो वे

न केवल आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि अपने परिवार के साथ बेहतर संवाद भी कर सकेंगी। आज सरकार और कई गैर-सरकारी संगठन डिजिटल साक्षरता के मुफ्त कोर्स उपलब्ध कराते हैं, जैसे-प्रधानमंत्री डिजिटल साक्षरता अभियान, नेशनल डिजिटल लिटरेसी मिशन (एनडीएलएम), यूट्यूब ट्यूटोरियल्स आदि।

स्वास्थ्य और फिटनेस पर दें ध्यान

उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक गतिविधियां कम होती जाती हैं, लेकिन यह खुद को निष्क्रिय करने का कारण नहीं बनना चाहिए। योग, मेडिटेशन और नियमित व्यायाम को अपनाने से वे अधिक स्वस्थ और सक्रिय रह सकती हैं।

युवा पीढ़ी का समय, ऊर्जा और धन व्यर्थ न करें

धार्मिक आस्था और परंपराएं व्यक्तिगत होती हैं और हर व्यक्ति को अपनी मान्यताओं के अनुसार जीने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। कई बार बुजुर्ग पीढ़ी युवाओं पर जबरदस्ती धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-पाठ और परंपराओं का पालन करने का दबाव बनाती है, जिससे वे असहज महसूस कर सकते हैं। यहां समझना आवश्यक है कि आज की पीढ़ी के पास अपने करियर और व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियां हैं। उन्हें लंबे समय तक धार्मिक अनुष्ठानों में बैठने के लिए मजबूर करना उनके समय और ऊर्जा की बर्बादी हो सकता है।

युवाओं के साथ उनके सर्कल का हिस्सा बनें

बच्चों की रुचियों को समझें, उनके दोस्तों से मिलें और नए विचारों के लिए खुले रहें। पुराने जमाने की सोच को थोपने की बजाय, खुद को उनके अनुसार ढालने की कोशिश करें।

बच्चों के खर्चों पर ज्यादा टोका-टाकी न करें

अक्सर माता-पिता और दादा-दादी, बच्चों के खर्चों को लेकर ज्यादा टिप्पणी करते हैं 'इतना महंगा फोन क्यों लिया?' 'इतने पैसे कपड़ों पर क्यों खर्च किए?' 'हमारे जमाने में तो इतनी सादगी थी।' लेकिन समय के साथ जरूरतें और प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। बच्चों की आर्थिक स्थिति को समझें और उनके फैसलों का सम्मान करें। अगर वे कमाते हैं, तो उन्हें अपने पैसे खर्च करने की स्वतंत्रता दें। यह ध्यान रखें कि आज की दुनिया में महंगी चीजें कभी-कभी जरूरत भी होती हैं, सिर्फ दिखावे के लिए नहीं। आर्थिक प्रबंधन की जानकारी देना अच्छा है, लेकिन व्यर्थ चीजें थोपने से बचें।

घर में फैसले लेने में पूरी तरह से हावी न हों

सलाह दें, परंतु अंतिम निर्णय युवा पर छोड़ें। उनकी व्यक्तिगत और वैवाहिक स्वतंत्रता का सम्मान करें। आप अपना समय अपने अनुसार जी चुके हैं। अपने अनुभवों का लाभ दीजिए, किंतु पूरी तरह अपनी मनमर्जी चलाने से बचिए अन्यथा घर का माहौल घुटन से भर जाएगा।

अपनी अलग पहचान बनाए रखें

सिर्फ माता-पिता या दादा-दादी बनकर न जिएं, बल्कि अपने लिए भी समय निकालें। अपनी अहमियत खुद समझें और आत्मनिर्भर रहें, बच्चों पर निर्भर न बनें, खुद की दिनचर्या और आर्थिक स्थिति को यथासंभव मजबूत रखें ताकि आत्मसम्मान बना रहे।

पुरानी पीढ़ी की महिलाओं के लिए समय के साथ बदलना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। यह न केवल उन्हें परिवार और समाज के साथ जोड़े रखता है, बल्कि उनकी खुशियों को भी बढ़ाता है। स्वयं में बदलाव लाने वाली पुरानी पीढ़ी की महिलाएं नई पीढ़ी को भी जीवन में लचीलापन और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की प्रेरणा देती हैं।

रूढ़ियों को छोड़ें, अपनाएं नई सोच

कई बार पुरानी पीढ़ी की महिलाएं परंपराओं और रूढ़ियों को लेकर अडिग रहती हैं, जो रिश्तों में तनाव का कारण बन सकता है। बदलते समय में उन्हें इन परंपराओं पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। जैसे-बेटा और बहू, बेटी और दामाद सब समान हैं और सभी को समान अवसर मिलना चाहिए।

नई पीढ़ी के साथ बढ़ाएं संवाद

अगर पुरानी पीढ़ी की महिलाएं अपनी बहुओं, बेटियों और नाती-पोतों के साथ संवाद बढ़ाएंगी और उनकी समस्याओं और इच्छाओं को समझेंगी, तो रिश्ते अधिक मधुर होंगे।

जब तक बेडरिडन न हो जाएं, रहें सक्रिय

छोटे-मोटे घरेलू कामों में हाथ बटाएं, अपनी सेहत का ध्यान रखें और खुद को आत्मनिर्भर बनाए रखें। इससे न केवल वे शारीरिक रूप से सक्रिय रहेंगी, बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ महसूस करेंगी।

युवा जोड़े के सह-अस्तित्व को स्वीकारें

अगर बेटा-बहू या बेटी-दामाद आपके साथ रहते हैं, तो इसे सौभाग्य मानें। उनकी स्वतंत्रता का सम्मान करें और उनके साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार रखें।

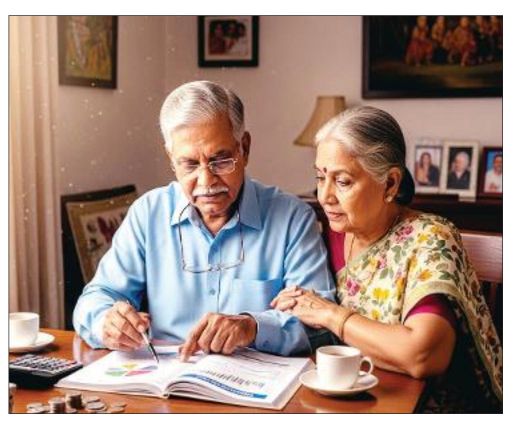

रिटायरमेंट के बाद दिनचर्या में लाएं बदलाव

रिटायरमेंट के बाद जीवन का एक नया अध्याय शुरू होता है, जिसमें व्यक्ति के पास अधिक खाली समय होता है। इस समय को केवल पुरानी दिनचर्या में उलझे रहने के बजाय, नई गतिविधियों में शामिल होकर उपयोगी बनाया जा सकता है। अगर आप हमेशा जल्दी उठने और पारंपरिक समय पर भोजन करने के आदी रहे हैं, तो अब थोड़ा लचीला दृष्टिकोण अपनाएं। परिवार के युवा सदस्य अलग शेड्यूल के अनुसार जीते हैं, इसलिए उनके हिसाब से खुद को थोड़ा ढालें।

छात्रों के संपूर्ण क्षमता का प्रदर्शन नहीं एग्जाम मार्क्स

सीबीएसई बोर्ड की हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम आ गया और कुछ दिनों में सीबीएसई बोर्ड के इंटरमीडिएट तथा अन्य बोर्डों की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के परीक्षा परिणामों की घोषणा होने वाली है। हर वर्ष बोर्ड के परीक्षा परिणाम आने के बाद अनेक विद्यार्थी कम अंक आने पर आत्मघाती व्यवहार करते हैं। कुछ विद्यार्थी अपना जीवन खो देते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार सन् 2021 में 864 छात्रों ने परीक्षा में विफलता के कारण मौत को गले लगा लिया था। परीक्षा में कम अंक मिलने पर कुछ बच्चों का लगता है कि कम अंकों के कारण उनका भविष्य बर्बाद हो गया।

डॉ. मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू, वाराणसी

किसी भी परीक्षा का परिणाम विद्यार्थी के जीवन से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है। परीक्षा का परिणाम अपेक्षित न होने का यह अभिप्राय नहीं है कि छात्र अपने जीवन में असफल हो गया, अनेक बार यह देखा गया है कि परीक्षा में अनापेक्षित परिणाम लाने वाले छात्र भी अपने जीवन में कठिन परिश्रम एवं धैर्य के माध्यम से उच्च सफलता अर्जित करते हैं, इसलिए हर परिस्थिति में विद्यार्थियों को अपने धैर्य को बनाए रखना चाहिए। कुछ माता-पिता अपने बच्चों की क्षमता और अभिरुचि को सही ढंग से जाने बिना ही बच्चे से ज्यादा अपेक्षाएं रखते हैं तथा परीक्षा के समय और उसके बाद भी बच्चों के मनोदशा को जानने का प्रयास नहीं करते, जिसके कारण कुछ बच्चे अप्रिय कदम उठाने के लिए मजबूर होते हैं।

विद्यार्थियों के लिए सुझाव

- अपेक्षित परिणाम न होने पर भी धैर्य बनाए रखें
- मन पर नकारात्मक विचारों को हावी न होने दें
- अपने परीक्षा परिणाम की अनावश्यक रूप दूसरे से तुलना न करें
- परीक्षा परिणाम को लेकर प्रतिस्पर्धा न करें
- परीक्षा परिणाम को लेकर द्वेष की भावना न रखें
- मन में नकारात्मक विचार आने पर भाई-बहन, माता-पिता एवं शिक्षक से बातचीत करें
- अपने अच्छे परीक्षा परिणाम को याद करें
- परीक्षा के प्राप्तांक को ही जीवन की सफलता का आधार न माने
- मन में धनात्मक विचार रखें
- जीवन के लिए तार्किक ढंग से लक्ष्य निर्धारित करें

अभिभावकों के लिए सुझाव

- घर में परीक्षा परिणाम को लेकर नकारात्मक वातावरण न बनाएं
- कम अंक के लिए बच्चे को ताने न दें
- कम अंक के लिए बच्चे को दंडित न करें
- बच्चे में धैर्य और आत्मविश्वास जगाएं
- अपने बच्चे की अतार्किक ढंग से दूसरे बच्चों से तुलना न करें
- बच्चे को समझाएं की यह रिजल्ट केवल इस परीक्षा का परिणाम है न कि उसके जीवन का
- रिजल्ट आने के बाद यदि बच्चे के व्यवहार में बड़ा परिवर्तन दिखे, तो उससे सहज ढंग से बातचीत करके उसके मन की स्थिति को जानने का प्रयास करें।
- यदि बच्चे के मन में बार-बार नकारात्मक विचार या आत्महत्या के विचार आए. तो उसे अकेला न छोड़े और प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक से सलाह लें।

शिक्षकों के लिए सुझाव

- परीक्षा के प्राप्तांकों के बजाय विद्यार्थी के ज्ञान एवं समझ को महत्व दें।
- बच्चों में अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा का वातावरण विकसित न होने दें।
- कम अंकों के लिए कक्षा में विद्यार्थियों को शर्मिंदा या अपमानित न करें
- यदि विद्यार्थियों के मन में परीक्षा परिणाम को लेकर नकारात्मक विचार आतें हो, तो उसे दूर करने का प्रयास करें।
- विद्यार्थियों में सकारात्मक विचार एवं आत्मविश्वास बनाए रखने का प्रयास करें

सकारात्मक वातावरण की आवश्यकता

रिजल्ट के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण विकसित करने का प्रयास करें ताकि यदि किसी विद्यार्थी का परिणाम अपेक्षित न आए तो भी वह धैर्य पूर्वक आगे के शिक्षा के लिए तैयार हो सके। ऐसे व्यक्तियों का साक्षात्कार प्रकाशित करना चाहिए, जिनका बोर्ड का रिजल्ट औसत होने के बाद भी आज वे जीवन में उच्च सफलता अर्जित की हो।

विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से बाहर निकालने में अभिभावकों, भाई-बहन, मित्र मंडली, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, जो उन्हें सहानुभूतिपूर्वक समझाएं कि किसी भी परीक्षा के परिणाम से उनके जीवन का निर्धारण नहीं होता है। व्यक्ति का जीवन ऐसा है, जिसे दोबारा नहीं पाया जा सकता है। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे सकारात्मक सोच से मेहनत करके सफलता की बुलंदियों को छू सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम के नकारात्मक प्रभाव से बचने की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक वर्ग की है।

इसके लिए समेकित रूप से सभी को प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि किसी भी विद्यार्थी को अपने बहुमूल्य जीवन से हाथ न धोना पड़े।

खाना खजाना

पुदीना कैरी शरबत

गर्मियों के मौसम में ठंडे और ताजगी देने वाले पेय पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में पुदीना और केरी से बना शरबत एक बेहतरीन और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है। यह शरबत खास बात यह है कि इसे बिना शक्कर के गुड़ से तैयार किया जा सकता है, जिससे इसका स्वाद भी बना रहता है और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। आजकल लोग शक्कर से परहेज करते हैं, इसलिए गुड़ का उपयोग इसे और भी उपयोगी बना देता है। खट्टा-मीठा स्वाद वाला यह पेय न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि लू से बचाव में भी मदद करता है। बच्चे हों या बड़े, सभी इसे पसंद करते हैं। इस तरह घर पर बना पुदीना केरी शरबत गर्मी में राहत देने वाला एक सरल और पौष्टिक पेय है।

सामग्री

- केरी-500 ग्राम
- पुदीना-आधा पाव
- काला नमक स्वादानुसार
- जलजीरा-आवश्कतानुसार
- काली मिर्च-पीसी हुई
- एक छोटी कटोरी गुड़ (अगर आपको ज्यादा मीठा चाहिए, तो आप थोड़ा ज्यादा भी ले सकते हैं।)

बनाने की विधि

सबसे पहले कच्ची कैरी को अच्छी तरह धोकर छील लें और उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। पुदीने की पत्तियों को भी साफ पानी से धो लें ताकि उनमें कोई गंदगी न रहे। अब एक कुकर में कैरी के टुकड़े, पुदीना और थोड़ा पानी डालकर मध्यम आंच पर 2 सीटी आने तक उबाल लें, जिससे कैरी नरम हो जाए। कुकर ठंडा होने पर उबली हुई कैरी को हाथ या मेशर से अच्छी तरह मसल लें। अब इस मिश्रण को मिक्सी में डालें और उसमें बारीक कटा या कद्दूकस किया हुआ गुड़ मिलाकर 1-2 मिनट तक स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद इस पल्प को छलनी से छानकर अलग कर लें, ताकि रेशे और मोटे कण हट जाएं।

अब इसमें स्वादानुसार काला नमक, भुना जीरा पाउडर, थोड़ा सा सादा नमक और चाहें तो काली मिर्च डालकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को 10-15 मिनट तक धीमी आंच पर उबालें, ताकि स्वाद अच्छी तरह घुल-मिल जाए और पल्प थोड़ा गाढ़ा हो जाए। उबाल आने के बाद गैस बंद कर दें और मिश्रण को पूरी तरह ठंडा होने दें। ठंडा होने पर इसे साफ कांच की बोतल में भरकर रखें। आप इसे फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं या सामान्य तापमान पर भी रख सकते हैं। यह आसानी से खराब नहीं होता, क्योंकि यह गाढ़ा पल्प होता है। जब भी पीने का मन करे, एक गिलास में 2-3 चम्मच पल्प डालें, उसमें ठंडा पानी मिलाएं, ऊपर से बर्फ डालें और अच्छी तरह घोल लें। चाहें तो कुछ पुदीने की पत्तियां सजाने के लिए डाल सकते हैं। अब तैयार है ठंडा-ठंडा, खट्टा-मीठा पुदीना कैरी शरबत गर्मी में तरोताजा करने वाला स्वादिष्ट और सेहतमंद पेय।

ईशानगर क्षेत्र के खजुहा में भीषण आग से चार घर राख

खजुराहो, अमृत विचार: ईशानगर क्षेत्र के खजुहा गांव में लगी भीषण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आकर चार घरों और उनमें रखी नगदी व गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया।

घटना शनिवार दोपहर में हुई। अचानक एक घर में लगी आग से गांव में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते विकराल हुई आग ने एक-एक कर चार घरों को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंचे ग्रामीण जब तक आग पर काबू पाते। इससे पहले ही आग की लपटों ने लोगों के घर, मुन्नालाल और पूनम देवी के घर को अपनी चपेट में ले लिया।

अचानक लगी आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। ग्रामीण अपनी जान बचाने और आग बुझाने में जुट गए, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। मुन्नालाल ने बताया कि न्यूनतम देवी को हुआ है। उनके घर में रखा करीब 22 क्विंटल मसूर, सरसों, धान और गेहूं जलकर राख हो गया। उन्होंने कहा इसके अलावा भैंसा बेचकर रखे करीब 80 हजार रुपये भी आग की भेंट चढ़ गए। गृहस्थी जलकर खाक हो गई।

मुरादाबाद में आंधी बनी काल दंपती समेत 3 की गई जान

मूंढापांडे के दलपतपुर गांव में टिनशेड गिरने से दंपती की मौत

संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: शुक्रवार देर रात में आई आंधी से मूंढापांडे क्षेत्र के दलपतपुर गांव छत पर बने टीन शेड के मलबे में दबकर दंपती की मौत हो गई। वहीं, कांठ संभल में हुए हादसे में एक बच्चे की भी मौत हो गई। एक घायल हो गए।

दलपतपुर गांव निवासी इदरीश (55) और उनकी पत्नी (50) गर्मी के चलते घर की छत पर बने टीनशेड के नीचे सो रहे थे। शुक्रवार देर रात करीब दो बजे अचानक तेज आंधी आ गई। आंधी में टीन शेड उड़ने लगा। खतरा भांपते हुए दंपती नीचे उतरने के लिए उठे कि अचानक टीन शेड की चादरें उखड़ गईं और दीवारें भरभराकर गिर गईं। इससे पहले कि दोनों वहां से निकल पाते, दीवारों और टीन के मलबे में दबकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई। नीचे सो रहे बच्चे अपनी जान बचाने और माता-पिता को देखने को दौड़े तो वे तुरंत छत की ओर दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिजनों ने किसी तरह दोनों को मलबे से निकालकर अस्पताल ले जाकर मुरादाबाद और एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आंधी में गिरा टिनशेड और पड़ा मलबा। ● अमृत विचार

वहीं संभल जनपद के ऐंचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के भटपुरा गांव में शीशपाल के पुत्र पप्पू के मकान है। आंधी में पप्पू के मकान की दीवार शीशपाल के मकान पर गिर गई, जिससे शीशपाल के घर की छत धराशायी हो गई। छत का मलबा शीशपाल, उसकी पत्नी और बेटी पर गिर गया। परिजनों ने आसपास के लोगों की मदद से मलबे में दब गए।

खेत में पानी लगा रहे किसान को सांप ने डसा, मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: खेत पर फसल में पानी लगा रहे एक किसान को सांप ने पैर में डस लिया। परिजन पीड़ित को सुनसान घाट पर एक वैध के पास ले जा रहे थे, रास्ते में किसान की मौत हो गई।

मृतक किसान।

बंडा थाना क्षेत्र के सैदापुर निवासी रामगोविंद शुक्रवार की शाम पांच बजे अपने खेत पर फसल में पानी लगा रहे थे। सांप ने उसके एक पैर में काट लिया। उसकी तबीयत खराब होने पर परिजन बंडा थाना क्षेत्र में सुनसान घाट पर एक वैध के पास ले जाने के लिए निकले, लेकिन रास्ते में उसने पानी पिला दिया। पानी पीते ही उसकी मौत हो गयी। वह अपने पीछे पत्नी व दो बच्चे छोड़ गया है। परिजनों ने बंडा थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि किसान की सांप के काटने से मौत हुई है।

गाजियाबाद-सीतापुर रेल लाइन से मिलेगी राहत

संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: सीतापुर रेलखंड तीसरी और चौथी लाइन का निर्माण मुरादाबाद मंडल के विकास को नई गति देने जा रहा है। मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) मुरादाबाद के सदस्य पवन कुमार जैन ने बताया कि इस परियोजना के पूरा होने से ट्रेनों की संख्या बढ़ेगी, जिससे भीड़भाड़ की समस्या काफी हद तक कम होगी। यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, रोजा और सीतापुर के बीच यह रेल खंड विकसित होने से दैनिक यात्रियों, छात्रों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा।

डॉ. पवन कुमार।

● तीसरी-चौथी लाइन बनने से ट्रेनों की संख्या में होगी बढ़ोतरी

प्रोजेक्ट की खास बातें

● तीसरी-चौथी लाइन के निर्माण से भीड़ कम होगी। ● रेलवे ने परियोजना की घोषणा की है। ● गाजियाबाद से सीतापुर तक 04514-04514 आर पैसेंजर ट्रेन चलेगी। ● बरेली, शाहजहांपुर, वाराणसी होते हुए यात्री सफर करते हुए चंडी

ट्रैक पर दबाव कम होने से यात्रा तेज होगी और देरी की समस्या भी घटेगी इससे यात्रियों का समय बचेगा और सफर अधिक सुविधाजनक होगा। यह परियोजना रोजगार और आर्थिक विकास को भी नई गति देगी।

ट्रांस शारदा में वाहन की टक्कर से तेंदुआ की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार: ट्रांस शारदा क्षेत्र में बीती रात अज्ञात वाहन की टक्कर से तेंदुए की मौत हो गई। सड़क पर तेंदुआ का शव पड़े होने की जानकारी लगते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पहुंची वन विभाग की टीम ने तेंदुआ के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

घटना ट्रांस शारदा क्षेत्र में नेहरू नगर गांव के पास शुक्रवार रात हुई। माना जा रहा है कि सड़क पार कर रहे एक तेंदुआ का शव पड़ा देखा। तेंदुआ का शव और पास में पड़े खून को देखकर सनसनी फैल गई। जानकारी लगते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। तेंदुआ की मौत सड़क पार करते समय किसी तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से होने की बात सामने आई। इस मामले में ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटनास्थल के आसपास जांच पड़ताल की।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान की मौत

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: खेत पर जा रहे 52 वर्षीय किसान की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान फौजा सिंह पुत्र टहल सिंह के रूप में हुई है।

थाना क्षेत्र के रानीखेत गांव के निवासी फौजा सिंह पर रेल पटरी पार कर रहे थे, जब वह रानीखेत ट्रेन की चपेट में आ गए। लोगों ने बताया कि फौजा सिंह अपने खेत पर जा रहे थे। पटरी पार करते समय वे वहां से गुजर रही रानीखेत एक्सप्रेस ट्रेन से टकरा गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रेलवे की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

● फौजा सिंह की मौत से परिवार में मचा कोहराम

परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किसान महतो गांव के निवासी थे। मृतक के प्रधान संगठन के सदस्य हरजीत सिंह ने बताया कि फौजा सिंह सुबह 5-6 बजे घर से निकले थे और संभवतः अपने खेत पर जा रहे थे। उनके पास करीब एक एकड़ जमीन थी। उनके एक पुत्र और दो बेटियां हैं। प्रधान प्रतिनिधि जीत सिंह ने बताया कि मृतक फौजा सिंह की आदी थे और कभी-कभी अकेले घूमते रहते थे। ट्रेन की चपेट में आने के बावजूद फौजा सिंह पटरी से नहीं हटे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता का शव कुंडे से दुपट्टे से लटका मिला

शाहजहांपुर, अमृत विचार: हरदोई के हरौरा गांव में एक महिला का शव कमरे में कुंडे से दुपट्टे से लटका हुआ मिला है। सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव बरौरा निवासी 25 वर्षीय रेशमा की शादी दो साल पहले जिले के मऊ दरियाव गांव कारी नौसारा में अपने पति के साथ हुई थी। तीन माह पहले पति ने घरेलू विवाद के चलते गांव के बाहर फांसी लगाकर जान ले ली थी। पति की मौत के बाद रेशमा अपने मायके में रह रही थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। पति की मौत के बाद वह काफी परेशान थी और चिंता में डूबी रहती थी। उसके परिजनों ने बताया कि वह मानसिक रोग से परेशान है। उनका इलाज चल रहा है। उसके चार भाई दिल्ली में नौकरी करते हैं। परिवार की दोपहर उसने कमरे में खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने शाम करीब चार बजे पति के घर उसे लटका हुआ देखा।

पानी में करंट से युवक गिरकर घायल

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शहर में जगह-जगह टूटी सड़कों पर पानी भरा रहता है। इस वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। घायल युवा वाले इलाज के लिए गुहार लगाते हुए कई बार अधिकारियों को टरकाते रहे।

रेलवे स्टेशन पर ट्रांसफार्मर से पानी में बूथ पर करंट फैल गया। बूथ पर पानी के कारण इतना करंट होता है कि बिजली से पानी में करंट आ जाता है और लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं। पानी के बूथ पर नाली में पानी भर गया और नाली में करंट आ रहा था। साथ ही पानी का रिसाव अधिक हो जाता है। शुक्रवार की दोपहर डेढ़ बजे पानी भरने के लिए पहुंचे युवक अजीत कुमार निवासी स..

करंट से गिरकर घायल हुआ युवक।

उनके साथ पानी भरने के लिए पहुंचा था। टाइल पर पानी भरा पड़ा था, जिससे उसका पैर फिसल गया और पानी में करंट आने से वह गिर गया और उसका पैर टूट गया। इस दौरान यात्रियों की भीड़ लग गयी और घायल युवक दर्द के मारे चिल्ला रहा था। घायल यात्री के परिवार वाले रेल विभाग के पास इलाज के लिए गुहार करते रहे, लेकिन किसी ने उसकी मदद नहीं की। सुबह भी कई लोग नल का पानी भर पैर फिसलने से गिर गए थे।

सिपाही ने थाने में प्रेमिका से की शादी

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: सिपाही ने प्रेमिका से शादी करने से मना कर दिया। प्रेमिका परिजनों के साथ सिपाही के घर पहुंची और शादी की जिद पर अड़ गई। मामला थाना पहुंचा। यहां काफी देर तक पंचायत चली। बमुश्किल सिपाही और उसके परिजन शादी को तैयार हुए। थाना प्रभारी ने बुलाकर दोनों की शादी कराई गई। बताया जा रहा है कि दोनों अलग-अलग जाति के हैं।

सिपाही हरदोई पुलिस केंद्र में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पर पीटीआई के पद पर तैनात है। सिपाही हरदोई जिले के एक गांव का रहना वाला है। उनका गांव में एक ही प्रेम चल रहा था। पिछले करीब तीन साल से दोनों लोग एक-दूसरे को जानते थे।

● काफी देर बाद समझाने पर राजी हुए सिपाही के परिजन

दोनों की जाति अलग-अलग जाति की है। प्रेमिका सिपाही से शादी करने के लिए कहती तो सिपाही ने शादी करने से मना कर दिया। प्रेमिका सिपाही को मनाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन वह राजी नहीं हुआ। यह बात दोनों के परिवार वालों को मालूम हुई। सिपाही के घरवाले शादी करने को तैयार नहीं थे और प्रेमिका घर वाले शादी को तैयार थे। शुक्रवार को हरदोई से प्रेमिका अपने परिजनों के साथ और एसपी से मिली और पूरा प्रकरण बताया। उसने कहा कि सिपाही से शादी करना चाहती है और कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाहती है। एसपी ने प्रकरण के निस्तारण के लिए सिपाही के साथ प्रेमिका को थाना भेज दिया। थाना प्रभारी ने दोनों को बुलाया। दोनों परिवार के लोग थाने पहुंचे। प्रेमिका शादी पर अड़ी थी, सिपाही शादी करने से मना कर रहा था। मध्यस्थता कर समझाया। प्रभारी ने सिपाही और उसके परिजनों को समझाया, शादी नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की बात कही। सिपाही और उसके परिजन शादी को राजी हो गए। प्रेमिका ने थाने में पुलिसकर्मियों के सामने सात फेरे लगाकर सिपाही ने प्रेमिका की मांग में सिंदूर भरा। एसपी सौरभ दीक्षित ने बताया कि युवती उनके पास आई थी। उसने एक प्रार्थना पत्र दिया था। युवती ने सिपाही पर आरोप लगाया था, जिसको थाना भेजकर जांच के निर्देश दिए थे। दोनों ने आपसी सहमति से शादी कर ली है।

शादी से इनकार पर विवाहिता ने खाया जहर, मौत

बंडा, अमृत विचार: बंडा क्षेत्र के गांव पमार नगला निवासी विवाहिता ने पति से किसी बात को लेकर विवाद होने के बाद जहर खा लिया। गुरुवार देर शाम किसी बात को लेकर विवाद हो गया। नाराज होकर राजेश्वरी देवी ने शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जानकारी होने पर उसका पति विपाल उसे लेकर पहले बंडा के एक निजी क्लीनिक ले गया। वहां हालत बिगड़ने पर उसे लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचे, जहां उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। यहां से उसे लेकर बरेली पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने उसकी हालत में सुधार नहीं देखा और उसे बरेली ले जाने के लिए कहा। इस बीच परिजन उसे बरेली लेकर पहुंचे, जहां उसने दम तोड़ दिया। इस बात की जानकारी जब मायके पक्ष को हुई तो उन्होंने बंडा थाने में तहरीर देकर उसके पति के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

बिजली के पोल से टकराई पराली लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली, आग लगी

टांडा संवाददाता

अमृत विचार: टांडा क्षेत्र के गांव सदावाला में बिजली घर और पेट्रोल पंप के पास पराली से भरी ट्रॉली में आग लगने से हड़कंप मच गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। चालक ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गया।

शुक्रवार रात करीब 9 बजे रामपुर रोड पर गांव सदावाला के निकट पराली भरी ट्रैक्टर ट्रॉली बिजली के पोल से जा टकराई। पोल टूटते ही हाईटेंशन तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ और बिजली की चिंगारी ने पराली को पल भर में अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि आसपास के लोग दहशत में आ गए। आग की लपटें काफी दूरी पर ही बिजली घर और पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस

बिजली पोल से टकराकर जलती पराली लदी ट्रैक्टर ट्रॉली।

प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मार्ग के मद्देनजर रामपुर, टांडा मार्ग पर यातायात रोक दिया। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाने की कोशिश की। आग इतनी भयानक थी कि बुझाते-बुझाते फायर कर्मियों को कई घंटे लगे, लेकिन आग शांत नहीं हुई। लगभग दो घंटे के बाद पूरी पराली जल जाने के बाद ही आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। लेकिन तब तक पराली और ट्रॉली राख हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि पराली भरी ट्रैक्टर बिलासपुर और केमरी से भरकर मुरादाबाद जिले के गांव डूंगरपुर स्थित फैक्ट्री जा रही थी। इससे पहले जनवरी माह में भी मुरादाबाद रोड पर गांव बादली के नजदीक एक पराली भरे ट्रैक्टर में आग लगी थी।

एसडीओ बोले: लाइनमैन की लापरवाही से हुआ हादसा

बदायूं, अमृत विचार: बिजली क्षेत्र में बिजली विभाग के लाइनमैन के काम करते समय हुई दुर्घटना मामले में विद्युत विभाग ने कहा है। लापरवाही सामने आने पर चार दिन पहले एसडीओ व जेई को निलंबित किया गया है जब विद्युत उपकेंद्र लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई। लाइनमैन को भी बर्खास्त किया गया है। मामले में विभाग में हड़कंप मच गया है। थाना वजीरगंज क्षेत्र के ग्राम मिर्जापुर हाईटेंशन लाइन में शुक्रवार को तकनीकी खराब आ गई थी जिस पर एक संविदाकर्मी अरविंद को लाइन ठीक करने को बुलाकर ले गया। अरविंद बिजली लाइनों पर छोटे-मोटे काम करता रहता है, इस लोग उससे ही काम करा लेते हैं। अरविंद खंभे पर चढ़कर ठीक कर रहा था तभी उसे करंट लग गया। करंट लगने से वह ऊपर तारों से चिपककर जलने लगा। कुछ देर बाद उसका शरीर नीचे से अलग होकर तारों में जलता रहा।

जंगल में घायल हुए बाघ की फोटो वायरल होने से मचा हड़कंप

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही रेंज में जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को दिखी गई घायल बाघ की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद टाइगर रिजर्व में हड़कंप मच गया। बाघ के घायल होने की बात कही जा रही है। हालांकि फिलहाल अफसरों ने आपसी संघर्ष में घायल होने की बात कही है, ले...

ही में हुई किसी मुठभेड़ की वजह से घाव है। अफसरों की मानें तो...

जानकारी के अनुसार बीती शाम पर्यटकों का एक दल बराही रेंज के निर्धारित सफारी रूट पर कुछ सैलानी भ्रमण कर रहे थे। इसी बीच उन्हें एक बाघ दिखाई दिया, जिसकी गर्दन पर गहरा जख्म दिखाई दे रहा था। सैलानियों ने घायल होने का वीडियो बना लिया। सैलानियों ने घायल बाघ की फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल की।

घायल बाघ की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई, टाइगर रिजर्व प्रशासन हरकत में आ गया। सूत्रों की मानें तो जख्म किसी फंदे में फंसने जैसा प्रतीत हो रहा है, जिससे शिकार की आशंका को बल मिल रहा है। हालांकि वन अफसरों ने फंदे की बात से इंकार किया है। इधर गौर करने वाली बात यह है कि दो दिन पूर्व भी इसी रेंज में वनकर्मियों और शिकारियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। शिकारी तो अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए थे।

कार्यालय एस.आर.एम. इण्टर कॉलेज, बीसलपुर जिला पीलीभीत

प्रपत्रांक/कार्यालय/01-03/2026-27 दिनांकः 13.04.2026

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदार/इच्छुक कम्पनियों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत एस.आर.एम. इण्टर कालेज बीसलपुर में जीर्णोद्धार एवं मरम्मत एवं पुनः निर्माण इत्यादि कार्य प्रोजेक्ट अलंकार योजना के संशोधित/प्राप्त धनराशि से कराया जाना है, जिसकी निविदा प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है, जो भारत सरकार की वेबसाइट Government e Marketplace (GeM) पर उपलब्ध है। स्वीकृत निर्माण कार्य उक्त कालेज में किया जाना है इसलिए निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा डालने से पूर्व स्थल का निरीक्षण अवश्य कर लें और ई-निविदा में किसी प्रकार का संशोधन/परिवर्तन को देखने के लिए उक्त वेबसाइट का समय-समय पर अवलोकन करते रहे। विवरण निम्नांकित है:-

बिड प्रकाशित/अपलोड करने की तिथि	14.04.2026	अपराह्न 12:00 बजे से
ऑनलाइन बिड अपलोड करने की तिथि	14.04.2026	अपराह्न 12:30 बजे से
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	24.04.2026	अपराह्न 01:00 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	24.04.2026	अपराह्न 01:30 बजे से

प्रधानाचार्य
एस.आर.एम. इण्टर कालेज
बीसलपुर

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1 लो.नि.वि.
पीलीभीत

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 3730/453सी0(ई0टेण्डर)-3/26 दिनांकः 13.03.2026

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1-महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से स्वीकृत प्रतिशत दरों पर ई-निविदा दिनांक 20.04.2026 से दिनाक 25.04.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.04.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	05 वर्ष अनुरक्षण लागत (रू0 लाख में)	योग 4+5	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	वित्तीय वर्ष 2025-26 मे जनपद बरेली में गैंनी से नौगवा ब्रहम्नान मार्ग में नव निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0,बरेली	256.37	19.22	275.59	15.78	6 माह	2725.00	ए, मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 250079 दिनांक: 17/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजीव अग्रवाल)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 3720/413सी0(ई0टेण्डर)-3/2025-26 दिनांक 13.04.2026

अल्पकालीन ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर स्वीकृति की प्रत्याशा में ई-निविदा दिनांक 21.04.2026 से दिनांक 28.04.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 28.04.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं 0.	कार्य व योजना का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
	वित्तीय वर्ष 2025-26 में नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के अन्तर्गत						
1	जनपद बरेली में हार्टमैन उपरिगामी सेतु मार्ग पर एप्रोच की मरम्मत का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	56.70	4.84	02 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)
2	जनपद बरेली में कुदेशिया उपरिगामी सेतु मार्ग एवं सर्विस लेन की मरम्मत का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	57.70	4.89	02 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)
3	जनपद बरेली में धोपेशवर नाथ मंदिर वाया युगविना लाइब्रेरी से बदायूं रोड, बदायूं रोड से स्टेशन रोड पुलिस चौकी तक मार्ग पर स्थित फुटपाथ पर पेवर टाईल्स लगाने का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	68.20	5.41	03 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 250015 दिनांक: 17/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

जीवन की सांध्य बेला में निराश हैं वृद्ध माता-पिता

अमेरिका की समाज व्यवस्था व्यक्तिवादी है। संयुक्त परिवार व्यवस्था नहीं है। अमेरिका में रहने वाले तमाम भारतवासी हमारे परिचित हैं। वे अपने पुत्रों के किस्से सुनाते हुए भावुक हो जाते हैं। आंखें छलछला जाती हैं। ताजी घटना ने मुझे मर्माहत किया है। मेरे एक मित्र के दोनों पुत्र परिवार सहित अमेरिका में कार्यरत हैं। जीवन के अंतिम दिनों में पत्नी के साथ अकेले रह गए।

बीमारी के समय न तो संतानें साथ थीं और न ही उचित देखभाल का सहारा मिला। निधन के उपरांत एक पुत्र और दूसरे की पत्नी औपचारिक रूप से आए, किंतु अंतिम संस्कार तक में वह श्रद्धा परंपरा का भाव नहीं। अस्पताल से सीधे श्मशान ले जाकर बिना विधि-विधान के अंत्येष्टि कर दी गई। घर तक लाना भी आवश्यक नहीं समझा गया। घटना बदलते पारिवारिक मूल्यों और वृद्ध की उपेक्षा का मार्मिक उदाहरण है।

मृत्यु जीवन का अंत है। वृद्धावस्था जीवन ऊर्जा का अवसान है। क्या मृत्यु दुख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है, लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद जीवन की स्तुति है। इस स्तुति में 'पश्येम शरदः शतं'-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियां काम नहीं करती। बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है। वृद्ध हमारे समाज का अनुभव समृद्ध भाग हैं। उनके जीवन को कष्टरहित बनाना समाज का कर्तव्य है।

वृद्धों की सेवा उनके पुत्रों-पौत्रों का प्रथम वरीयता वाला दायित्व है। यह राष्ट्र राज्य का भी कर्तव्य है। राष्ट्र राज्य सतर्क है। इस पर कानून भी है, लेकिन समाज इस महत्वपूर्ण समस्या पर सजग व सतर्क नहीं है। भारतीय समाज जीवन संयुक्त परिवारों में विकसित हुआ है। ऐसे परिवारों के सुख-दुःख साझे रहे हैं। वृद्ध अपने बड़े परिवारों में आनंदित रहते हैं, लेकिन अब संयुक्त परिवारों की परंपरा टूट गई है। सब एकाकी रहना चाहते हैं। वृद्ध अकेले हो रहे हैं। वे उपयोगी नहीं माने जाते। वे अशक्त है। आधुनिक उपयोगितावाद के कारण वृद्धावस्था के शारीरिक कष्टों में अब मानसिक संताप भी जुड़ गए हैं। ज्यादातर वृद्ध मानसिक अवसाद में हैं। संवेदनाए कुचालक हो रही हैं।

> मृत्यु जीवन का अंत है। वृद्धावस्था जीवन ऊर्जा का अवसान है। क्या मृत्यु दुख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है, लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद जीवन की स्तुति है। इस स्तुति में 'पश्येम शरद: शतं'-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियां काम नहीं करतीं। बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है।

सभी प्राणी काल के भीतर हैं। मनुष्य भी। जन्म और शैशव ऊषाकाल है। बचपन संभावनाओं का बीज है। संभावना का बीज फूटता है। जीवन ऊर्जा से भरीपूरी तरुणाई आती है। तरुणाई भी स्थिर नहीं है। 40-50 शरद पूर्णिमा आई, गई। जीवन का संध्या काल आया। ऊर्जा घटी, शरीर टूटा। प्राचीन कवि बता गए हैं-शीर्यते इति शरीरं। जो शीर्ण होता रहता है, वह शरीर है। शरीर सतत् क्षरणशील है। 60 वर्ष के आसपास आ जाती है वृद्धावस्था। आयुर्वेद के ग्रंथ शारंगधर संहिता में मनुष्य शरीर के क्षरण का सुंदर उल्लेख है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

लिखा है कि प्रत्येक 10 वर्ष बाद भाव ह्रास के लाक्षणिक परिवर्तन आते हैं। जीवन के पहले 10 वर्ष में मनमौजी बाल्यावस्था का ह्रास होता है। फिर अगले 10 वर्ष में वृद्धि का ह्रास होता है। वृद्धि रुक जाती है। फिर अगले 10 वर्ष में कांति चेहरे की दीप्ति का ह्रास, फिर आगे के 10 वर्ष में धारणा का ह्रास होता है। 5वें दशक में सौंदर्य का ह्रास और छठे में दृष्टि का ह्रास बताया गया है। 7वें दशक में ऊर्जाबल का ह्रास, फिर पराक्रम और बुद्धि का ह्रास होता है।'

आधुनिक विज्ञान ने इस ह्रास को घटाया है, लेकिन प्रकृति के नियम अपना काम करते ही हैं। वृद्ध होना सबकी नियति है। बुढ़ापा अभिशाप नहीं है। वृद्धों के पास संसार के जीवंत अनुभवों का कोष होता है। अनुभव का कोष महत्वपूर्ण है। वृद्ध के पास दिशा होती है, युवक के पास गति और ऊर्जा। वृद्धों के दिशा-दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी है।

माता-पिता भी मार्गदर्शक संरक्षक होते हैं। वे न होते तो हम न होते। ऋग्वेद में पृथ्वी माता है, आकाश पिता है। इस उदाहरण में विराट पृथ्वी और अनंत आकाश की तुलना माता-पिता से की गई है। माता-पिता से हमारे अंतर्संबंध एकात्म हैं। वे जनक है। वे हमारा भविष्य संवारने में जुटे दो देव हैं। वे प्रतिपल प्यार और शुभांशंसा उंडेलने वाले शक्ति केंद्र हैं। उनका आदर और सम्मान हमारा कर्तव्य है। माता-पिता के प्रति हमारा सम्मान अतर्क्य है। ऋषि की इच्छा है कि हम पृथ्वी को मां जैसी और आकाश को पिता जैसी प्रतिष्ठा दें।

ऋग्वेद (10.22.3) में इंद्र से कहते हैं 'जैसे पिता अपने पुत्र को संरक्षण देता है, आप हमें वैसे ही संरक्षण दें- पिता पुत्रमिव प्रियम्।' यहां पिता का संरक्षण सबसे बड़ा है। ऋषि की कामना है कि इंद्र भी उसे पिता जैसा संरक्षण दें। हाथ पकड़े रहें, हम गिरें तो वे तत्काल उठा लें। एक अन्य मंत्र में इंद्र से प्रार्थना है कि आप हमें पिता की तरह बुद्धि दें- प्रमतिपितेव। इंद्र ज्ञानी हैं। यह समाज की मान्यता है, लेकिन पिता द्वारा दी गई बुद्धि की बात ही दूसरी है। ऋषि पिता की बुद्धि को श्रेय जानता है। देव सामाजिक मान्यता हैं। पिता यथार्थ हैं। प्रत्यक्ष संरक्षक व सुखदाता है। सोम से स्तुति है, 'हमें वैसे ही सुखी रखो, जैसे पिता पुत्र को सुखी रखता है।' सुख कई तरह का होता है। प्रिय का मिलन सुख है। प्रकृति की अनुकूलता सुख है। इच्छा का पूरा होना भी सुख है, लेकिन ऋषि पिता द्वारा दिए गए सुख से सराबोर है।

माता-पिता बचपन में पोषण देते हैं, पढ़ाते हैं सिखाते हैं। वे स्वयं की चिंता नहीं करते, अपना भविष्य नहीं देखते। हम सबके सुखद भविष्य का तानाबाना बुनते हैं। हम तरुण होते हैं, पिता वृद्ध होते हैं। हम तरुणाई से और परिपक्व होते हैं, पिता और वृद्ध होते हैं। जब हम तेज रफ्तार जीवन की गतिशीलता में होते हैं, तब माता-पिता उठते ही गिर पड़ते हैं। वे बचपन में हमको गिरने से बचाते थे। ऋषि को स्मृति में ऐसे तमाम प्रसंग हैं। एक ऋषि अग्नि से स्तुति करते हैं, 'हमें वैसे ही उछालो जैसे हमारे पिता हमको उछालते थे'। बचपन में माता-पिता हमको उछालते थे। हम उनकी गोद में गिरते थे। खिलखिलाते हंसते थे। क्या उन्हें हम उनकी वृद्धावस्था में अपनी गोद में बैठा सकते हैं?

अधिकांश वृद्ध माता-पिता जीवन की सांझ में निराश हैं। पुत्र अपने काम में व्यस्त हैं। माता-पिता अकेले हैं। कुछेक को दवा भोजन मिलता है, लेकिन प्रेम नहीं। उन्हें वृद्धावस्था में संरक्षण की जरूरत है, लेकिन कमाऊ पुत्र डांट रहे हैं, वृद्ध व्यथित हैं। सरकारें वृद्धाश्रम बना रही हैं। यह राष्ट्रव्यापी समस्या है। इसका उपचार प्राचीन संस्कृति और वैदिक सभ्यता है। भारत के अपने इतिहास में माता-पिता के आदर व श्रद्धा वाला संस्कारी समाज था। वैसा ही संस्कारी समाज बनाने के लिए माता-पिता का संरक्षण पाना और वृद्धावस्था में उन्हें संरक्षण देना कोई बड़ा काम नहीं है। यह सांस्कृतिक प्रश्न है। सामाजिक प्रश्न है और पारिवारिक आनंद की प्राप्ति का मार्ग भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

समाज के कटघरे में खड़ी आजाद स्त्री

हर शाम जब वह अपने दफ़्तर से लौटकर घर का दरवाज़ा खोलती है, तो केवल ताला नहीं खुलता, बल्कि समाज की संदेहभरी निगाहें भी उसके साथ भीतर प्रवेश कर जाती हैं। वह शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरी एक आधुनिक महिला है, जो अपनी गाड़ी स्वयं चलाती है, किताबों में सुकून तलाशती है और अपने सपनों की दुनिया खुद गढ़ती है, लेकिन समाज की नजर में उसकी यह सफलता सम्मान का कारण नहीं बनती, बल्कि उसे 'समस्या' का रूप दे देती है। भारत में आज लाखों महिलाएं अविवाहित, तलाकशुदा या विधवा होकर आत्मसम्मान के साथ जीवन जी रही हैं, फिर भी उन्हें अधूरा मान लिया जाता है। मानो विवाह ही स्त्री के अस्तित्व की अंतिम स्वीकृति हो। यही सीमित सोच उन्हें सराहना के बजाय संदेह और सवालों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

कृति जैन
लेखिका

यह मानसिकता अचानक उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं की गहराइयों से निकली है। समाज ने स्त्री को सदैव किसी न किसी पुरुष की छाया में देखने की आदत बना ली है। पिता, पति और पुत्र इन्हीं के माध्यम से उसके जीवन की पहचान तय कर दी गई। आज भी अनेक परिवार विवाह को ही स्त्री की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार शहरी भारत में अविवाहित महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, फिर भी सामाजिक सोच अब तक पिछड़ेपन से मुक्त नहीं हो सकी है। स्वतंत्र व आत्मनिर्भर महिला को व्यवस्था के लिए खतरा माना जाता है, क्योंकि वह पारंपरिक सत्ता संरचना को चुनौती देती है व स्थापित मान्यताओं को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

> अकेली महिलाओं की कठिनाइयां केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएं और अनेक सरकारी सुविधाएं आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं।

इस भय का सबसे गहरा प्रभाव महिलाओं के रोज़मर्रा के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मकान मालिक उन्हें किराए पर घर देने से हिचकिचाते हैं, पड़ोसी कानाफूसी करते हैं और रिश्तेदार बार-बार विवाह की याद दिलाकर मानसिक दबाव बढ़ाते हैं। कार्यस्थल पर भी उन्हें अलग दृष्टि से देखा जाता है, मानो उनकी योग्यता नहीं, बल्कि उनका वैवाहिक दर्जा ही उनकी पहचान हो। पुरुषों का अविवाहित रहना सामान्य माना जाता है, किंतु किसी महिला का अकेले रहना उसके चरित्र पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां अविवाहित या विधवा महिलाओं को सामाजिक बहिष्कार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। यह दोहरा मापदंड धीरे-धीरे महिलाओं की आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति को कमजोर करने का माध्यम बन जाता है।

अकेली महिलाओं की कठिनाइयां केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएं और अनेक सरकारी सुविधाएं आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं। व्यवस्था अब तक यही मानकर चलती है कि महिला का जीवन किसी पुरुष के सहारे ही पूर्ण होता है। जब वह अपने बल पर आगे बढ़ती है, तो उसे अपवाद की तरह देखा जाता है। (ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

अक्षय तृतीया हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य शुरू होता है, वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्योहार हर वर्ष बैसाख माह में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं, क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं।

अक्षय तृतीया का पर्व बसंत व ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है, जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है, क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था, इसीलिए इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाए थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था, जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरुआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

रमेश सर्राफ
स्वतंत्र पत्रकार

हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग, जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है, वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है, इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है, कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है, जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में बैसाख के बसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं, जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला, इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

जैन धर्म में भी अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था, इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

रैंकिंग में भारत के फिसलने के मायने

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर हाल में आई एक खबर ने बहस छेड़ दी है-अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रैंकिंग में भारत छठे स्थान पर खिसक गया है। यह वही भारत है, जिसे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सच में भारत कमजोर हो रहा है या यह केवल आंकड़ों का खेल है?

आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार, 2025-26 के अनुमानों में भारत की जीडीपी लगभग 4.15 ट्रिलियन डॉलर रहने की संभावना है, जबकि ब्रिटेन 4.26 ट्रिलियन डॉलर के साथ एक पायदान ऊपर पहुंच गया है। इससे भारत छठे स्थान पर चला गया। अमेरिका और चीन पहले दो स्थानों पर बने हुए हैं, जबकि जर्मनी, जापान और ब्रिटेन भारत से आगे हैं। पहली नजर में यह गिरावट चिंता पैदा करती है, लेकिन गहराई से देखने पर तस्वीर कुछ अलग नजर आती है। यह बदलाव विकास दर में गिरावट के कारण नहीं, बल्कि गणना के तरीके और मुद्रा के उतार-चढ़ाव से जुड़ा है।

> भारत का छठे स्थान पर जाना एक झटका जरूर है, लेकिन इसे संकट के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। यह एक चेतावनी भी है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में केवल तेजी से बढ़ना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि मुद्रा स्थिरता और सटीक आंकड़ों की भी उतनी ही अहम भूमिका है।

जीडीपी की वैश्विक तुलना अमेरिकी डॉलर में होती है। यही वह बिंदु है, जहां भारत को झटका लगा। पिछले एक साल में भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है- 93 के पार पहुंचना इसका संकेत है।

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

इसे सरल भाषा में समझें। मान लीजिए भारत में उत्पादन और आय बढ़ रही है, लेकिन रुपया कमजोर हो रहा है। ऐसे में जब उसी उत्पादन को डॉलर में बदला जाएगा, तो उसकी वैल्यू कम दिखाई देगी। यानी असल में अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय तुलना में वह छोटी दिखने लगती है। यही कारण है कि भारत की जीडीपी डॉलर में कम आंकी गई और रैंकिंग नीचे खिसक गई।

भारत सरकार ने हाल ही में जीडीपी मापने के लिए बेस ईयर को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। यह एक तकनीकी, लेकिन बेहद अहम बदलाव है। बेस ईयर बदलने का मतलब है कि अब अर्थव्यवस्था को नए डेटा और नए मानकों के आधार पर मापा जा रहा है। इससे आंकड़े ज्यादा सटीक होते हैं, लेकिन जब पुराने वर्षों की जीडीपी को नए तरीके से दोबारा कैलकुलेट किया गया, तो कुछ सेक्टरों में अनुमान कम हो गए। इस बदलाव से नॉमिनल जीडीपी में करीब दो से चार प्रतिशत तक की कमी दिखी।

यहां सबसे दिलचस्प पहलू सामने आता है। एक तरफ भारत 6.5% की दर से बढ़ रहा है, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज है। दूसरी तरफ उसकी रैंकिंग गिर रही है। विकास दर और कुल जीडीपी का आकार दो अलग चीजें हैं। विकास दर बताती है कि अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है, जबकि जीडीपी का आकार दर्शाता है कि कुल अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी है। भारत तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी अमेरिका, चीन, जर्मनी जैसे देशों की तुलना में उसका कुल आकार छोटा है। ऐसे में यदि मुद्रा कमजोर हो जाए या आंकड़ों में बदलाव हो जाए, तो रैंकिंग प्रभावित होना स्वाभाविक है।

ब्रिटेन ने इस बार भारत को पीछे छोड़ दिया है। इसके पीछे दो प्रमुख कारण हैं-पहला, ब्रिटेन की मुद्रा अपेक्षाकृत स्थिर रही; दूसरा, वहां के आर्थिक आंकड़ों में ऐसा कोई बड़ा संशोधन नहीं हुआ जैसा भारत में हुआ। यानी जहां भारत को रुपये की कमजोरी और बेस ईयर बदलाव का दोहरा झटका लगा, वहीं ब्रिटेन अपेक्षाकृत स्थिर बना रहा।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट स्थायी नहीं है। इसके पीछे कोई बुनियादी आर्थिक कमजोरी नहीं है। भारत की खपत, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास मजबूत स्थिति में हैं। भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसकी घरेलू मांग है। इसके अलावा सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर, डिजिटल इकोनॉमी का विस्तार और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार इसे आगे बढ़ा रहे हैं। आईएमएफ का अनुमान है कि यदि यही रफ्तार बनी रही, तो भारत 2027-28 तक फिर से चौथे स्थान पर पहुंच सकता है।

भारत के सामने अब दो बड़ी चुनौतियां हैं- मुद्रा को स्थिर रखना और आर्थिक सुधारों की गति बनाए रखना। रुपये की स्थिरता के लिए मजबूत निर्यात, विदेशी निवेश और वित्तीय अनुशासन जरूरी होगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

शारीरिक और मानसिक आघात पहुंचाने वाली बातों को भूलना श्रेयस्कर

कभी-कभी जीवन में ऐसी घटना हो जाती है कि उससे इंसान स्थायी रूप से क्रोधी हो जाता है। जब कभी उस घटना की याद आती है, तो क्रोध का पारा सातवें आसमान पर चढ़ जाता है। ऐसी ही घटना भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के साथ हो गया था। थे तो वे ऋषि, जिसका काम ज्ञान देना था, लेकिन परशुराम के साथ राजा सहस्त्रार्जुन से युद्ध की कथा भी महाभारत ग्रंथ में उल्लिखित है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

सहस्त्रार्जुन राजा होकर अपने दायित्व से च्युत हो जाता है। ज्ञान के भंडार परशुराम के पिता जमदग्नि की हत्या तथा उनके आश्रम के पेड़ पर्यावरण संरक्षण पद्धति को नष्ट करता है। पेड़-पौधों को उजाड़ देने पर परशुराम ने बदला लिया, जो स्वाभाविक है। सनातन संस्कृति में वृक्षों को भगवान का दर्जा दिया गया है। धार्मिक कार्यों में संकल्प के दौरान 'वनस्पतयः शांतिः' का उल्लेख किया गया है। यानी वनस्पतियों की रक्षा करनी चाहिए। सहस्त्रार्जुन राजा होकर हिंसा पर उतारू हो गया, जबकि महाभारत के शांति पर्व में भीष्म ने युधिष्ठिर से कहा भी है कि लोकहित में ऋषि अपने ज्ञान एवं तपोबल तथा राजा अपने बाहुबल से प्रजा को सुख, शांति तथा उल्लास प्रदान करे।

चाणक्य भी इसी तरह की व्यवस्था के हिमायती थे। इसमें जो भी अपने दायित्व से विचलित होता है, वह दंड का भागीदार होता है। इन्हीं कारणों से परशुराम क्रोधी स्वभाव के हो गए। जब सीता स्वयंवर में शिव का धनुष टूटने पर परशुराम ने क्रोध किया, तो लक्ष्मणजी ने 'लखन कहेउ हंसि सुनहु मुनि क्रोध पाप कर मूल, जेहि बस जन अनुचित करहिं चरहिं बिस्व प्रतिकूल' रामचरितमानस के दोहे में गोस्वामी तुलसीदास ने क्रोध को अनुचित बताया है।

यह क्रोध करने वाले के तन-मन पर बुरा प्रभाव डालता है। यदि जीवन में किसी ने कुछ अहित कर दिया, तो उसको भुलाने की सलाह दी जाती है। अंततः परशुराम जी का जब सामना मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से हुआ, तो परशुरामजी ने अपना क्रोध त्याग दिया। जिन कारणों से शारीरिक एवं मानसिक आघात पहुंचे, उधर ध्यान ही नहीं देना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

मर्द जब रोता है, तब अक्सर बहुत देर हो चुकी होती है!

मर्द रोता नहीं और जब रोता है, तब अक्सर बहुत देर हो चुकी होती है। यह वाक्य केवल एक संवाद नहीं है; यह एक सामाजिक प्रशिक्षण का सार है। लड़कों को बचपन से जिस ढंग से गढ़ा जाता है, वही आगे चलकर उनकी भावनात्मक दुनिया, व्यवहार और उनके आत्मबोध को आकार देता है।

घर में जब छोटा लड़का गिरकर रोता है तो अक्सर उसे कहा जाता है 'चुप हो जाओ, लड़के रोते नहीं।' स्कूल में उसे सिखाया जाता है कि वह मजबूत बने, प्रतियोगिता जीते, हार को छिपाए। खेल के मैदान में उसे दर्द सहने की आदत डालने को कहा जाता है। किशोरावस्था में उसे यह संकेत मिलता है कि संवेदनशीलता आकर्षक नहीं, सफलता और नियंत्रण ही सम्मान दिलाते हैं। यह सब मिलकर एक भावनात्मक अनुशासन बनाता है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति की पहचान का हिस्सा बन जाता है।

मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि प्रारंभिक समाजीकरण व्यक्ति की भावनात्मक शब्दावली को प्रभावित करता है। यदि बचपन में भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति सीमित हो, तो वयस्क होने पर व्यक्ति उन्हें पहचानने और साझा करने में कठिनाई महसूस करता है। यही कारण है कि अनेक पुरुष अपनी बेचैनी, तनाव या अवसाद को स्पष्ट रूप से पहचान नहीं पाते।

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि वयस्क आबादी में अवसाद और चिंता विकार व्यापक हैं। पुरुषों में पदार्थ-निर्भरता और शराब उपयोग विकार की दर महिलाओं की तुलना में अधिक पाई गई है, जबकि उपचार तक पहुंचने वाले पुरुषों का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम है। यह अंतर केवल चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता का नहीं, बल्कि सामाजिक धारणाओं का भी परिणाम है, जहां सहायता मांगना अक्सर कमजोरी माना जाता है।

वैश्विक स्तर पर भी यही पैटर्न दिखाई देता है। अनेक देशों में पुरुष मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग कम करते हैं, जबकि जोखिमपूर्ण व्यवहार अधिक देखा जाता है।

समाज पुरुष से यह अपेक्षा करता है कि वह आत्मनिर्भर, स्थिर और भावनात्मक रूप से अडिग रहे। इसी अपेक्षा के कारण सहायता मांगना कई बार उसके आत्मसम्मान के विरुद्ध प्रतीत होता है।

भारतीय संदर्भ में यह अपेक्षा और जटिल हो जाती है। परिवार संरचना में पुरुष को अक्सर आर्थिक स्तंभ के रूप में देखा जाता है। कमाई, स्थिरता और सामाजिक प्रतिष्ठा उसकी पहचान का हिस्सा बन जाती है। यदि रोजगार अस्थिर हो, आय घटे या आर्थिक दबाव बढ़े, तो संकट केवल आर्थिक नहीं रहता, वह आत्मबोध का संकट बन जाता है।

ग्रामीण भारत में यह दबाव कृषि अस्थिरता, ऋण और बाज़ार जोखिम से जुड़ता है, जबकि शहरी संदर्भ में प्रतिस्पर्धात्मक कार्यसंस्कृति, अस्थायी रोजगार और लगातार तुलना इसे और तीव्र बना देती है। दोनों ही स्थितियों में पुरुष का आत्ममूल्य उपलब्धियों से बंध जाता है, और भावनात्मक जीवन पीछे छूट जाता है, लेकिन यह केवल अर्थव्यवस्था का प्रश्न नहीं है; यह उस सांस्कृतिक मस्कुलैरिटी का प्रश्न है, जिसे समाज पीढ़ियों से निर्मित करता आया है। अकादमिक रूप से इसे 'हेजेमोनिक मस्कुलिनिटी' कहा जाता है, जिसमें शक्ति, नियंत्रण और भावनात्मक कठोरता को आदर्श पुरुषत्व माना जाता है।

समाज एक आदर्श पुरुष छवि निर्मित करता है। मजबूत शरीर, नियंत्रित भावनाएं और कमज़ोरी का अभाव। फिल्मों, खेल, विज्ञापनों और अब डिजिटल मीडिया में यह छवि लगातार दोहराई जाती है। धीरे-धीरे यह छवि केवल आदर्श नहीं रहती, बल्कि सामाजिक मानक बन जाती है। यहीं से मर्दानगी का निर्माण शुरू होता है। घर की भाषा से, जहां आंसू को शर्म से जोड़ा जाता है; स्कूल की संस्कृति से, जहां लड़कों को कठोरता के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और साथियों के व्यवहार से, जहां संवेदनशीलता को उपहास का विषय बनाया जा सकता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रकवि दिनकर की पुण्यतिथि पर 'रश्मिरथी पर्व' 24 से

अमृत विचार, लखनऊ: राजधानी लखनऊ में 24 से 26 अप्रैल तक राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति रश्मिरथी के हीरक जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 'रश्मिरथी पर्व' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होगा। शनिवार को लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि यह आयोजन राष्ट्रकवि दिनकर स्मृति न्यास, नई दिल्ली द्वारा सांस्कृतिक कार्य विभाग के सहयोग से कराया जा रहा है। 24 अप्रैल को दिनकर की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इस दिन 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका का लोकार्पण और दानवीर कर्ण के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य वक्ता होंगे। कार्यक्रम में प्रतिदिन शाम 5:30 बजे से सांस्कृतिक आयोजन होंगे।

कन्या सुमंगला योजना से 27 लाख से अधिक बालिकाएं लाभान्वित

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में योगी आदित्यनाथ सरकार की 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' प्रभावी साबित हो रही है। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस योजना के तहत अब तक 27 लाख से अधिक बालिकाओं को लाभ मिल चुका है। साल 2019 में शुरू हुई इस योजना के अंतर्गत अब तक 674 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर की जा चुकी है। योजना के तहत बालिका को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक छह चरणों में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उनके भविष्य को मजबूत आधार मिल रहा है। योजना का संचालन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। पीएफएमएस के जरिए धनराशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी जाती है, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना नहीं रहती। योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलता है जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक है और अधिकतम दो बालिकाएं ही पात्र होती हैं। योजना के तहत जन्म पर 5 हजार, टीकाकरण पर 2 हजार, कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश पर क्रमशः 3-3 हजार और 5 हजार रुपये तथा उच्च शिक्षा में प्रवेश पर 7 हजार रुपये की सहायता दी जाती है।

महिला आरक्षण बिल पर भाजपा की बदनीयत की हार

अमृत विचार, लखनऊ: सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि जनता के बढ़ते विरोध और आक्रोश से ध्यान हटाने के लिए साजिशन लाए गए 'महिला आरक्षण बिल' की हार भाजपा की हार है।

ये भाजपा की बदनीयत की भी हार है। सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा का हर प्रयास, हर बिल या तो कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए होता है या समाज को बांटने का छल-छलावा होता है। इस बार भाजपा इस बिल के माध्यम से महिलाओं की एकता में दरार डालकर उनको ठगना चाहती थी, लेकिन विपक्ष की एकता ने भाजपाई मंसूबों को धूल चटा दी। ये भाजपा के खिलाफ देश की सक्रिय हो चुकी जन चेतना की जीत है, जिसका प्रतिनिधित्व देश का विपक्ष कर रहा है। भाजपा ने सरकार में बने रहने का नैतिक आधार खो दिया है। कहा कि जो लोग परिवार को नकारते हैं, वे लोग दूसरी तरह से परिवार की धुरी मतलब महिला को नकारते हैं।

योगी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, बंगाल की सड़कों पर गूंजे जय श्रीराम के नारे

मुख्यमंत्री योगी ने भाजपा प्रत्याशी के लिए मांगे वोट, लोगों ने घरों की छत पर खड़े होकर किया जोरदार स्वागत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बांकुड़ा

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री योगी को देखने के लिए सड़कों पर उमड़ा लोगों का हुजूम। अमृत विचार

अमृत विचार : पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो में जनसैलाब उमड़ पड़ा। 'बुलडोजर बाबा' के नाम से चर्चित सीएम योगी को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे। पूरे रोड शो के दौरान 'देखो-देखो कौन आया, शेर आया' और 'जय श्रीराम' के नारे गूंजते रहे।

सीएम योगी ने शनिवार को बांकुड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नीलाद्रि शेखर दाना के समर्थन में जनसमर्थन मांगा। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'योगी-योगी' के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। रोड शो के दौरान सीएम योगी ने हाथ जोड़कर और हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। लोगों ने हाथ उठाकर भाजपा को समर्थन देने का भरोसा जताया। उन्होंने कार्यक्रम के अंत में जनता का आभार जताते हुए कहा कि बंगाल का उत्साह बदलाव का संकेत दे रहा है।

सीएम योगी की एक झलक पाने के लिए, महिलाएं और बच्चे घरों की छतों पर खड़े नजर आए। कई लोग मोबाइल से वीडियो और तस्वीरें बनाते दिखे। मुख्यमंत्री ने भी सभी का अभिवादन स्वीकार किया। रोड शो में उमड़ी भीड़ और लोगों के उत्साह को देखते हुए इसे भाजपा के लिए अहम राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

संदिग्ध आतंकियों का मुख्य साथी दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार

विदेश में बैठकर सोशल मीडिया पर संचालित कर रहा था नेटवर्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मैजुल समेत अब तक गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

अमृत विचार: आतंकी संगठन आईएसआईएस का देश में नेटवर्क खड़ा करने व देश में हिंसात्मक आंदोलन की साजिश रचने वाले गिरोह के मुख्य सदस्य मैजुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बिजनौर पुलिस ने आरोपी मैजुल को इंदिरागांधी एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। मामले में आकिब, मैजुल और आजाद के खिलाफ बिजनौर के नागल थाने में एफआईआर दर्ज है। यूपी एटीएस ने 2 अप्रैल को मेरठ के साकिब, अरबाब और गौतमबुद्धनगर के विकास व लोकेश को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उवैद मलिक, जलाल हैदर और समीर को गिरफ्तार किया गया था। असलहों के साथ वीडियो में दिख रहे आकिब, आजाद और मैजुल विदेश में रह रहे हैं। इन तीनों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया है।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी मैजुल मूलतः बिजनौर के नांगल स्थित सौफतपुर का रहने वाला है। वह वर्तमान में दक्षिणी अफ्रीका में रहकर सोशल मीडिया के माध्यम से देश में कट्टरपंथी व हिंसात्मक घटनाओं को अंजाम देने की साजिश रच रहा था। इसके लिए करीबी सदस्य नेटवर्क में देश के कई प्रमुख हिस्सों के युवाओं को जोड़ रहे थे। सभी सोशल मीडिया के माध्यम से देश में विद्रोह कराने की फिराक में थे। एडीजी कानून-व्यवस्था ने बताया कि मैजुल शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा हिरासत में लेने के बाद सूचना दी गई।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी मैजुल।

नांगल पुलिस के पहुंचने पर अथॉरिटी ने सुपुर्द किया। पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई नवंबर 2025 में नांगल में दर्ज एफआईआर में की गई है। 23 नवंबर 2025 को इंस्टाग्राम पर वायरल वीडियो में आकिब अपने साथियों के साथ लाइव आकर हथियारों का प्रदर्शन रक रहा था। जिसे मैजुल ने अपनी प्रोफाइल से पोस्ट की थी। जांच में सामने आया कि इस वीडियो में मैजुल, आकिब, आजाद और उवैद मलिक सहित चार लोग शामिल थे। मामले में पुलिस ने पहले ही उवैद मलिक और जलाल हैदर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, मैजुल, आकिब और आजाद के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में 15 अप्रैल को समीर उर्फ रूहान को भी गिरफ्तार किया गया था। समीर सोशल मीडिया प्लेटफार्म टेलीग्राम से जुड़ा है। उसके मोबाइल से राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से संबंधित साक्ष्य मिले थे। पुलिस व एटीएस की टीम मैजुल के पास से बरामद मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट की जांच शुरू कर दी है। ताकि उससे मिले सुराग के आधार पर अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

सहायक आचार्य पुनर्परीक्षा में शामिल हुए 19,718 अभ्यर्थी

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा सहायक आचार्य (विज्ञापन संख्या-51) के अंतर्गत 17 विषयों की पुनर्परीक्षा शनिवार को प्रदेश के 53 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और नकलविहीन ढंग से सम्पन्न हो गई। इस परीक्षा में कुल 19,718 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें 41.35 प्रतिशत महिला और 58.65 प्रतिशत पुरुष अभ्यर्थी शामिल रहे। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग के एआई इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम से सभी केंद्रों की लाइव निगरानी की गई। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार, सचिव, परीक्षा नियंत्रक और उपसचिव की मौजूदगी में एआई कैमरों के जरिए परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई।

परशुरामपुरी का 18 करोड़ रुपये से हो रहा कायाकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/शाहजहांपुर

- जुलाई 2026 तक सौंदर्यीकरण पूरा होने की उम्मीद

अमृत विचार: भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर शाहजहांपुर स्थित परशुरामपुरी एक बार फिर श्रद्धा और आस्था का केंद्र बन गई है। उनकी जन्मस्थली मानी जाने वाली यह पावन भूमि हर वर्ष जयंती पर श्रद्धालुओं से गुलजार हो उठती है।

अब इस ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल को नई पहचान देने के लिए प्रदेश सरकार ने व्यापक विकास कार्य शुरू किए हैं। पर्यटन विभाग की ओर से करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण और कायाकल्प कराया जा रहा है, जिसमें से अब तक 11 करोड़ रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना जुलाई 2026 तक पूरी होने की संभावना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि परशुरामपुरी, जो पहले जोगीखेड़ा और जलालाबाद के नाम से जानी जाती थी, अब अपनी मूल पहचान में लौट रही है। परियोजना के तहत सत्संग भवन, मल्टीपर्पस हॉल, मंदिर मंडप, पार्किंग, डॉरमेट्री, ट्रस्ट कार्यालय और पुजारी कक्ष बनाए जा रहे हैं।

देवी गंगा की पालकी

अक्षय तृतीया के अवसर पर गंगोत्री धाम के कपाट खुलने से पहले, शनिवार को उत्तरकाशी में श्रद्धालु देवी गंगा की पालकी को उनके शीतकालीन निवास मुखवा से गंगोत्री धाम तक ले जाते हुए। • एजेंसी

गंगा एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री मोदी 29 को हरदोई से करेंगे लोकार्पण

- मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबा एक्सप्रेसवे 12 जिलों को जोड़ेगा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के बहुप्रतीक्षित गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हरदोई में किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तैयार यह मेगा परियोजना प्रदेश के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है।

594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे मेरठ के बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज के जुडापुर दांदू गांव तक जाएगा। इससे पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा संभव होगी। यह एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 जिलों को जोड़ेगा। इससे 500 से अधिक गांवों में आर्थिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है।

गंगा एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे राज्य की स्थिति और मजबूत होगी। बेहतर कनेक्टिविटी से लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इससे नए औद्योगिक कॉरिडोर विकसित होंगे और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। किसानों को अपने उत्पाद तेजी से बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी, वहीं प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होने से पर्यटन को भी गति मिलेगी। गंगा एक्सप्रेसवे को प्रदेश के आर्थिक विकास का नया इंजन माना जा रहा है।

मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगे 4.46 लाख

काशीपुर, अमृत विचारः ऑनलाइन ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा दिलाने का लालच देकर साइबर ठग ने एक नाबालिग के माध्यम से उसके पिता के बैंक खाते से 4.46 लाख रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आईटीआई कोतवाली क्षेत्र के बाजपुर रोड स्थित ग्राम सांड्खेड़ा निवासी राजेंद्र कुमार ने पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया उनकी बालाजी लुब्रिकेंट्स के नाम से दुकान है। उनका 16 वर्षीय बेटा अभय कुमार जो कक्षा दसवीं का छात्र है। पढ़ाई के लिए वह उनका मोबाइल फोन प्रयोग करता है। आरोप है कि दिसंबर 2025 में टेलीग्राम एप पर अजय ट्रेडर्स नाम से जुड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके बेटे से संपर्क किया और ट्रेडिंग के जरिए अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर लिंक व मैसेज भेजे और स्कैनर के माध्यम से मोबाइल एक्सेस कर लिया। इसके बाद 2 मार्च 2026 से 2 अप्रैल 2026 के बीच उनके बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते से लगभग 4 लाख 46 हजार 871 रुपये निकाल लिये गए।

होटल के कमरे में स्कूल ड्रेस में पकड़ीं दो नाबालिग छात्राएं

संवाददाता, रामनगर

- पुलिस ने होटल किया सील
- छात्राओं के साथ मौजूद कुछ लोग पुलिस की हिरासत में

अमृत विचार: नैनीताल जिले में रामनगर के एक होटल के कमरे से स्कूल यूनिफार्म में दो नाबालिग छात्राएं बरामद होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए होटल को सील कर जांच शुरू कर दी है।

रामनगर के कानियां क्षेत्र स्थित एक होटल में उस समय सनसनी फैल गई, जब स्कूल ड्रेस में दो नाबालिग छात्राओं के मिलने की खबर सामने आई। बताया जा रहा है कि ये दोनों छात्राएं शहर के एक प्रतिष्ठित रानीखेत रोड स्थित इंटर कॉलेज की हैं और होटल के कमरे में मौजूद थीं। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष मदन जोशी ने इस मामले को उठाया, जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचे सब इंस्पेक्टर जोगा सिंह ने छात्राओं के साथ मौजूद कुछ लोगों को हिरासत में लिया और कोतवाली ले जाया गया। घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाबालिग छात्राओं का इस तरह होटल में पाया जाना कई सवाल खड़े करता है। वहीं यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि बिना उचित पहचान पत्र के होटल में कमरा दिए जाने जैसी गंभीर लापरवाही हुई है।

भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मदन जोशी ने कहा कि रामनगर के ढिमरपुर डोटियाल में कोजी कैफे होटल व होमस्टे व इस होटल की लगातार शिकायत मिल रही थी कि यहांकायदे कानूनों की अनदेखी की जा रही है। पुलिस के साथ वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि दो नाबालिग छात्राएं वहां स्कूल की ड्रेस में थी। मदन जोशी ने कहा कि स्कूल प्रबंधन से भी वह कह चुके हैं कि स्कूल के बाहर अपनी सुरक्षा लगाइए और जो बच्चे स्कूल में नहीं आ रहे हैं उनसे प्रार्थना पत्र लीजिए और उनके अभिभावकों को भी सूचना दीजिए। उन्होंने कहा कि यह दो नाबालिग बच्चियों कालेज से कैसे होटल में गई। ना होटल संचालक ने उनकी आईडी ली, ना जांच की, जबकि वह ड्रेस में थीं और उनको कमरा दे दिया गया। उन्होंने कहा कि दोनों लड़की और दोनों लड़के नाबालिग हैं। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया नाबालिग लड़कों में एक मुस्लिम है। दोनों लड़कियों के परिजनों की ओर से दोनों लड़कों के खिलाफ मुकदमा पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया गया है। होटल संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

पहचान छुपाकर युवतियों का शोषण करने का आरोप

भीमताल, अमृत विचार: भीमताल में एक व्यक्ति पर पहचान छुपाकर कई युवतियों के साथ धोखाधड़ी, मानसिक, शारीरिक और आर्थिक शोषण करने का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों ने सामूहिक रूप से कोतवाली पहुंचकर तहरीर सौंपते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि बाईपास क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी वास्तविक पहचान छुपाकर कई युवतियों से संपर्क किया और उनसे संबंध बनाए। बाद में उसने अपना नाम मोहम्मद यूनुस बताया।

आरोप है कि उसने पीड़ित युवतियों के धार्मिक विश्वास का अपमान किया, उन्हें धार्मिक आचरण से रोकने का प्रयास किया और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। तहरीर में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी ने पीड़िताओं से महंगे सामान मंगवाए और उनसे करीब 17 लाख रुपये तक खर्च करवाए, जो आर्थिक शोषण की श्रेणी में आता है। शिकायतकर्ताओं ने आशंका जताई है कि आरोपी के अन्य युवतियों के साथ भी इसी प्रकार के संबंध हो सकते हैं। कई पीड़िताएं सामाजिक संकोच और लोकलाज के कारण सामने नहीं आ पा रही हैं, लेकिन वे संपर्क में रहकर अपनी पीड़ा व्यक्त कर रही हैं।

आरोप यह भी लगाया गया है कि संबंधित व्यक्ति ने मारपीट, जबरन अनुचित कार्य करवाने और अमानवीय व्यवहार किया।

बढ़ते कदम

'दुग्ध स्वर्ण महोत्सव 2026' में मुख्यमंत्री योगी का संदेश पढ़ा गया

25 हजार करोड़ के एमओयू से डेयरी क्षेत्र को नई ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 हजार से अधिक पशुपालक कार्यक्रम में हुए शामिल

अमृत विचार : उप्र. दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित 'दुग्ध स्वर्ण महोत्सव 2026' का समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें दुग्ध विकास को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया गया।

लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय महोत्सव में प्रदेशभर से करीब 10 हजार पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों और निवेशकों ने भाग लिया, जबकि लाखों लोग वेबकास्टिंग के माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में स्वदेशी नस्ल के गोपालन और आधुनिक डेयरी तकनीक पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की।'नंद बाबा दुग्ध मिशन' के तहत अब तक 10 हजार से अधिक लाभार्थियों को करीब 84 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए गए। महोत्सव के दौरान डेयरी क्षेत्र में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 796 एमओयू निष्पादित हुए, जिससे लगभग 60 हजार रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इसके अलावा 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 59 नए एमओयू भी साइन किए गए, जिनसे 13 हजार अतिरिक्त रोजगार मिलेंगे।

लखनऊ : दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में किए गए एमओयू दिखाते अधिकारी। अमृत विचार

प्रदेश में 4 हजार से अधिक नई दुग्ध सहकारी समितियों के गठन से करीब 1.5 लाख दुग्ध उत्पादक लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम में पशुधन, दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशुपालकों, उद्यमियों व अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया।

भाजपा नेता के बेटे पर हमला, बनाया बंधक

संवाददाता, रुद्रपुर

- पेट्रोल पंप मालिक के बेटे पर आरोप
- कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके में एक पेट्रोल पंप मालिक के बेटे पर भाजपा नेता के बेटे पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हाथापाई की वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया।

शनिवार को भाजपा नेता वसुंधरा कॉलोनी निवासी नरेश सागर ने बताया कि 18 अप्रैल की सवा 11 बजे बेटे प्रिंस सागर का दोस्त देहरादून से आ रहा था। बेटा उसे लेने बाइक से इंदिरा चौक चला गया और दोस्त की प्रतीक्षा कर रहा था। इस बीच इंदिरा चौक पेट्रोल पंप मालिक का बेटा कार बैक करता हुआ आया और बेटे से गाली गलौज करने लगा। बेटे ने सभ्य तरीके से ऐतराज किया तो आरोपी ने पंप कर्मियों के साथ मिलकर बेटे को खींचकर कार्यालय में ले गए और हाथापाई करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए बंधक बना दी। इसी दौरान बेटे के परिचित कुछ दोस्तों ने देखा और बेटे की जान बचाई। हाथापाई की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। भाजपा नेता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)

स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ

30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त

ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

* पतले-दुबले
* गाल पिचके
* कमजोर स्त्री-पुरुष
* मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए

परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी

भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं

- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease

सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक

दिनांक :- 19 अप्रैल 2026, रविवार 3 मई 2026, रविवार

निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली

9837069463
7599211076

आजादी को 78 साल बीते, आधी आबादी से चेहरे सिर्फ तीन जीते

एमपी-एमएलए बनेंगी कैसेः चुनावी आंकड़े दे रहे गवाही, महिलाओं को टिकट देने में हर बार कंजूसी बरतती रही हैं प्रमुख पार्टियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली की इकलौती महिला विधायक ठाकुर सुमनलता सिंह रहीं
- 1981-84 में आबिदा अहमद, 2009 में मेनका गांधी जीतीं
- आरक्षण अटकने से महिलाओं की उम्मीदों को झटका

अमृत विचारः महिला आरक्षण पर पक्ष-विपक्ष की बहस के बीच महिलाओं की राजनीति में भागीदारी पर नजर डालना भी जरूरी है। चुनावी आंकड़े इस बात की साफ गवाही देते हैं कि जीत की जटिलता में उलझीं प्रमुख पार्टियां आधी आबादी पर चुनावी दांव लगाने में बहुत कंजूसी बरतती हैं। यही वजह है कि रुहेलखंड की राजनैतिक धुरी कहे जाने वाले बरेली से अभी तक सिर्फ तीन महिलाएं ही जीतकर दिल्ली-लखनऊ पहुंच सकी हैं। बरेली लोकसभा से पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की पत्नी बेगम आबिदा अहमद, आंवला से नेहरू-गांधी परिवार की बहू मेनका गांधी और सन्हा(अब बिथरी) विधानसभा से दिग्गज खानदान से आने वालीं ठाकुर सुमनलता सिंह का नाम ही महिला एमपी-एमएलए की सूची में नजर आता है। मेयर व जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी दिग्गज राजनैतिक परिवारों की 5 धाकड़ महिलाएं जरूर संभाल चुकी हैं मगर लोकसभा-विधानसभा का लंबा खालीपन सच का आइना दिखाने के लिए काफी है।

बेगम आबिदा।

मेनका गांधी।

ठाकुर सुमनलता सिंह।

बरेली में दो लोकसभा व 9 विधानसभा सीट हैं और 2009 के बाद से किसी सीट पर महिला प्रतिनिधित्व नहीं रहा है। जिले की आखिरी महिला सांसद मेनका गांधी थीं, जो गैर जनपद से अपनी सीट छोड़कर आंवला के रण में उतरीं थीं और जीत दर्ज कर लोसकभा पहुंची थीं। 2014 में वह आंवला से नहीं लड़ीं। उनकी जगह भाजपा से पूर्व मंत्री धर्मेन्द्र कश्यप लड़कर जीते थे। 2019 में आंवला से रुचिवीरा लड़ीं मगर पराजित होकर लौटीं। जिले में महिला नुमाइंदगी अभी भी शून्य है। जिले की पहली महिला सांसद की बात करें तो यह नाम बेगम आबिदा अहमद का रहा है। 1981 में वह कांग्रेस की टिकट पर बरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ीं थीं और फतह हासिल कर संसद पहुंची थीं। उन्होंने 1984 में भी जीत का परचम फहराया था, हालांकि तीसरी बार 1989 के चुनाव में भाजपा के संतोष गंगवार के मुकाबले हार गई थीं। उसके बाद बरेली लोकसभा में भी महिला प्रतिनिधित्व नजर नहीं आया है। 2014 में पूर्व विधायक इस्लाम साबिर की बहू और भोजीपुरा से विधायक शहजिल इस्लाम की पत्नी आयशा इस्लाम सपा की टिकट पर मैदान में उतरीं थी, लेकिन पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वर्तमान में झारखंड राज्यपाल संतोष गंगवार के मुकाबले शिकस्त खा बैठी थीं।

इसी तरह बरेली में अकेली महिला विधायक के तौर पर ठाकुर सुमनलता सिंह का नाम दर्ज है। दिग्गज परिवार की बेटी और बहू सुमनलता सिंह ने सन्हा सीट से भाजपा की टिकट पर जीत का झंडा बुलंद किया था। जिले की राजनीति का बेहद प्रभावशाली नाम मानी जाने वालीं सुमनलता सिंह 2002 में बसपा प्रत्याशी धर्मेन्द्र कश्यप से बहुत कम वोटों के अंतर से मात खा बैठी थीं। उसके बाद से जिले में कोई महिला एमएलए नहीं बन सकी हैं। पूर्व मेयर सुप्रिया ऐरन बरेली कैंट सीट से किस्मत जरूर आजमाती रहीं है मगर जीत की दहलीज तक नहीं पहुंच पाई हैं। फरीदपुर सुरक्षित सीट से पिछली बार महिला चेहरे मैदान में उतरे थे, लेकिन विजय नहीं मिल सकी है। सच ये भी है कि चुनावी मोर्चे पर कम ही सही लेकिन प्रमुख राजनैतिक परिवारों की महिलाओं को ही मौका मिलता दिखता है। खास की जगह आम भागीदारी जैसे शून्य पर ठहरी दिखती है। महिला आरक्षण से आधी आबादी के बीच नई उम्मीद जगी थी, लेकिन वह कहानी भी फिलहाल थम गई है।

जिला पंचायत पर पहुंच चुकीं 4 महिलाएं

बरेली में दिग्गज परिवारों की 4 महिलाएं अध्यक्ष की कुर्सी संभाल चुकी हैं। इनमें 1995 में पूर्व विधायक महीपाल सिंह यादव की पत्नी सरोज यादव जिला पंचायत अध्यक्ष चुनी गई थीं। उनकी बहू गौरी यादव अभी जिला पंचायत सदस्य हैं। 2000 में तत्कालीन बसपा एमएलसी केसर सिंह गंगवार के भाई की पत्नी ऊषा गंगवार जिला पंचायत अध्यक्ष बनीं। 2011 में तत्कालीन बसपा विधायक बिथरी वीरेन्द्र सिंह के भाई की पत्नी नीरू पटेल ने अध्यक्ष की कुर्सी संभाली। अभी पूर्व मेयर स्वर्गीय कुंवर सुभाष पटेल की पुत्रबधू रश्मि पटेल अध्यक्ष की कुर्सी संभाल रही हैं। सभी बड़े राजनैतिक घरानों से आती हैं।

मेयर सुप्रिया ऐरन, ब्लॉक प्रमुख-पंचायत सदस्य कई

पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन की पत्नी सुप्रिया ऐरन बरेली की महिला मेयर रह चुकी हैं। हालांकि, उनसे पहले और बाद में अभी तक इस सीट पर कोई महिला नहीं पहुंचीं हैं। जिला पंचायत सदस्य और ब्लॉक प्रमुख चुनाव, नगर पालिका–नगर पंचायत चेयरमैन चुनाव में महिलाओं की जीत की कहानी जरूर अच्छी रही है। वर्तमान में ही जिले के अंदर कई महिला प्रतिनिधि हैं।

मेधावियों को सम्मानित किया

बरेली, अमृत विचार : नालन्दा पब्लिक स्कूल में शनिवार को सीबीएसई 10 वीं के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

10 वीं में शन्नो पटेल ने 94. 2 प्रतिशत अंक पाकर स्कूल में प्रथम, रामा मौर्य ने 90. 2 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय व प्रियांशु भारद्वाज ने 87. 6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के चेयरमैन सत्यओम वार्ष्णेय ने सभी मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया।

पशुपतिनाथ मंदिर सौंदर्यीकरण को कारसेवा 24 अप्रैल से शुरू होगी

बरेली, अमृत विचार : पशुपति विहार स्थिति पशुपति नाथ मंदिर की सफाई एवं जल परिवर्तन के लिए कार सेवा 24 अप्रैल से शुरू हो रही है। मंदिर प्रबंधक मुकेश मिश्रा आचार्य और अंकित शर्मा आचार्य ने बताया है कि परंपरा के अनुसार कार सेवा में सभी श्रृद्धालु भाग लेकर सहायता कर सकते हैं। मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य में लोग खुद भी शामिल सकते और अपने स्तर से श्रमिक भेजकर भी पवित्र कार्य में सहयोग कर सकते हैं।

'हर घर जल' योजना का तीन दिवसीय मूल्यांकन पूरा

बरेली, अमृत विचार : एमजेपीआरयू के समाज कार्य विभाग ने जनपद में केंद्र और प्रदेश सरकार की हर घर नल, हर घर जल योजना का तीन दिवसीय मूल्यांकन शनिवार को संपन्न किया। प्रो. विजय बहादुर सिंह यादव के मार्गदर्शन और डॉ. अफसाना के नेतृत्व में टीम ने ब्लॉकों में सर्वेक्षण किया।

रेलवे भूमि उपयोग पर पार्षद ने रखे सुझाव

बरेली, अमृत विचार : एक कार्यक्रम के दौरान पार्षद सतीश चंद्र कातिब ने रेलवे भूमि के बेहतर उपयोग और स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि नगरिया परीक्षित रोड नंबर-8 पर लगभग 85 वर्षों से दुकानदार रेलवे की भूमि पर दुकानें संचालित कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें हटाने के बजाय रेलवे को चाहिए कि इन दुकानदारों के लिए व्यवस्थित दुकानें बनाकर 99 वर्ष की लीज पर आवंटित करे। पार्षद ने जनकपुरी रेलवे क्रॉसिंग से मॉडल टाउन होते हुए शहामतगंज तक के क्षेत्र का मुद्दा भी उठाया।

विद्यालयी संसद का गठन किया

कार्यक्रम में मौजूद स्टूडेंट। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार : नैनीताल रोड स्थित श्री गुलाब राय मॉन्टेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को विद्यालयी संसद का गठन किया गया।

नव निर्वाचित पदाधिकारियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य रणवीर सिंह रावत ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व और जिम्मेदारी का महत्व बताया। संचालन राहुल मैसी ने किया। हेड ब्वॉय पार्थ भाटिया, हेड गर्ल शिविका गर्ग, स्पोर्ट्स कैप्टन ब्वॉयज आयुष यादव, स्पोर्ट्स कैप्टन गर्ल्स वैष्णवी जोशी, एमरल्ड सदन कैप्टन ब्वॉयज अर्श प्रजापति, एमरल्ड सदन कैप्टन गर्ल्स रिद्धिमा मिश्रा, रूबी सदन कैप्टन ब्वॉयज सात्विक मुखर्जी, रूबी सदन कैप्टन गर्ल्स आस्था सक्सेना, सफायर सदन कैप्टन ब्वॉयज तनिष्क सिंह, सफायर सदन कैप्टन गर्ल्स सृष्टि दिवाकर, टोपेज सदन कैप्टन ब्वॉयज अर्णव सिंह, टोपेज सदन कैप्टन गर्ल्स अनन्या कृष्णा मौजूद रहीं। हाउस कन्वीनर मनीष सिंह बोरा का सहयोग रहा।

सोमनाथ तीर्थ यात्रा के लिए 10 श्रद्धालुओं को लखनऊ भेजा

कलेक्ट्रेट से लखनऊ रवाना होने के दौरान श्रद्धालु अधिकारियों के साथ।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एडीएम सिटी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अमृत विचार : भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की पहल पर सोमनाथ तीर्थ यात्रा निःशुल्क कराई जा रही है। इस क्रम में बरेली से चयनित विभिन्न श्रेणी के तीर्थ यात्रियों की बस को एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ये यात्री लखनऊ से 19 अप्रैल को वातानुकूलित (एसी थर्ड) ट्रेन से सोमनाथ के लिए रवाना होंगे। उप निदेशक पर्यटन रविंद्र कुमार ने बताया कि धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने यह विशेष पहल की है। लखनऊ में उनके ठहरने और भोजन की व्यवस्था संस्कृति विभाग ने की है।

यहां विकास मौर्य, बिन्दु सक्सेना, विवेक पटेल, वीरेन्द्र कुमार, संस्कार गोयल, ओमवती, मोहित गंगवार, अजयानन्द ब्रह्मचारी, अंकित कुमार, देवेन्द्र कुमार को यात्रा पर भेजा गया है। बस को कलेक्ट्रेट से रवाना करने के दौरान नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, उप निदेशक पर्यटन रविंद्र कुमार आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये University Granta Commission of India · Medical Council of India · Dental Council of India · Pharmacy Council of India · Indian Nursing Council · Uttar Pradesh Nursing & Midwives Council · Association of Indian Universities · Where there is rural well being there is University Prosperity · Uttar Pradesh State Medical Faculty · NAAC

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2026-27
CUET(UG/PG)-2026 Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

	COURSE	Eligibility	Duration
01	Diploma- Medical lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
02	Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
03	Diploma Radiology Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
04	M.Sc. Medical Anatomy	MBBS, BDS, BAMS B.Sc. Nursing, B.Sc. Optom, B.Pharma, BPT, B.Sc. MLT, B.sc(Bio sc.)	3 Year
05	M.Sc. Medical Biochemistry		3 Year
06	M.Sc. Medical Microbiology		3 Year
07	M.Sc. in Medical Pharmacology		3 Year
08	M.Sc. in Medical Physiology		3 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

09	Diploma in Dental Hygenist	10+2 (PCB)	2 Year
10	Diploma in Dental Mechanics	10+2 (PCB)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

	COURSE	Eligibility	Duration
11	D.Pharm/Diploma in Pharmacy	10+2(PCB/PCM)	2 Year
12	B.Pharm/Bachelor of Pharmacy	10+2(PCB/PCM)	4 Year
13	M.Pharm (Pharmaceutical Chem)	B.Pharm	2 Year
14	M.Pharm (Pharmaceutics)	B.Pharm	2 Year
15	M.Pharm (Pharmacology)	B.Pharm	2 Year
16	M.Pharm (Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year

FACULTY OF ALLIED & HEALTHCARE SCIENCES (PARAMEDICAL)

	COURSE	Eligibility	Duration
17	Certification in Sanitation	10+2(PCB/PCM)	1 Year
18	Diploma in Medical Lab Technician (DMLT)	10+2(PCB/PCM)	4 Year
19	Diploma in X-Ray Technician	10+2(PCB/PCM)	2 Year
20	Diploma in Dialysis Technician	10+2(PCB/PCM)	2 Year
21	Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2(PCB/PCM)	2 Year
22	Diploma in MRI Technician	10+2(PCB/PCM)	2 Year
23	Diploma in Radiotherapy Technology	10+2(PCB/PCM)	2 Year
24	Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2(PCB	5 Year
25	Bachelor Operation Theater Technician (BOTT)	10+2(PCB/PCM))	4 Year
26	Bachelor of Medical Radiology & Imaging Technology (BMRIT)	10+2(PCB)	4 Year
27	B.Sc. in Medical Laboratory Technician (BMLT/BMLS)	10+2(PCB)	4 Year
28	B.Sc. in Optometry (B. Optom)	10+2(PCB/PCM)	5 Year
29	M.Sc. in Clinical Embryology	UG (Relevant Discipline)	2 Year
30	Master of Physiotherapy (MPT)	UG (Relevant Discipline)	2 Year
31	Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	UG (Relevant Discipline)	2 Year

ROHILKHAND SCHOOL OF NURING/ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

	COURSE	Eligibility	Duration
32	B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
33	Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
34	Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC) (Post Graduate Residency Progam)	B.Sc. Nursing/Post Basic B.Sc. Nursing*	2 Year
35	M.Sc. Nursing in Medical Surgical Nursing	B.Sc. Nursing/ Post Basic B.Sc. Nursing*	2 Year
36	M.Sc. Nursing in Obsteric & Gynaecological Nursing		2 Year
37	M.Sc. Nursing in Child Health Nursing		2 Year
38	M.Sc. Nursing in Mental Health Nursing		2 Year
39	M.Sc. Nursing in Community Health Nursing		2 Year
40	GNM	10+2 with English	3 Year
41	ANM	10+2	2 Year

BIU COLLEGE OF MANGEMENT/HUMANITIES & JOURNALISM

42	BBA	10+2 in any Stream	3 Year
43	BBA (H) Finance & Taxation	10+2 in any Stream	4 Year
44	BBA (H) Business Intelligence & Data Analytics	10+2 in any Stream	4 Year
45	B. Com (Honors)	10+2 in any Stream	4 Year
46	BCA	10+2 in any Stream	3 Year
47	BCA (H) Information Technology & Multimedia	10+2 in any Stream	4 Year
48	BCA (H) Artificial Intelligence & Data Science	10+2 in any Stream	4 Year
49	BCA (H) Artificial Intelligence & Machine Lear.	10+2 in any Stream	4 Year
50	BA (Journalism/Mass Communication)	10+2 in any Stream	4 Year
51	BJMC (H) Bachelor of Journalism & Mass Communication	10+2 in any Stream	4 Year
52	BMM (H) Bachelor of Mass Media	10+2 in any Stream	4 Year
53	MJMC Master of Journalism & Mass Comm.	UG Any Stream	2 Year
54	MHA (Master in Hospital Administration)	UG Any Stream	2 Year
55	MPH (Master in Public Health)	UG Any Stream	2 Year
56	MBA	UG Any Stream	2 Year
57	MCA	UG Any Stream	3 Year
58	M. Com	UG Any Stream	2 Year
59	MA (Political Science)	UG Any Stream	2 Year
60	MA (Journalism)	UG Any Stream	2 Year
61	MA (Mass Communication)	UG Any Stream	2 Year
62	MA (English)	UG Any Stream	2 Year
63	MA (Psychology)	UG Any Stream	2 Year
64	MA (Sociology)	UG Any Stream	2 Year

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

65	B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCM/PCB)	3 Year
66	M.Sc Forensic Science	UG (Relevant Discipline)	2 Year

FACULTY OF FINE ARTS

67	Certificate in Photography	10 Pass	1 Year
68	Certificate in Cinematography	10 Pass	1 Year
69	Diploma in Cinematography (DIC)	10 Pass	2 Year
70	Diploma in Photography (DIP)	10 Pass	2 Year
71	Bachelor of Fine Arts (Film Making)	10+2 in any Stream	4 Year
72	Bachelor of Fine Arts (Photography)	10+2 in any Stream	4 Year
73	Master of Fine Arts (Photography)	UG Fine Arts	2 Year

Contact For More Information: 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153

Add.: Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly - 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

वर्ल्ड ब्रीफ

हज यात्रियों की पहली उड़ान मदीना रवाना

नई दिल्ली। दिल्ली से मदीना के लिए हज यात्रियों की पहली उड़ान शनिवार को रवाना हुई। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने आज बताया कि मंत्रालय के सचिव डॉ. श्रीवत्स कृष्णा ने दिल्ली से हज 2026 की प्रथम उड़ान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने प्रस्थान स्थल पर यात्रियों को संबोधित करते हुए सुगम, सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से परिपूर्ण यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। डॉ. कृष्णा ने हज यात्रियों को आश्वस्त किया कि भारत सरकार उनकी सुविधा और कल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की ओर से चिकित्सा सहायता और रसद सहायता सहित व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

शब्बीर शाह को 10 दिन एनआईए हिरासत में

जम्मू। एनआईए द्वारा तीन दशक पुराने एक आतंकी मामले में गिरफ्तार किए गए अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को शनिवार को एक विशेष अदालत ने 10 दिन के लिए एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। एनआईए की श्रीनगर शाखा ने शुक्रवार को शाह को 1996 के उस मामले में गिरफ्तार किया था जिसमें एक आतंकवादी को दफनाए जाने के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ था। शाह को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उसे तीन दिन के ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया।

लद्दाख हिंसा: दो कांग्रेस नेता हिरासत से रिहा

लेह। लेह में सितंबर 2025 में हुई हिंसा के सिलसिले में लगभग सात महीने जेल में बंद रहे एक पूर्व विधायक सहित दो कांग्रेस नेताओं को शनिवार को रिहा कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर के पूर्व विधायक डेलदान नामग्याल और लेह जिला परिषद के पार्षद स्मानला दोरजे को शुक्रवार को उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी थी। दोनों नेताओं का जेल से बाहर आते ही लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के नेताओं के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने पारंपरिक स्वागत किया।

विपक्ष ने महिलाओं से किया विश्वासघात: भाजपा महिला आरक्षण तुरंत लागू करे सरकार: कांग्रेस

संसद में संविधान संशोधन विधेयक खारिज होने के बाद अब सड़कों पर भाजपा और विपक्ष के बीच जुबानी जंग

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला आरक्षण को 2029 से लागू कराने के लिए लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में खारिज होने के बाद शनिवार को भाजपा और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी हुई। भाजपा ने इस घटनाक्रम को काला दिन बताया और कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर महिलाओं के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया। वहीं कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने कहा कि 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को तुरंत लागू किया जाना चाहिए। सरकार को इस मुद्दे पर महिलाओं के साथ कपट करने से बाज आना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष को देशभर की महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा और उन्होंने अपनी विश्वसनीयता हमेशा के लिए खो दी है। उन्होंने कहा, यह कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर एक काला दाग है, जिसे वे कभी मिटा नहीं पाएंगे। यह विधेयक महिलाओं को ऐतिहासिक

भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के आवास के बाहर प्रदर्शन किया।

प्रतिनिधित्व देने के बारे में था, इसमें आपत्ति कैसी हो सकती थी। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष के कदम ने महिला सशक्तीकरण और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व दोनों को कमजोर किया है। करंदलाजे ने कहा, उन्होंने दक्षिण भारत को भी नुकसान पहुंचाया, जहां सीटों में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हो सकती थी। महिलाओं को आरक्षण मिलना था, लेकिन उन्हें इस अवसर से वंचित कर दिया गया। यह सब राहुल गांधी के नेतृत्व में हुआ है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस और इंडिया'' गठबंधन पर महिलाओं को धोखा देने और अपने पिछले रुख से पीछे हटने का आरोप लगाया।

विपक्षी नेताओं ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल कर रही है और इसके क्रियान्वयन में देरी कर रही है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि विपक्ष महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है, लेकिन इसे परिसीमन से जोड़ने पर आपत्ति है। उन्होंने कहा, हम महिला आरक्षण का पूरी तरह समर्थन करते हैं और शुक्रवार को ही विधेयक पारित करा देते। हमारी आपत्ति आरक्षण पर नहीं, बल्कि इसे परिसीमन से जोड़ने पर थी। थरूर ने कहा कि परिसीमन से देश के भविष्य से जुड़े मौलिक सवाल खड़े होते हैं और इसे जल्दबाजी में नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, यह महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि एक राजनीतिक खेल था। महिलाओं का इस्तेमाल राजनीतिक हितों के लिए किया जा रहा था। अगर सरकार मानसून सत्र में नया विधेयक लाती है और इसे परिसीमन से नहीं जोड़ती, तो हम उसे पारित करा देंगे। कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि महिला आरक्षण पर कोई मतभेद नहीं है और इसे तुरंत लागू किया जाना चाहिए। माकपा के नेता जॉन ब्रिटास ने आरोप लगाया कि सरकार की रणनीति संसद में उजागर हो गई। वे महिलाओं को ढाल बनाकर देश को गुमराह कर रहे थे। अगर उनमें जरा भी ईमानदारी है तो वर्तमान संरचना के आधार पर एक-तिहाई आरक्षण लागू करें।

विपक्षी एकजुटता से नाकाम हुई केंद्र सरकार की साजिश: प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक देश के संघीय ढांचे को बदलने का षड्यंत्र था और लोकसभा में इसका गिरना लोकतंत्र, संविधान एवं विपक्षी एकजुटता की जीत है। प्रियंका ने कहा कि सरकार 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा की वर्तमान 543 सीट के आधार पर तत्काल लागू कर सकती है और यदि वह ऐसा करती है तो विपक्ष इसका समर्थन करेगा। उन्होंने कहा, कल लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत हुई है। ये संविधान की जीत है, देश की जीत है, विपक्षी एकता की जीत है। प्रियंका ने कहा कि यह विपक्षी एकजुटता के लिए निर्णायक क्षण हो सकता है।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष नजरबंद

हैदराबाद। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव को मुख्यमंत्री आवास की ओर विरोध मार्च करने से रोकने के लिए शनिवार को घर में नजरबंद कर दिया गया। यह विरोध मार्च संसद में पेश हुए महिला आरक्षण विधेयक के गिरने के मामले में आयोजित किया जाना था। राव ने मुख्यमंत्री आवास तक विरोध मार्च का आह्वान किया था। नजरबंदी के दौरान राव ने कहा, हम कांग्रेस को नहीं छोड़ेंगे, जिसने महिला सशक्तीकरण के साथ विश्वासघात किया है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नया नोटिस देने की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली। विपक्षी दल मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस लोकसभा अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति की ओर से अस्वीकार किए जाने के बाद अब एक नया नोटिस देने की योजना बना रहे हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक कई विपक्षी दलों के नेता बातचीत कर रहे हैं और कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित विभिन्न दलों के कम से कम पांच वरिष्ठ सांसद नये नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि नोटिस किस सदन में पेश किया जाएगा या क्या इसे पिछली बार की तरह दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने से उत्साहित विपक्षी नेता नोटिस पर इस बार कम से कम 200 सांसद जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

• पांच वरिष्ठ सांसदों को मसौदा बनाने की जिम्मेदारी दी

सूत्रों ने कहा, हम एक बयान देना चाहते हैं, लेकिन हमें पहले यह साबित करना होगा कि पिछली बार संख्या कम आंकी गई थी।अपने पहले के नोटिस में विपक्ष ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर स्वतंत्रता और संवैधानिक निष्ठा बनाए रखने में विफलता और कार्यपालिका के दबाव के तहत कार्य करने का आरोप लगाया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने नोटिस को अस्वीकार कर दिया था।

जी 20 उपग्रह को अगले साल प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद

हैदराबाद। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि जलवायु और वायु प्रदूषण का अध्ययन करने तथा मौसम की निगरानी करने के लिए डिजाइन किए गए जी20 उपग्रह को 2027 में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है। इसकी तैयारी की जा रही है।

इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया में डीआरडीओ, इसरो और एयरोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए डॉ. नारायणन ने यह भी कहा कि भारत पहला देश है जिसने एक ही रॉकेट का उपयोग करके 100 से अधिक उपग्रहों को सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन: सिब्बल

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने चुनावी भाषण देकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। सिब्बल ने दावा किया कि इस तरह की टिप्पणियां प्रधानमंत्री के पद की गरिमा को कम करती हैं और अतीत में किसी प्रधानमंत्री ने इस तरह का काम नहीं किया है। उन्होंने कहा, यह भारत की राजनीति में एक नयी गिरावट है। लेकिन मुझे पता है कि न तो मुख्य चुनाव आयुक्त और न ही कोई अन्य संस्था इस बारे में कुछ करेगी।

जनगणना मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट को दर्शाया चीन का शहर

नई दिल्ली। भारत के महापंजीयक ने शनिवार को कहा कि अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले में स्थित पासीघाट को चीनी शहर मेडोग के रूप में दर्शाने वाले स्वगणना मानचित्र से संबंधित समस्या का समाधान कर लिया गया है। इस मुद्दे को मोहोंटो पांगिंग पाओ नामक एक एक्स यूजर ने उठाया था जिसके बाद इसका संज्ञान लिया गया।

पाओ ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए इस संबंध में एक पोस्ट किया था। सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर स्वगणना करने का प्रयास करने के दौरान सामने आने वाले मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट को कथित तौर पर मेडोग के रूप में दर्शाया गया था। पाओ ने पोस्ट में कहा, मेडोग चीन का एक कस्बा है!

• सोशल मीडिया पर प्रदेश के एक नागरिक की आपत्ति के बाद ठीक की गई त्रुटि

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भारतीय हैं! यहां तक कि सरकारी पोर्टल भी वस्तुतः हमारे क्षेत्र को सौंप रहे हैं! तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। महापंजीयक ने शाम को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा, अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले के पासीघाट में सरकारी पोर्टल के जरिये स्व-गणना के दौरान मानचित्र स्थान को लेकर एक समस्या सामने आई। जनगणना आयुक्त ने एक्स पर पोस्ट किया, मानचित्र सेवा प्रदाता के साथ यह मुद्दा उठाया गया था और इसका समाधान कर लिया गया है।

दिल्ली में पिता-पुत्र की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दक्षिण दिल्ली के सीआर पार्क इलाके में एक व्यक्ति और उसके बेटे की चाकू घोपकर हत्या कर दी गई। मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान राकेश सूद और उनके बेटे करण सूद के रूप में हुई है जबकि राहुल नाम का एक रिश्तेदार घायल हुआ है। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे साकेत के एक निजी अस्पताल से प्राप्त हुई, जहां सीआर पार्क स्थित तारा अपार्टमेंट के तीन लोगों को उनके रिश्तेदारों ने भर्ती कराया था।

एसआईआर प्रक्रिया जनता के खिलाफ षडयंत्र : कुरैशी

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त बोले- यह प्रक्रिया असंवैधानिक और लोकतंत्र का मखौल

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने देश भर में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे असंवैधानिक और जनता के खिलाफ षड्यंत्र करार दिया। मानवाधिकार संगठन जनहस्तक्षेप की ओर से प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में 'सिलेक्टिंग द इलेक्टर्सः मॉकरी ऑफ डेमोक्रेसी' विषय पर आयोजित सेमिनार में कुरैशी ने कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची और चुनाव संबंधी कानूनों के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है।

कुरैशी ने स्पष्ट किया कि वोटर लिस्ट में नाम होना और मतदान का अधिकार

नागरिकों का संवैधानिक हक है, यह सरकार या चुनाव आयोग की कोई मेहरबानी या चैरिटी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया अपारदर्शी है और इसके जरिए नागरिकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा, चूंकि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियां अधूरी और त्रुटिपूर्ण हैं, इसलिए वहां पुरानी सूचियों पर ही मतदान कराना चाहिए।

प्रस्ताव: बंगाल समेत पूरे देश में रोका जाए एसआईआर

सेमिनार में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल सहित देश भर में एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए और 2025 की सूची के आधार पर मतदान का अधिकार दिया जाए। एक अन्य प्रस्ताव में कहा गया है कि चुनाव आयोग का कार्य मतदाता सूची में नाम जोड़ना है, वह नागरिकता संबंधी दस्तावेजों की जांच कर गृह मंत्रालय का काम अपने हाथ में न ले और जिन मतदाताओं के नाम काटे गए हैं और जिनकी अपील लंबित है, उन्हें तत्काल मतदान की अनुमति दी जाए अन्यथा चुनाव बेमानी होंगे।

सेमिनार में उपस्थित बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं ने एक सुर में एसआईआर को तत्काल समाप्त करने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी शब्द के नाम पर लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है, जो कि चिंताजनक है।

कॉर्पोरेट के लिए सस्ता श्रम बनाने की साजिश: जनहस्तक्षेप के सहसंयोजक अनिल दुबे ने कहा कि एसआईआर को परिसीमन और एक राष्ट्र-एक चुनाव से जोड़कर देखाना चाहिए, जिसका उद्देश्य करोड़ों गरीबों को मताधिकार से वंचित कर उन्हें केवल कॉर्पोरेट के लिए सस्ता श्रम बनाकर रखना है।

पहलगाम में सुरक्षा के लिए अब क्यूआर पहचान प्रणाली

पहलगाम, एजेंसी

जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए एक विशिष्ट क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली शुरू की है। पहलगाम पिछले साल लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के हमले से 26 लोगों के मारे जाने के बाद दहल गया था।

अधिकारियों के मुताबिक इस प्रणाली से वास्तविक और पंजीकृत सेवा प्रदाताओं का आसानी से सत्यापन हो सकेगा, जिसमें

• पिछले साल हुए आतंकवादी हमले में पर्यटकों की मौत से सबक लेते हुए प्रशासन ने लागू किए सुरक्षा उपाय

व्यापारिक प्रतिष्ठान और बाहरी विक्रेता शामिल हैं। इस पहल को लोकप्रिय पर्यटन रिसॉर्ट में आने वाले लोगों का भरोसा वापस लाने के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जहां पिछले साल 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। एक अधिकारी ने कहा, हर सेवा प्रदाता की पुलिस ने जांच की है, अधिकारियों ने उसे पंजीकृत किया है और उसे एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया गया है जिसमें उस व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी और अन्य विवरण होगा।

अधिकारियों ने कहा कि जब पर्यटक अपने फोन से कोड स्कैन करते हैं, तो वे उस व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी देख सकते हैं। यह पहल उचित और पंजीकृत पहचान प्रणाली के रूप में कार्य करती है जो धोखाधड़ी को रोकेगी और सुनिश्चित करेगी कि कोई अनधिकृत व्यक्ति पर्यटन से जुड़े होने का दावा न कर रहा है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इससे सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव **महासंग्राम**

ममता को हटाएं वर्ना हमसे बंगाल छीन लेंगे बांग्लादेशी मुसलमान : हिमंत

कोलकाता, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार पर राज्य के संसाधनों को बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के हवाले करने का आरोप लगाया। उन्होंने शनिवार को कहा कि ममता को सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल को गंवा देंगे।

श्रीशर्मा ने कालिम्पोंग में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि असम और त्रिपुरा की भाजपा सरकारों ने बांग्लादेशी मुसलमानों को भारत में घुसने से रोका है, जबकि बंगाल में अवैध घुसपैठ जारी है। उन्होंने कहा- ममता बनर्जी ने बंगाल का पूरा खजाना बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के लिए आरक्षित

• असम के मुख्यमंत्री ने कालिम्पोंग में जनसभा में लोगों की अपील

कर दिया है। उन्होंने वोट के लिए इस भूमि को बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दिया। आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से बनर्जी ने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है।

हमें ममता बनर्जी को बंगाल के मुख्यमंत्री पद से हटाना होगा, अन्यथा एक दिन बांग्लादेशी मुसलमान हमसे यह राज्य छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे ही बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी, हम इस क्षेत्र से सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर कर देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में सत्ता में आने पर गोरखालैंड मुद्दे का संवैधानिक समाधान तलाशेगी और गोरखाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी।

शर्मा ने कूचबिहार के दिनहाटा में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए इस बात का जिक्र किया कि तृणमूल कांग्रेस ने उनके खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने उन पर बनर्जी के खिलाफ सांप्रदायिक रंग वाली, भड़काऊ और विभाजनकारी टिप्पणियां करने का आरोप लगाया है।

सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है.. बंगाल में बोले योगी आदित्यनाथ

कूच बिहार/जलपाईगुड़ी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के माथाभांगा और धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को लेकर कड़ा प्रहार किया और राज्य की ममता बनर्जी सरकार को घेरते हुए कहा कि "सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले विधेयक को पास नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि यह देश की आधी आबादी का अपमान है और इसे महिलाएं कभी स्वीकार नहीं करेंगी। योगी ने टीएमसी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी केवल मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करती है और अन्य वर्गों की अनदेखी करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था कमजोर है, उद्योग बंद हो रहे हैं और बेरोजगारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहा और टीएमसी के गुंडे संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

कोलकाता में हथियार बरामद, एक हिरासत में

कोलकाता, एजेंसी। विधानसभा के लिए दो चरणों में होने वाले मतदान से कुछ दिन पहले कोलकाता पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने शहर में हथियार और गोली-बारूद का जखीरा बरामद कर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसटीएफ के कर्मियों ने संदेह के आधार पर राजा बाजार साइंस कॉलेज के पास एक बस स्टैंड के निकट बैग लेकर जा रहे एक व्यक्ति को रोका। तलाशी के दौरान उसके पास से 'सिंगल-शॉट' वाले छह आग्नेयास्त्र और 14 कारतूस बरामद किए गए।

भाजपा का पतन शुरू हो गया : ममता

• महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक पारित नहीं होने पर चुनावी रैली में बोलीं मुख्यमंत्री

हावड़ा, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को संसद के निचले सदन में पारित करने में विफल रहने के बाद भाजपा का पतन शुरू हो गया है। हावड़ा के उलुबेरिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा पराजित हो चुकी है और केवल अपने सहयोगियों के समर्थन से ही सत्ता में बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का पतन शुरू हो गया है। हमने भाजपा को हरा दिया है। उनके पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। वे दूसरों के समर्थन से सत्ता में बने हुए हैं। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनावों से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक

पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करतीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया था। परिसीमन के लिए भाजपा के दबाव बनाने को लेकर, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि वह (भाजपा) देश को बांटना चाहती है। अपनी पार्टी द्वारा महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि तृणमूल की लोकसभा में 36 प्रतिशत और राज्यसभा में 46 प्रतिशत सदस्य महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसी कोई दूसरी पार्टी नहीं है। भाजपा को हमसे सीखना चाहिए। मैं 1998 से महिला आरक्षण के लिए संघर्ष कर रही हूं।

बंगाल में पत्रकारों को 5,000 रुपये मासिक भत्ता देंगे: भाजपा

कोलकाता, एजेंसी। भाजपा ने शनिवार को घोषणा की कि पार्टी अगर पश्चिम बंगाल में सत्ता में आयी तो वह राज्य में पत्रकारों के लिए 5,000 रुपये का मासिक भत्ता शुरू करेगी। कोलकाता प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि इस योजना का लाभ सभी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मिलेगा। भट्टाचार्य ने कहा- पत्रकारों में भेदभाव नहीं होगा, यह योजना पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले सभी लोगों पर लागू होगी।

उदयनिधि ने केंद्र पर लगाया तमिलनाडु को अनुदान नहीं देने का आरोप

गोबिचेट्टीपलायम,एजेंसी। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राज्य के लिए अनुदान जारी नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि उसने तमिलनाडु के अधिकारों को छीन लिया है। पश्चिमी इरोड जिले के गोबिचेट्टीपलायम में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा शाखा के प्रमुख स्टालिन ने दावा किया कि केंद्र ने शिक्षा के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की राशि जारी नहीं की है। स्टालिन कहा कि उन्होंने (केंद्र सरकार ने) हमारे सभी अधिकार छीन लिए हैं।

केंद्र के परिसीमन प्रस्ताव के संबंध में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन देश में इस कदम के खिलाफ आवाज उठाने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने यह दावा भी किया कि लोकसभा में विपक्ष के विरोध के कारण बहुमत न मिलने से विधेयक खारिज हो गया, जो ''इंडिया'' गठबंधन के लिए बड़ी जीत है।

तृणमूल के अलावा किसी भी अन्य पार्टी को वोट देना भाजपा को वोट देने के बराबर : अभिषेक बनर्जी

मुर्शिदाबाद, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को यहां एक चुनावी रैली में कहा कि तृणमूल के अलावा किसी भी पार्टी को वोट देना भाजपा को वोट देने के बराबर है। मुर्शिदाबाद, ऐतिहासिक रूप से कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है। उन्होंने फरक्का में रोड शो के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि जहां भाजपा कांग्रेस को तोड़ रही है, वहीं तृणमूल जमीनी स्तर पर भाजपा के प्रभाव को कम कर रही है। बनर्जी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। दावा किया कि पिछले दो वर्षों में कांग्रेस का कोई भी सांसद या प्रतिनिधि जनता की मांगों को पूरा करने के लिए उनके साथ खड़ा नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर और केंद्रीय एजेंसियां, भाजपा की तीन एजेंसियां हैं, जो इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि जहां गरीब और अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं विपक्षी दल समुदाय की भावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं।

आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध लाभ 9% बढ़ा

मुंबई। मार्च 2026 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध लाभ 9.28 प्रतिशत बढ़कर 14,755 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले वर्ष की इसी अवधि में उसने 13,502 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

अमृत विचार
बरेली, रविवार, 19 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अक्षय तृतीया पर ओला इलेक्ट्रिक ने की 50,000 तक के लाभ की पेशकश

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने शनिवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर 'ओला सोना वीकेंड' पेशकश की घोषणा की है, जिसके तहत कंपनी अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो पर ग्राहकों को 50,000 रुपये तक के लाभ दे रही है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत के सबसे शुभ त्योहारों में से एक के उपलक्ष्य में ग्राहकों के पास ''ओला सोना'' जीतने का अवसर भी होगा। यह एक सीमित संस्करण वाला स्कूटर है जिसमें असली 24 कैरेट सोने की परत वाले तत्व लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने बताया कि वह अपने जेन 3 एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) को मात्र 49,999 रुपये में उपलब्ध करा रही है। साथ ही, पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो पर ग्राहकों को अधिकतम 50,000 रुपये तक के लाभ भी दिए जा रहे हैं। ये ऑफर केवल 18 और 19 अप्रैल को ही मान्य हैं।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ 8% बढ़कर 20,351 करोड़ पर

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को बताया कि बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 8.04 प्रतिशत बढ़कर 20,350.76 करोड़ रुपये रहा। मुंबई मुख्यालय वाले इस बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 18,834.88 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था। देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता का चौथी तिमाही का एकल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 9.11 प्रतिशत बढ़कर 19,221.05 करोड़ रुपये हो गया। इससे पिछली दिसंबर 2025 तिमाही में बैंक ने 18,653.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

एसुस के ड्रॉप जोन नेटवर्क में अब 22 और स्टोर शामिल

मुंबई। एसुस इंडिया ने उसकी ड्रॉप जोन पहल को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया के मद्देनजर इस कार्यक्रम का विस्तार 22 अतिरिक्त स्टोर्स तक कर दिया है। ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए शुरू की गयी ड्रॉप जोन पहल के तहत ग्राहक अब सर्विस के लिए अपने लैपटॉप सीधे एसुस एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर जमा कर सकते हैं। ताइवानी कंपनी एसुस की भारतीय इकाई की शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह विस्तार खास तौर पर ग्राहकों की पहुंच, सर्विसिंग में लगने वाले समय और ट्रैकिंग से जुड़ी परेशानियों को कम करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से उभरते शहरों में। दूसरे चरण के तहत ड्रॉप जोन नेटवर्क का विस्तार दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में किया गया है।

12,980 करोड़ की सॉवरेन गारंटी समुद्री जोखिमों से कवर रहेंगे जहाज

केंद्र सरकार ने 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस कोष' बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शनिवार को लगातार समुद्री बीमा कवरेज की सुविधा के लिए 12,980 करोड़ रुपये की सॉवरेन गारंटी के साथ एक घरेलू बीमा योजना 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस कोष' (बीएमआई कोष) बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

यह कोष सुनिश्चित करता है कि भारतीय व्यापार को किसी भी अंतरराष्ट्रीय मूल से भारतीय बंदरगाहों तक और इसके विपरीत माल ले जाने वाले जहाजों के लिए सस्ती बीमा सुविधा मिलती रहे, भले ही वे अस्थिर समुद्री गलियारों से गुजर रहे हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।

सरकार ने भारतीय ध्वज वाले या भारतीय नियंत्रण वाले जहाजों, अथवा भारत आने वाले या भारत से जाने वाले जहाजों के लिए सॉवरेन गारंटी द्वारा समर्थित भारत समुद्री बीमा कोष के गठन को मंजूरी दी है।

- भारत समुद्री बीमा कोष भारतीय ध्वज वाले और भारत के नियंत्रण वाले जहाजों के लिए होगा : अश्विनी वैष्णव
- विदेशी बीमा कंपनियों पर कम होगी हमारी निर्भरता और हम विदेशी मुद्रा को बाहर जाने से भी रोक सकेंगे

वैष्णव ने कहा कि भारत समुद्री बीमा कोष भारतीय ध्वज वाले जहाजों और भारत के नियंत्रण वाले जहाजों के लिए होगा... यह 10 साल के लिए होगा। उन्होंने आगे कहा कि विदेशी बीमा कंपनियों पर हमारी निर्भरता कम होगी और हम विदेशी मुद्रा को बाहर जाने से भी रोक सकेंगे। यह कोष सभी तरह के समुद्री जोखिमों को कवर करेगा। बीमा पॉलिसियां उन बीमाकर्ताओं द्वारा जारी की जाएंगी, जो इस कोष की सदस्य होंगी।

इसके लिए कोष की संयुक्त अंडरराइटिंग क्षमता का उपयोग किया जाएगा, जो लगभग 950 करोड़ रुपये होगी। बयान में कहा गया कि यह घरेलू बीमा कोष वैश्विक अस्थिरता और भू-राजनीतिक अस्थिरता की चुनौतियों से निपटेगा और भारतीय जहाजों की बाहरी बीमा निर्भरता को कम करेगा।

वैश्विक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है, जिससे माल और जहाजों के नुकसान का जोखिम बढ़ गया है। इसके चलते बीमा लागत बढ़ी है और बीमा की हर वक्त उपलब्धता को लेकर भी अनिश्चितता पैदा हुई है। बयान में कहा गया कि ऐसे हालात में प्रतिबंधों या भू-राजनीतिक तनाव के कारण व्यापार की निरंतरता और संप्रभुता बनाए रखने के लिए समुद्री जोखिम से संबंधित एक घरेलू कोष की आवश्यकता थी।

अक्षय तृतीया : 18 हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद, डिजिटल गोल्ड का बढ़ा रुझान

- पेटीएम 12000 पिनकोड्स पर कर रहा गोल्ड डिलीवरी सर्विस

कारोबार डेस्क

अमृत विचार : अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर सोना खरीदना भारतीय परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इस वर्ष 19 अप्रैल को मनाए जा रहे इस पर्व को लेकर बाजार में पहले से ही उत्साह दिखाई दे रहा है। उद्योग अनुमानों के अनुसार, इस साल देशभर में कुल कारोबार 15,000 से 18,000 करोड़ तक पहुंच सकता है।

डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम ने ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अपनी गोल्ड डिलीवरी सर्विस का विस्तार किया है। अब यूजर्स अपने डिजिटल गोल्ड को 24 कैरेट फिजिकल गोल्ड कॉइन में बदलकर देशभर के 12,000 से अधिक पिन कोड्स पर घर मंगा सकते हैं। इससे डिजिटल निवेश को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एक साल में 55% का उछाल

सोने की कीमतों में पिछले एक साल में जबरदस्त तेजी देखी गई है। 30 अप्रैल 2025 (अक्षय तृतीया) को 24 कैरेट सोना करीब 97,910 प्रति 10 ग्राम था, जो 17 अप्रैल 2026 तक बढ़कर लगभग 1,51,358 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। यानी करीब 55% की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले साल अक्षय तृतीया पर कुल कारोबार करीब 16,000 करोड़ रहा था। इसमें सोने की बिक्री लगभग 12,000 करोड़ और चांदी की करीब 4,000 करोड़ रही।

खरीदारी का बदला ट्रेंड

इस बार ऊंची कीमतों के चलते ग्राहक भारी ज्वेलरी के बजाय हल्के गहनों, सिक्कों और डिजिटल गोल्ड की ओर झुक रहे हैं। वहीं, चांदी में अपेक्षाकृत कम कीमत और बेहतर रिटर्न की उम्मीद के कारण मांग बढ़ सकती है। रियल एस्टेट और वाहन सेक्टर में भी पारंपरिक निवेश देखने को मिल सकता है, लेकिन मुख्य फोकस अभी भी सोना-चांदी पर ही बना हुआ है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल खरीदारी की मात्रा पर थोड़ा असर पड़ सकता है, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण कुल कारोबार मूल्य स्थिर या बढ़ा हुआ रह सकता है।

सर्राफा बाजार में फिर लौटी रौनक

बरेली। अक्षय तृतीया पर सर्राफा बाजार में फिर से उत्साह देखने को मिला। सर्राफा व्यापारी रामकुमार ने बताया कि अब ग्राहक भारी गहनों की बजाय छोटे निवेश विकल्पों जैसे गोल्ड कॉइन, हल्के डिजाइन वाले गहने और चांदी के उपयोगी सामान को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, अनिल पाटिल का कहना है कि इससे हर वर्ग के ग्राहकों की भागीदारी बढ़ी है। व्यापारी संजीव अवतार ने बताया कि अक्षय तृतीया को लोग अब सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि भविष्य के लिए निवेश के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

तेल और गैस की खोज को डेटा आधारित करने की दिशा में बढ़ा भारत: पुरी

नयी दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत की ओर से खनिज तेल और गैस के क्षेत्र में डेटा (सूचना) और उसमें भागीदारी को प्रोत्साहित किये जाने के कदमों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत अंधेरे में हाथ मारने की जगह, सूचना आधारित खोज के लिए तैयार है।

उन्होंने समुद्र मंथन - राष्ट्रीय अपतटीय मिशन के तहत विस्तारित उत्खनन एजेंडा के संदर्भ में हाइड्रोकार्बन (खनिज तेल-गैस) महानिदेशालय (डीजीएच) द्वारा आयोजित डेटा संचालित उत्खनन पर एक सम्मेलन को लेकर सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत अब उत्खनन के क्षेत्र में अंधेरे में खोज करने के दौर से आगे बढ़ रहा है और डेटा के आदान प्रदान के एक साहसिक बहु-ग्राहक मॉडल को अपना रहा है जिसमें अधिकाधिक लोगों को सूचनाओं की व्याख्या करने, नवाचार करने और खोज करने का अवसर मिलता है।

- डेटा के आदान-प्रदान के लिए अपनाया जा रहा साहसिक बहु-ग्राहक मॉडल

उन्होंने कहा कि इससे उत्खनन एवं उत्पादन को अनिश्चितता के क्षेत्र के रूप में माने जाने वाले दृष्टिकोण में निर्णायक रूप से बदलाव आ रहा है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि समुद्र मंथन के साथ, ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज को पूरा करने के लिए खुलेपन, सहयोग और अत्याधुनिक विज्ञान के माध्यम से भारत की विशाल अपतटीय क्षमता को सामने लाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में 6,500 रुपये प्रति टन पर आलू खरीद को मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में 6,500.90 रुपये प्रति टन के बाजार हस्तक्षेप मूल्य पर 20 लाख टन आलू की खरीद को मंजूरी दी है। इस पर सरकारी खजाने से 203.15 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह कदम विभिन्न राज्यों में किसानों को मजबूरी में कम दाम पर फसल बेचने से बचाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

फर्स्ट फ्लश चाय ने हासिल की 27,000 रुपये प्रति किलो की कीमत

गंगटोक। सिक्किम के सरकारी स्वामित्व वाले टेमी टी एस्टेट की 'फर्स्ट फ्लश' ऑर्गेनिक चाय ने चालू सत्र में 27,000 रुपये प्रति किलोग्राम की रिकॉर्ड कीमत हासिल की है। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार अपनी कोमल सुगंध और उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध फर्स्ट फ्लश चाय की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत मांग की उम्मीद है। प्रारंभिक खेपों की खुली बोली में खरीददारों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जबकि बाद की खेपों में भी अच्छा उत्साह देखा जा रहा है।

निवेश की पाठशाला

लोन गारंटर बनने के बड़े खतरे ...

कारोबार डेस्क

किसी लोन का गारंटर बनना सिर्फ गवाही नहीं, बल्कि कानूनी जिम्मेदारी है यानी कानूनी तौर पर कर्ज आपके सिर पर आ जाता है। यदि कर्जदार चूक जाता है, तो बैंक लोन की वसूली आपसे करेगा। आपकी जमा पूंजी या संपत्ति भी जोखिम में हैं। किस्त चुकने में छोटी देर भी आपके क्रेडिट स्कोर को नुकसान पहुंचा सकती है और भविष्य में स्वयं को लोन मिलना कठिन हो सकता है। आइए समझते हैं गारंटर बनने के बाद आपके सामने क्या चुनौतियां आ सकती हैं-

लाभ किसी का, जिम्मेदारी आपकी

- किसी व्यक्ति के लोन यानी कर्जे का गारंटर बनने का सीधा अर्थ है कि यदि कर्ज लेने वाला व्यक्ति ऋण चुकाने में किसी कारण विफल रहता है तो उस पूरे कजर् की वसूली बैंक आपसे करने के लिए अधिकृत है। बैंक को इससे कोई सरोकार नहीं कि लोन का पैसा आपने इस्तेमाल किया है या नहीं। यदि कर्जदार भाग गया या मुकर गया, तो बैंक आपका दरवाज खटखटाएगा। आपका वेतन, पेंशन, जमा पूंजी और यहां तक कि अचल संपत्ति भी इस वसूली की चपेट में आ सकती है।

ध्यान दें

- **बहुत क्रेडिट स्कोर पर प्रहार :** अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि यदि मुख्य कर्जदार किस्त चुकाने में एक दिन की भी देरी करता है, तो उसका बुरा असर आपके क्रेडिट प्रोफाइल पर भी पड़ता है।
- **भविष्य के रास्ते बंद :** यदि कभी आपको स्वयं किसी काम के लिए धन की आवश्यकता पड़ी, तो बैंक आपको ऋण देने से मना कर सकता है, क्योंकि आप पहले ही किसी और के द्वारा लिए गये कर्ज के लिए उत्तरदायी हैं।
- **साख में गिरावट :** कर्जदार की एक चूक आपके वर्षों से बनाए गए वित्तीय सम्मान को मिट्टी में मिला सकती है।
- **कानूनी पचड़े और मानसिक तनाव :** हम सबको जीवन में शांति और अच्छे स्वास्थ्य की जरूरत होती है। लेकिन जब कोई लोन डिफाल्ट होता है तो अदालती नोटिस और वसूली एजेंटों के चक्कर आपको मानसिक रूप से तोड़ सकते हैं।

कानूनी कार्रवाई और रिश्ते

- **कानूनी कार्रवाई :** कर्ज देने वाला बैंक कर्जदार के साथ आपके विरुद्ध भी मुकदमा चला सकता है।
- **रिश्तों में खटास :** रिश्तों के बीच जब पैसे का लेनदेन आ जाता है तो रिश्ते बिगड़ने का अंदेशा रहता है। अगर मामला कर्ज का हो तो जिस अपने की मदद के लिए आप गारंटर बने थे, वही व्यक्ति आपका सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

इमरजेंसी फंड पर संकट

- हम सभी अपने कठिन समय, बीमारियों और आकस्मिक खर्चे के लिए एक इमरजेंसी फंड बनाकर रखते हैं। लेकिन यदि पूंजी का बड़ा हिस्सा किसी और का कर्ज चुकाने में चला गया, तो आप अपने उपचार और अन्य किसी आपात स्थिति के लिए दूसरों पर निर्भर हो सकते हैं।

काम की बात

- नियम-शर्तों को समझकर ही गारंटर बनें। बल्कि गारंटर बनने के बजाय कर्जदार को बीमा कराने की सलाह दें, ताकि उसकी अनुपस्थिति में बीमा कंपनी कर्ज का बोझ उठाए।
- मदद करना धर्म है, लेकिन यदि आपका मन गवाही नहीं दे रहा, तो विनम्रता से 'ना' कहें।

अमेरिकी मामले में एसईसी और अडानी ने संयुक्त रूप से की समय बढ़ाने की मांग

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) तथा भारतीय व्यवसायी गौतम अदाणी और सागर अदाणी ने एक सिविल प्रतिभूति मामले में महत्वपूर्ण जवाब दाखिल करने के लिए अमेरिकी अदालत से अधिक समय देने का संयुक्त अनुरोध किया है। साथ ही दोनों पक्षों ने प्रस्तावों और जवाबों के लिए एक संशोधित समय-सारणी प्रस्तावित की है।

न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला अदालत के समक्ष दायर एक याचिका में दोनों पक्षों ने कहा कि उन्होंने अदालत के सात अप्रैल के निर्देश के अनुरूप विचार-विमर्श किया है और एक नई समय-सीमा पर सहमति जताई है। इसे न्यायाधीश निकोलस जी गरौफिस के पास मंजूरी के लिए पेश किया गया है। एसईसी ने नवंबर 2024 में अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर पर मुकदमा दायर किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने भारत के सरकारी अधिकारियों से जुड़ी एक कथित रिश्वतखोरी योजना का खुलासा न करके निवेशकों को गुमराह किया।

गौतम अदाणी और सागर अदाणी ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए अपने वकीलों के माध्यम से सात अप्रैल को 30 अप्रैल के नियोजित प्रस्ताव से पहले एक 'प्री-मोशन लेटर' दायर किया। इसमें धोखाधड़ी के मुकदमे को खारिज करने की मांग की गई।

ओडिशा में की जाएगी राज्य रूपांतरण पहल संस्थान की स्थापना

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि वह राज्य रूपांतरण पहल संस्थान (एसआईटीआई)' नामक एक नई संस्था स्थापित करेगी। यह संस्था एक नीति विचार मंच के रूप में काम करेगी और साक्ष्य आधारित शासन, नवाचार तथा विभिन्न क्षेत्रों के बीच समन्वय को बढ़ावा देगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने वित्त वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करते समय इस संस्था के गठन का प्रस्ताव रखा था। सरकारी बयान में कहा गया कि एसआईटीआई राज्य सरकार का शीर्ष नीति अनुसंधान और रणनीतिक सलाहकार निकाय होगा, जो 'समृद्ध ओडिशा 2036' और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के अनुरूप कार्य करेगा।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 15,200 से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण किया

नयी दिल्ली, एजेंसी

एचडीएफसी बैंक की सीएसआर पहल एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने कहा कि उसने पूरे भारत में कुल मिलाकर 15,289 से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण और जीर्णोद्धार किया है।

इससे 10,430 से अधिक गांवों के 14.92 लाख परिवारों को मदद मिली है। बैंक ने एक बयान में कहा कि उसके स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रम के तहत सामुदायिक शुद्धिकरण प्रणालियों के माध्यम से 950 से अधिक गांवों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इसमें कहा गया कि बैंक ने विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कृषि तालाबों, चेक डैम, विकेंद्रीकृत वितरण के लिए जलमीनार और स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा घरों में वर्षा जल संचयन प्रणालियों सहित जल संपत्तियों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण और जीर्णोद्धार किया है। बयान में आगे कहा गया कि मध्य भारत में वाटर पहल के माध्यम से लिफ्ट सिंचाई और पुनर्भरण कुओं ने आदिवासी कृषि समुदायों के लिए पहुंच का विस्तार किया है। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन हर संरचनात्मक निवेश के साथ कृषि सहायता भी प्रदान करता है।

वैश्विक संकेतों से शेयर बाजार को रहा सहारा

कारोबार डेस्क

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों, मजबूत होते रुपये और कच्चे तेल की नरम कीमतों ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार को सहारा दिया। इन सकारात्मक वैश्विक संकेतों से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और बाजार में खरीदारी का माहौल बना। सप्ताह के अंत तक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों में करीब 0.65 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सकारात्मक रहा रुख

पूरे सप्ताह बाजार का रुख सकारात्मक रहा। एफएमसीजी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में एक से तीन प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। इसके विपरीत, आईटी सेक्टर अपेक्षाकृत कमजोर बना रहा। व्यापक स्तर पर खरीदारी के चलते विभिन्न सेक्टर्स में मजबूती देखने को मिली।

बड़े सूचकांकों की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में करीब 1.27 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स में लगभग 1.48 प्रतिशत की तेजी आई। यह बाजार में बढ़ती भागीदारी और निवेशकों के जोखिम लेने के रुझान को दर्शाता है।

निवेशकों का बदलता रुख

निवेश प्रवाह की बात करें तो विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने लगातार बिकवाली के बाद सप्ताह के अंतिम तीन सत्रों में खरीदारी की, हालांकि कुल मिलाकर करीब 250 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी रही। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (DII) सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली करते नजर आए और लगभग 6,300 करोड़ रुपये निकाले।

सतर्क आशावाद

कुल मिलाकर, बेहतर वैश्विक संकेत, कच्चे तेल की नरम कीमतें और संतुलित निवेश प्रवाह ने बाजार में सतर्क आशावाद का माहौल बनाया है। फिलहाल गिरावट का जोखिम सीमित नजर आ रहा है, जबकि धीरे-धीरे तेजी की संभावनाएं मजबूत होती दिख रही हैं।

विशेषज्ञों की राय

विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह बाजार में धीरे-धीरे लेकिन स्थिर रिकवरी देखने को मिली। वैश्विक माहौल में सुधार और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों के सेंटिमेंट को मजबूती दी। हालांकि सतर्कता बनी हुई है, लेकिन गिरावट पर खरीदारी बाजार को सहारा दे रही है।

उपलब्धि | मैकिन्से एंड कंपनी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

अमेरिका के 40% स्मार्टफोन बाजार पर भारत का कब्जा

नई दिल्ली: वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार में भारत तेजी से उभरती ताकत बनकर सामने आ रहा है। यह खुलासा मैकिन्से एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में हुआ है।

कंपनी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका जिन स्मार्टफोन्स का आयात पहले चीन से करता था, उनमें से लगभग 40% की आपूर्ति अब भारत से हो रही है। यह बदलाव भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जो उसकी बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत होती स्थिति को दर्शाता है।

रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका ने अपनी आयात निर्भरता को चीन से हटाकर अन्य देशों की ओर मोड़ना शुरू कर दिया है। करीब 80 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के सामान के लिए अमेरिका ने वैकल्पिक स्रोत खोज लिए हैं, जिनमें भारत और एशियाई देशों की भूमिका अहम रही है।

- अमेरिका पहले चीन से करता था आयात
- उसमें से 40 प्रतिशत अब भारत करता है आपूर्ति
- भारत की औद्योगिक क्षमता और लॉजिस्टिक दक्षता का लोहा मान रही दुनिया

भारत ने विशेष रूप से स्मार्टफोन निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। अमेरिका जैसे दूरस्थ बाजार (करीब 13,000 किलोमीटर दूर) तक इतनी बड़ी मात्रा में निर्यात करना भारत की औद्योगिक क्षमता और लॉजिस्टिक दक्षता को दर्शाता है। आज स्मार्टफोन भारतीय निर्यात का प्रमुख चेहरा बन चुके हैं।

इस सफलता के पीछे एपल जैसी वैश्विक कंपनियों की भारत में बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग भी एक महत्वपूर्ण कारण है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्मार्टफोन सेक्टर ने भारत के निर्यात को नई दिशा दी है और इसे गेमचेंजर की भूमिका में स्थापित किया है।

दूसरी ओर, भू-राजनीतिक कारणों से अमेरिका चीन पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है। एशियाई देशों ने अमेरिका के उन लगभग दो-तिहाई लैपटॉप आयात की जगह ले ली है, जो पहले चीन से आते थे। 2025 में मंदी की आशंकाओं के बावजूद वैश्विक व्यापार मजबूत बना रहा, और अमेरिकी आयात व चीनी निर्यात दोनों ने नए रिकॉर्ड बनाए। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि विकसित देश और चीन अब दूरस्थ देशों के साथ व्यापार कम कर रहे हैं, जबकि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ा रही हैं। इस बदलते व्यापारिक परिदृश्य में भारत की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है, जो आने वाले समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसकी स्थिति को और सुदृढ़ करेगी।

वेदांता के चेयरमैन के समर्थन में आए नवीन जिंदल

नयी दिल्ली, एजेंसी। उद्योगपति नवीन जिंदल ने शनिवार को छत्तीसगढ़ बॉयलर विस्फोट मामले में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का समर्थन करते हुए कहा कि मामले की पहले जांच होनी चाहिए और साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

वेदांता विद्युत संयंत्र में 14 अप्रैल को हुए विस्फोट में 23 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी में अनिल अग्रवाल का नाम भी शामिल किया गया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में जिंदल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की यह त्रासदी बेहद पीड़ादायक है। 20 परिवारों ने सब कुछ खो दिया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारतीय हज यात्रियों का पहला जत्था सऊदी अरब पहुंचा

जेद्दा। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि वार्षिक हज यात्रा के तहत भारतीय हज यात्रियों का पहला जत्था शनिवार को सऊदी अरब पहुंच गया। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा, भारतीय हज यात्रियों के पहले जत्थे का मदीना हवाई अड्डे पर भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान और महावाणिज्यदूत फहद सूरी तथा हज मंत्रालय के उप मंत्रियों प्रोफेसर अब्दुलअजीज ए. वज्जान और इंजीनियर अयाद अब्दुल रहमान रहबिनी और अन्य वरिष्ठ सऊदी अधिकारियों ने स्वागत किया। दूतावास ने बताया कि खान ने मदीना हवाई अड्डे पर सुविधाओं का निरीक्षण किया और हज यात्रियों की सहायता कर रहे भारतीय समुदाय के स्वयंसेवकों से मुलाकात की।

आईआईटी खड़गपुर के परिसर में छात्र का लहूलुहान शव मिला

कोलकाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईटीआई) खड़गपुर के 21 वर्षीय एक छात्र का शव परिसर में खून से लथपथ मिला। मृतक की पहचान अहमदाबाद निवासी इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र जयवीर सिंह डोरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने परिसर में अटल बिहारी वाजपेयी हॉल के निकट सुबह में छात्र का शव पड़ा पाया और इसके बाद उन्होंने संस्थान के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। छात्र को तुरंत बीसी रॉय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि छात्र ने छात्रावास की इमारत की आठवीं मंजिल से छलांग लगाई होगी। पोस्टमॉर्टम के बाद मौत के सटीक कारण का पता चल सकेगा।

सीबीआई ने रिश्वत ले रहे दिल्ली के डाक अधीक्षक को दबोचा

नई दिल्ली। सीबीआई ने शनिवार को राजधानी में एक डाक अधीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। डाक अधीक्षक ट्रांसफर रोकने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत ले रहा था। एजेंसी ने बताया कि उसने 17 अप्रैल को मामला दर्ज किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने शिकायतकर्ताओं से दूसरी शाखा में स्थानांतरण को रोकने और उनकी छुट्टी मंजूर करने के लिए 20,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोपी ने इसमें से 10,000 रुपये का भुगतान स्वीकार करने पर सहमति जताई थी। जेंसी ने उसी दिन जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दबोच लिया।

अमेरिका के शीर्ष 10 वैज्ञानिक लापता, जांच के आदेश

कई वैज्ञानिकों की अचानक हो गई मौत, नहीं पता चल पाया मृत्यु का कारण

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतरिक्ष, रक्षा और दूसरे ग्रहों पर जीवन से संबंधित जानकारी रखने वाले करीब 10 शीर्ष अमेरिकी वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं की मृत्यु या लापता होने से विवाद खड़ा हो गया है, जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं।

इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को प्रमुख वैज्ञानिकों की मृत्यु और लापता होने के बारे में जानकारी दी गई। ट्रंप ने इन वैज्ञानिकों के साथ हुई घटनाओं को काफी गंभीर मामला बताया और कहा कि जिन वैज्ञानिकों के लापता होने या मृत्यु की खबरें आई हैं, उनमें से कुछ बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि प्रशासन सभी संबंधित एजेंसियों और एफबीआई के साथ मिलकर सभी

रहस्यमय गुमशुदगी, अचानक मौत और हत्या की घटनाएं बनीं गुत्थी

सूचनाओं के अनुसार, सबसे पहली मौत जुलाई 2023 में हुई थी। नासा जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के भौतिक विज्ञानी माइकल डेविड हिक्सका 30 जुलाई 2023 को निधन हो गया जो धूमकेतु और क्षुद्रग्रहों के विशेषज्ञ थे। मृत्यु का कारण पता नहीं चला। नोवार्टिस के अनुसंधानकर्ता जेसन थॉमस 12 दिसंबर 2025 को लापता हो गए। उनका शव 17 मार्च 2026 को मैसाचुसेट्स में एक झील से बरामद किया गया। परमाणु भौतिक विज्ञानी और एमआईटी के प्रोफेसर नूनो लौरेइरो की 15 दिसंबर 2025 को बोस्टन के पास उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। लॉस अलामोस के पूर्व कर्मचारी एंथनी चावेज 4 मई 2025 को लापता हो गए। मेलिसा कैसियस 26 जून 2025 को अपने घर से लापता हो गईं। वह लॉस अलामोस राष्ट्रीय प्रयोगशाला में प्रशासनिक सहायक थीं। नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला के अनुसंधानकर्ता फ्रैंक माइवाल्ड का 4 जुलाई 2024 को 61 वर्ष की आयु में लॉस एंजिलिस में निधन हो गया। रेजा जेपीएल की कर्मचारी मोनिका जैसिंटो 22 जून 2025 को लापता हो गईं। कार्ल ग्रिलमायर की 16 फरवरी 2026 को उनके घर के बरामदे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में खगोल भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने नासा के साथ मिलकर काम किया था और बाह्य ग्रहों के आसपास पानी की खोज की थी। सरकारी ठेकेदार स्टीवन गार्सिया को आखिरी बार 28 अगस्त 2025 को अल्बुकर्क स्थित अपने घर से निकलते हुए देखा गया था। गार्सिया ने कंसास सिटी नेशनल सिक्योरिटी कैंपस में संपदा संरक्षक के रूप में काम किया, जो परमाणु हथियारों के लिए गैर-परमाणु घटकों का निर्माण करता है।

चीन, रूस या ईरान के लोगों का हो सकता है हाथ

मिसौरी से रिपब्लिकन सांसद और प्रतिनिधि सभा की एक समिति के सदस्य एरिक बर्लिसन ने कहा कि वैज्ञानिकों के साथ हुई घटनाएं गोपनीय एयरोस्पेस, रक्षा और यूएफओ संबंधी जानकारी तक उनकी पहुंच से जुड़ा है और इसमें चीन, रूस या ईरान के लोगों का हाथ हो सकता है। हमें देश के शीर्ष जांचकर्ताओं, एफबीआई और हर एजेंसी को इस मामले की जांच करने के लिए कहना होगा। गायब हुए कुछ वैज्ञानिकों के बारे में कोई सुराग नहीं है। इनमें वायुसेना के मेजर जनरल विलियम मैक्कलैंड भी शामिल हैं।

ऐतिहासिक समझौता: एक-दूसरे की धरती पर तैनात करेंगे 3,000 सैनिक भारत-रूस

नई दिल्ली/मॉस्को, एजेंसी

भारत और रूस की दशकों पुरानी सामरिक दोस्ती ने आज एक नया इतिहास रच दिया है। दोनों देशों के बीच बहुप्रतीक्षित पारस्परिक रसद सहायता समझौता अब पूरी तरह से प्रभावी हो गया है।

इस समझौते के लागू होने से भारत और रूस के रक्षा संबंधों में वह गहराई आई है, जो अब तक केवल चुनिंदा देशों के बीच देखी गई थी। यह समझौता रणनीतिक रूप से 12 जनवरी 2026 से ही कानूनी रूप से प्रभावी हो गया था, लेकिन शनिवार को रूस के आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल (pravo.gov.ru) पर इस समझौते के विस्तृत नियमों और तैनाती की सीमाओं को सार्वजनिक किया गया है। इन आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, अब दोनों देश एक-दूसरे की सैन्य सुविधाओं का उपयोग एक नए स्तर पर करेंगे।

समझौते की ये हैं पांच प्रमुख शर्तें

- **सैनिकों की संख्या :** भारत और रूस एक-दूसरे की धरती पर किसी भी समय अधिकतम 3,000 सैन्य कर्मियों को तैनात कर सकते हैं।
- **लॉजिस्टिक हब :** भारतीय सेना रूस के आर्कटिक क्षेत्र और व्लादिवोस्तोक जैसे रणनीतिक ठिकानों पर ईंधन भरने और मरम्मत की सुविधा ले सकेगी।
- **नौसैनिक शक्ति :** एक साथ अधिकतम 5 युद्धपोत एक-दूसरे के बंदरगाहों पर मौजूद रह सकते हैं।
- **वायुसेना सहयोग :** समझौते में 10 सैन्य विमानों की एक-दूसरे के एयरबेस पर तैनी की अनुमति।
- **अवधि :** यह समझौता 5 वर्षों के लिए है, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकता है।

चीन और पाकिस्तान की बढ़ी चिंता

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता सीधे तौर पर चीन और पाकिस्तान के लिए एक बड़ा कूटनीतिक संदेश है। रूस के साथ इस स्तर के सैन्य सहयोग से भारत की पकड़ अब हिंद महासागर से लेकर आर्कटिक और प्रशांत महासागर तक मजबूत हो गई है। खास तौर पर भारत के पास मौजूद रूसी मूल के हथियारों जैसे एस-400 मिसाइल डिफेंस और सुखोई जेट्स) के रखरखाव के लिए अब रूस से तकनीकी सहायता और स्पेयर पार्ट्स मिलना बहुत आसान हो जाएगा।

ट्रंप की बयानबाजी ने बिगाड़ा खेल, ईरान का तंज- न युद्ध जीत पाए, न वार्ता में सफल होंगे

गालिबाफ ने लगाया एक घंटे में सात झूठ बोलने का आरोप, बोले- होर्मुज हमारे पूर्ण नियंत्रण में

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बयानबाजी और दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि इस रणनीतिक जलमार्ग पर नियंत्रण पूरी तरह उसके हाथ में है और अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहने पर इसे खुला नहीं रखा जाएगा। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाक़िर गालिबाफ़ ने ट्रंप के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक घंटे में सात दावे किए और सभी झूठे थे। इन झूठों से वे युद्ध नहीं जीत पाए और बातचीत में भी सफल नहीं होंगे।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर दावा किया था कि ईरान ने जलडमरूमध्य को कभी बंद न करने पर सहमति जताई है और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी तब तक जारी रहेगी जब तक ईरान के साथ उसकी बातचीत पूरी नहीं हो जाती। उन्होंने यह भी कहा था कि युद्धविराम वार्ता तेजी से आगे बढ़नी चाहिए। गालिबाफ ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि जलडमरूमध्य से आवाजाही निर्धारित मार्ग और ईरानी अनुमति के तहत ही होगी तथा इसके खुले या बंद रहने का फैसला जमीनी हालात तय करेंगे, न कि सोशल मीडिया। उन्होंने अमेरिका पर सैन्य कार्रवाई के दौरान दुष्प्रचार का सहारा लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि मीडिया युद्ध और जनमत को प्रभावित करना युद्ध का हिस्सा है, लेकिन ईरानी राष्ट्र इससे प्रभावित नहीं होगा। इस बीच ईरान ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी का हवाला देते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को एक बार फिर बंद कर दिया है।

ईरानी सशस्त्र बलों ने कहा कि होर्मुज पर नियंत्रण अपनी पूर्व स्थिति में लौट आया है और यह अब सख्त निगरानी में रहेगा। ईरान के खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने कहा कि पूर्व में सद्भावना के तहत हुई वार्ताओं के अनुसार ईरान ने सीमित संख्या में तेल टैंकरों और वाणिज्यिक जहाजों को नियंत्रित तरीके से गुजरने की अनुमति दी थी। उन्होंने अमेरिका पर समुद्री डकैती और लूट जैसे कृत्यों का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार प्रतिबद्धताओं के उल्लंघन के कारण ईरान ने फिर से कड़ा नियंत्रण लागू कर दिया है।

इजराइल-लेबनान में संघर्षविराम के बाद यहां से विस्थापित हुए लोगों ने लौटना शुरू कर दिया है।

ईरान ने होर्मुज में हमारे टैंकर पर गोलीबारी की: ब्रिटेन

काहिरा। ब्रिटेन की सेना ने शनिवार को कहा कि ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड की दो गनबोट ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर गोलीबारी की। ईरान की ओर से होर्मुज पर प्रतिबंध फिर से लागू करने की घोषणा के बाद यह घटना हुई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन सेंटर ने कहा कि टैंकर को कोई नुकसान नहीं हुआ और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

ट्रंप का एलान- ईरान ने समझौता न किया तो आगे नहीं बढ़ाएंगे संघर्ष विराम

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत से बुधवार तक कोई समझौता नहीं हो पाता है तो वह दोनों देशों के बीच जारी अस्थायी संघर्ष-विराम को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। ट्रंप के इस बयान ने फिर से सैन्य कार्रवाई की आशंका पैदा कर दी है। रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिका और ईरानी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को शांति वार्ता के दूसरे दौर की बैठक में शामिल होने वाले हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की है। ट्रंप ने यह भी भरोसा जताया कि दोनों पक्ष समझौते पर पहुंचने के करीब हैं। इस बीच लेबनान में चल रहे 10 दिवसीय संघर्ष विराम के पहले 24 घंटे काफी हद तक प्रभावी रहे।

ईरान से लौटे आसिम मुनीर

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष को सुलझाने की कोशिशों के तहत पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की ईरान की तीन दिवसीय यात्रा समाप्त हो गई है। मुनीर बुधवार को तेहरान पहुंचे और आठ अप्रैल को ईरान एवं अमेरिका के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते पर सहमति बनने के बाद देश का दौरा करने वाले वह पहले विदेशी सैन्य नेता बन गए।

घर और पार्टी में भी घिरे ट्रंप रिपब्लिकन सांसदों ने गिराया फिसा नवीनीकरण बिल

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उस समय अपनी ही पार्टी के भीतर दुर्लभ विरोध का सामना करना पड़ा, जब रिपब्लिकन सांसदों ने फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विलांस एक्ट (फिसा) के नवीनीकरण को रोक दिया। इस घटनाक्रम से न सिर्फ सदन अध्यक्ष माइक जॉनसन को बड़ा झटका लगा, बल्कि पार्टी में ट्रंप के प्रभाव पर भी सवाल खड़े हो गए, क्योंकि अब तक अधिकांश मामलों में रिपब्लिकन सांसदों ने उनके समर्थन में एकजुटता दिखाई थी।

व्हाइट हाउस की भरसक कोशिशों के बावजूद 20 से ज्यादा रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर मतदान किया और विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को रोक दिया। इस असफलता के बाद पार्टी नेतृत्व को मजबूरन इस निगरानी कार्यक्रम के लिए 10 दिन का अस्थायी विस्तार लागू करना पड़ा, जो अंतिम विकल्प था। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि ट्रंप, जो आमतौर पर प्रमुख मतदानों में पार्टी को एकजुट रखने में सफल रहते हैं, इस बार असंतुष्ट सांसदों को मनाने में विफल रहे।

जॉनसन के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि उनकी रणनीति काफी हद तक ट्रंप के प्रभाव पर निर्भर रही है। प्रशासन ने सांसदों को मनाने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए थे। इसमें ब्रीफिंग आयोजित करना, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ को सीधे सांसदों से संवाद के लिए लाना और हाउस परिसर के पास एक अस्थायी सुरक्षित सुविधा स्थापित करना शामिल था, ताकि सदस्य आसानी से गोपनीय जानकारी देख सकें।

- 20 से ज्यादा रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर किया मतदान
- व्हाइट हाउस के पूरा जोर लगाने के बाद भी नहीं पारित हो पाया विधेयक

धारा 702 पर विवाद

विवाद के केंद्र में फिसा की धारा 702 है, जिसका उपयोग अमेरिकी खुफिया एजेंसियां विदेशी लक्ष्यों की निगरानी के लिए करती रही हैं। फिसा पर बहस लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी के भीतर राष्ट्रीय सुरक्षा समर्थक धड़े और निजता पर जोर देने वाले धड़े के बीच विभाजन का कारण रही है। इस बार यह मतभेद इतना गहरा रहा कि समय रहते सहमति नहीं बन पाई।

एआई करता है डेटा का विश्लेषण

आपका जीवन कितने दिन क्रेडिट कार्ड को सब पता

लोग जरूर यही सोचते होंगे कि क्रेडिट या डेबिट कार्ड सिर्फ पैसे चुकाने का एक जरिया है, लेकिन डेटा की दुनिया में आपका कार्ड आपके व्यक्तित्व का सबसे बड़ा एक्स रे है। आप कहां खाते हैं, क्या पहनते हैं और कब बीमार पड़ते हैं, यह सब आपके कार्ड को पता है। यहां तक कि कुछ बीमा कंपनियां और बैंक आपके कार्ड के डेटा से यह तक अंदाजा लगा लेते हैं कि आपकी सेहत कैसी रहेगी और आप कितने साल तक जीवित रह सकते हैं।

कैसे होता है यह सबकुछ

- एआई आपके पिछले 12 महीनों के खर्च को देखकर यह बता सकता है कि आप अगले महीने कौन सा बड़ा खर्चा करने वाले हैं।
- आप मॉल में कार्ड स्वाइप करते हैं तो डेटा केवल पैसों का नहीं जाता। आपकी लाइफस्टाइल लोकेशन का मैप भी बन जाता है।
- इसके जरिए बैंक को पता होता है कि आप हफ्ते में कितनी बार बाहर खाना खाते हैं और किस तरह के ब्रांड्स आपको पसंद हैं।
- बैंक आपका डेटा मार्केटिंग कंपनियों को बेचते हैं, आपको उन चीजों के मेल आने लगते हैं जिन्हें आपने कभी सर्च भी नहीं किया।

ऐसे खुलती हैं आपके व्यक्तित्व की परतें

- अगर आप अचानक बहुत ज्यादा सेल्फ हेल्प किताबें खरीदने लगें या जिम की मेंबरशिप छोड़ दें तो बैंक का एआई समझ जाता है कि आप शायद मानसिक तनाव या आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। इससे आपका क्रेडिट स्कोर प्रभावित हो सकता है, भले आपने बिल समय पर भरा हो।
- हर ट्रांजैक्शन के साथ एक कोड जुड़ा होता है। अगर आप अक्सर फास्ट फूड आउटलेट्स पर अपना कार्ड ज्यादा स्वाइप करते हैं तो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां आपको हाई रिस्क श्रेणी में डाल सकती हैं, क्योंकि आपका डेटा उन्हें बताता है कि आपकी डाइट सेहत के लिए खराब है।
- आपके कार्ड में वाईफाई जैसा निशान सुविधा तो है लेकिन खतरा भी। जेबकतरे आपके बिना कार्ड छुए पास से गुजरकर आपके कार्ड की जानकारी चुरा सकते हैं। इसी तरह जब आप किसी स्टोर का को ब्रांडेड कार्ड लेते हैं तो उसे आपके बैंकिंग पैटर्न की अनुमति मिल जाती है।

कब होगा तलाक, ये भी पता

अमेरिका में हुई एक स्टडी के अनुसार, क्रेडिट कार्ड कंपनियों ने डेटा के जरिए 85% सटीकता से यह पता लगा लिया था कि किन दंपतियों का तलाक होने वाला है। आधार सिर्फ यह था कि उन दंपतियों ने मैरिज काउंसलिंग या नए अपार्टमेंट के डिपॉजिट के लिए कार्ड स्वाइप करना शुरू कर दिया था। आपका कार्ड आपके रिश्तों के बारे में भी जानता है।

एक्सपर्ट टिप्स

- ऐसा बटुआ खरीदें जिसमें आरएफआईडी प्रोटेक्शन हो। यह बाहर से आने वाली रेडियो तरंगें ब्लॉक कर देता है ताकि कोई आपके कार्ड को बिना छुए स्कैन न कर सके।
- अपने बैंक एप में जाकर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और कॉन्टैक्टलेस पेमेंट के ऑप्शन को हमेशा बंद रखें। कोई जरूरत पड़ने पर ही उसे ऑन करें, वह भी सिर्फ दो मिनट के लिए।
- हर महीने अपना बैंक स्टेटमेंट जरूर चेक करें। अक्सर छोटे-छोटे पचास पैसे या एक रुपये के ट्रांजेक्शन होते हैं जो बॉट्स चेक करने के लिए करते हैं कि कार्ड एक्टिव है या नहीं।
- दवाओं और डॉक्टर की फीस जैसी बहुत ज्यादा निजी खरीदारी के लिए नकद का इस्तेमाल करना बेहतर रहेगा। यह आपकी मेडिकल प्राइवेसी को एआई की नजरों से दूर रखेगा।

छत्तीसगढ़: धर्मांतरण कराने पर 20 साल तक की सजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जबरन, प्रलोभन या भय के माध्यम से किए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाने के उद्देश्य से पारित छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 अब कानून बन गया है। राज्यपाल रमेन डेका की ओर से हस्ताक्षर किए जाने के बाद अधिनियम को राजपत्र में प्रकाशित कर शनिवार को लागू कर दिया गया। इसमें 20 साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है।

विधानसभा में यह विधेयक 19 मार्च को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रस्तुत किया था, जिसे विस्तृत चर्चा के बाद पारित किया गया। इसमें विवाह को धर्मांतरण का आधार नहीं माना गया है और विवाह के बाद भी निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक होगा। अवैध धर्मांतरण के सामान्य मामलों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और न्यूनतम 5 लाख रुपये जुर्माना तय किया गया है। महिलाओं, एससी-एसटी, नाबालिगों जैसे विशेष वर्ग के मामलों में 10 से 20 वर्ष कारावास और न्यूनतम 10 लाख रुपये जुर्माना निर्धारित है। सामूहिक धर्मांतरण में 10 वर्ष से आजीवन कारावास तथा न्यूनतम 25 लाख रुपये जुर्माना लगाया जा सकेगा। लोक सेवक द्वारा अपराध करने पर 10 से 20 वर्ष की सजा और 10 लाख रुपये तक जुर्माना, जबकि धन के माध्यम से धर्मांतरण कराने पर 10 से 20 वर्ष कारावास और 20 लाख रुपये तक जुर्माना का प्रावधान है।

- **विधानसभा में पारित हुआ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026**

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज कार्यक्षेत्र में नेतृत्व के नए अवसर प्राप्त होंगे। परिवारजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला – आज आर्थिक दृष्टि से मजबूत स्थिति बनेगी। नए अवसरों से परिपूर्ण दिन है। महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

वृष – आज बड़े निवेश के निर्णय सोच-समझकर लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। कार्य योजनाबद्ध तरीके से पूरे होंगे।

वृश्चिक – आज शाम तक स्थिति में सुधार होगा। लाभ के संकेत मिलेंगे। कार्यों में प्रारंभिक रुकावट आ सकती है।

मिथुन – आज नए और लाभकारी संपर्क बनेंगे। व्यापारियों को विशेष लाभ होगा। शाम तक सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

धनु – आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नए कार्यों की शुरुआत के लिए शुभ समय है। यात्रा के योग बन रहे हैं।

कर्क – आज कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे प्रगति होगी। आर्थिक दृष्टि से स्थिति सामान्य रहेगी। मानसिक शांति के लिए ध्यान करें।

मकर – आज कार्य निर्धारित समय पर पूरे होंगे। योजनाएं सफलतापूर्वक कार्यान्वित होंगी। धैर्य से सभी कार्य सिद्ध होंगे।

सिंह – आज कार्यों में सफलता निश्चित है। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

कुंभ – आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर आप प्रसन्न रहेंगे। समाज सेवा में अत्यधिक सक्रिय रहेंगे। व्यापार को लेकर अत्यधिक प्रयासरत रहेंगे।

कन्या – आज दिन भर व्यस्तता रहेगी। आपकी योजना सफलतापूर्वक कार्यान्वित होगी। कार्यक्षेत्र में प्रयासों को मान्यता मिलेगी।

मीन – आज लंबी दूरी की यात्रा आपको नहीं करनी चाहिए। प्रबंधन संबंधी कार्यों में परेशानी हो सकती है। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

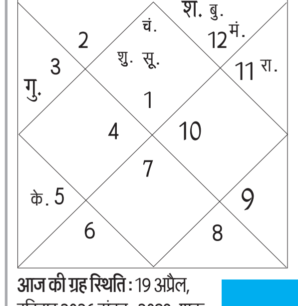

आज की ग्रह स्थिति : 19 अप्रैल, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- शुक्ल पक्ष, द्वितीया 10 .49 तक तत्पश्चात तृतीया।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-भरणी 07 .10 तक तत्पश्चात कृत्तिका 20 अप्रैल 04 .35 तक तत्पश्चात रोहिणी।

सुडोकू - 123 का हल

4	9	1	7	8	6	2	5	3
3	5	7	9	1	2	6	4	8
6	2	8	5	3	4	1	7	9
7	4	2	8	6	3	9	1	5
5	1	3	4	9	7	8	6	2
8	6	9	1	2	5	4	3	7
1	8	5	3	4	9	7	2	6
9	3	6	2	7	1	5	8	4
2	7	4	6	5	8	3	9	1

सुडोकू -124

		5			2			8
1				3			2	
		7	9			4		
5							1	
2			5		4			7
	8					6		
		2			1	7		
	4			8				5
6			7			2		

लेबनान में शांति सेना पर हमले में फ्रांस के एक सैनिक की मौत

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शनिवार सुबह दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हुए हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई, तीन घायल हो गए।

मैक्रों ने बताया कि मृतक सैनिक की पहचान मोंटौबन के 17वें पैराशूट इंजीनियर रेजिमेंट के स्टाफ सार्जेंट फ्लोरियन मोंटोरियो के रूप में हुई है। मैक्रों ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा, सभी संकेत यही बताते हैं कि इस हमले की जिम्मेदारी हिज्बुल्ला की है। फ्रांस की मांग है कि लेबनानी अधिकारी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करें और दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

संबोधन | कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ के कार्यक्रम में बोले न्यायमूर्ति सूर्यकांत

एआई से घबराएं नहीं, सतर्कता के साथ इस्तेमाल करें : सीजेआई

बेंगलुरु, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को आगाह करते हुए कहा कि न्यायपालिका में तकनीक को अपनाने के साथ-साथ इसकी अंतर्निहित सीमाओं की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों से आह्वान किया कि वे एआई से घबराएं नहीं, बल्कि सतर्कता के साथ इसका इस्तेमाल करें।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जोर दिया कि तकनीक का इस्तेमाल केवल एक सहायक के रूप में किया जाना चाहिए, न कि एक विकल्प के रूप में। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में एआई का इस्तेमाल संतुलन के साथ होना चाहिए जिससे काम की गति और दक्षता बढ़े, लेकिन साथ ही न्याय के मूल सिद्धांत में मानवीय बुद्धि, अनुभव और संवैधानिक विवेक को पूरी तरह

संरक्षित किया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ द्वारा आयोजित न्यायिक अधिकारियों के 22वें द्विवार्षिक राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जिसका विषय 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में न्यायपालिका की पुनर्कल्पना' था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आपको एआई को लेकर घबराना नहीं चाहिए। जब आपके सामने कोई ऐसा मामला आता है जिसमें बहुत जटिल तथ्य और कानून के पेचीदा सवाल शामिल हों, तो आप क्या करते हैं। ऐसे मामलों में निर्णय लेते समय व्यक्ति ज्यादा गहराई से सोचता है, धैर्य रखता है और अंत में निर्णय लेने पर उसे संतोष की भावना भी महसूस होती है।

उन्होंने कहा, जब हम एआई प्रौद्योगिकी का उपयोग सावधानी और जागरूकता के साथ करना शुरू करेंगे, तो यही परिणाम देखने को मिलेगा, बशर्ते यह सुनिश्चित किया जाये कि आपके भीतर का न्यायाधीश स्वतंत्र बना रहे और तकनीक से प्रभावित न हो। इस कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार तथा कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभू बखरू समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

मूल पहचान को खोए बिना खुद को बदलना होगा

सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका में तकनीक को अपनाने के साथ इसकी अंतर्निहित सीमाओं की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। उन्होंने ऐसी प्रणालियों द्वारा उत्पन्न होने वाली अशुद्धियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल में एआई मंचों द्वारा मनगढ़ंत मिसालें, गलत उद्धरण और पूरी तरह से काल्पनिक कानूनी प्रस्ताव तैयार किए जाने के उदाहरण सामने आए हैं। ये भ्रामक जानकारी मामूली तकनीकी खामियां नहीं हैं। ये न्यायिक प्रक्रिया की बुनियाद पर प्रहार करती हैं, जो सटीकता, प्रामाणिकता और विश्वास पर टिकी है। अगर इन्हें रोका न गया तो ये गुमराह कर सकती हैं, कानूनी दलीलों को तोड़मरोड़ सकती हैं और परिणामों को गलत दिशा दे सकती हैं।

“जब मुझे आना पड़ा तो उस समय मैं तैयार ही नहीं था। पावरप्ले के आखिरी दो ओवर में मैं शॉट्स खेलने की कोशिश कर सकता था। केएल के पास अधिकतर स्ट्राइक रही और उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स लगाए जिससे मोमेंटम हमारे साथ रहा। मैंने सोचा कि यदि वह अच्छा खेल रहे हैं तो मैं उन्हें स्ट्राइक देता रहूं।
–ट्रिस्टन स्टब्स

स्टेडियम

बरेली, रविवार,19 अप्रैल 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026
आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स
बनाम
कोलकाता नाइट राइडर्स
समय - दोपहर 3:30 बजे

लखनऊ सुपर जाएंट्स
बनाम
पंजाब किंग्स
समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद–283 रन
- शुभमन गिल गुजरात–251 रन
- विराट कोहली बेंगलुरु–247 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई – 13 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात – 11 विकेट
- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु– 10 विकेट

डेविड मिलर।

आखिरी ओवर में डेविड मिलर के तूफान से आरसीबी की उम्मीदों पर फिरा पानी

आईपीएल-2026 : एक गेंद रहते दिल्ली कैपिटल्स की रोमांचक जीत

बेंगलुरु, एजेंसी

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 60) की अर्धशतकीय पारियों और डेविड मिलर की आखिरी ओवर में तूफानी शॉट की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में शनिवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को छह विकेट से शिकस्त दी।

सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की 38 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी के बावजूद कैपिटल्स ने आरसीबी को आठ विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद 19.5 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए राहुल ने 34 गेंद की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाए। टीम के 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद उन्होंने स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल (26 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ 35 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी की। अक्षर चोटिल होने के कारण 16वें ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। स्टब्स ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का और चार चौके जड़े, जबकि डेविड मिलर (नाबाद 22) ने आखिरी ओवर में लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कृणाल पंड्या ने 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया। सॉल्ट ने अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए, लेकिन अक्षर पटेल (18 रन पर दो विकेट), कुलदीप यादव (32 रन पर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (39 रन पर दो विकेट) ने अन्य बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का मौका नहीं दिया। मुकेश कुमार को भी एक सफलता मिली। सॉल्ट ने पहले विकेट के लिए विराट कोहली (19) के साथ 31 गेंद में 52 रन और दूसरे विकेट के लिए देवदत्त पडिक्कल (18) के साथ 29 गेंद में 47 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, लेकिन 11वें ओवर में उनके आउट होने के बाद टिम डेविड (17 गेंद में 26 रन) के अलावा कोई भी बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को भुवनेश्वर कुमार ने अपने शुरुआती दो ओवर में तीन झटके दिए। उन्होंने पहले ओवर में ही पथुम निसांका (एक) को पगबाधा आउट किया और तीसरे ओवर में करुण नायर (पांच) और समीर रिजवी (दो) को पवेलियन भेजा।

राहुल ने दूसरे छोर से जोश हेजलवुड का स्वागत छक्के से किया और चौथे ओवर में रसिक सलाम के खिलाफ मिड-ऑफ के ऊपर से शानदार चौका जड़ा। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बावजूद पांचवें ओवर में हेजलवुड के खिलाफ स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगाया और लगातार गेंदों पर चौके जड़कर दबाव को टीम पर हावी नहीं होने दिया। पावरप्ले में दिल्ली ने तीन विकेट पर 50 रन बना लिए। स्टब्स संभलकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जबकि राहुल ने सुयश शर्मा के खिलाफ तीन चौके लगाकर रन गति को बनाए रखा और 30 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

175/8 (20 ओवर)

फिल सॉल्ट का स्टब्स बो कुलदीप	63
विराट कोहली का निसंका बो एनगिडी	19
देवदत्त पडिक्कल का मिलर बो अक्षर	18
रजत पाटीदार का राहुल बो मुकेश	08
टिम डेविड का नटराजन बो अक्षर	26
जितेश शर्मा का मिलर बो एनगिडी	14
रोमारियो शेफर्ड पगबाधा कुलदीप	01
कृणाल पंड्या रन आउट	12
रसिक सलाम नाबाद	00
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	03

अतिरिक्त : 11, **विकेट पर** : 175 रन विकेट पतन : 1-52, 2-99, 3-105, 4-131, 5-146 6-149,7-172

कुल योग : 20 ओवर में आठ विकेट पर : 175 रन विकेट पतन : 1-52, 2-99, 3-105, 4-131, 5-146 6-149,7-172 गेंदबाजी : नबी 3-0-36-0, मुकेश 4-0-32-1, एनगिडी 4-0-39-2, कुलदीप 4-0-32-2, नटराजन 2-0-16-0, अक्षर 3-0-18-2

दिल्ली कैपिटल्स

179/4 (19. 5 ओवर)

पथुम निसंका पगबाधा भुवनेश्वर	01
लोकेश राहुल का कोहली बो कृणाल	57
करुण नायर का सॉल्ट बो भुवनेश्वर	05
समीर रिजवी का जितेश बों भुवनेश्वर	02
टिस्ट्रन स्टब्स नाबाद	60
अक्षर पटेल रिटायर हर्ट	26
डेविड मिलर नाबाद	22

अतिरिक्त : 06, **विकेट पतन** : 1-2, 2-16, 3-18, 4-87, 4-134 (अक्षर रिटायर्ड हर्ट), गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-26-3, हेजलवुड 4-0-38-0, सलाम 4-0-40-0, कृणाल 4-0-24-1, सुयश 3-0-31-0, शेफर्ड 0.5-0-17-0

57 रनों की पारी में दिल्ली के बल्लेबाज लोकेश राहुल ने छह चौके और दो छक्के लगाए

03 विकेट भुवनेश्वर ने लिए उन्होंने गेंदबाजी के दौरान किसी को खुलकर खेलने नहीं दिया

लखनऊ के सामने अजेय पंजाब की चुनौती

मुल्लांपुर, एजेंसी

तालिका में शीर्ष पर काबिज पंजाब किंग्स रविवार को यहां आईपीएल मुकाबले में संघर्ष कर रही लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मजबूत बल्लेबाजी पर भरोसा करेगी। लखनऊ की टीम कप्तान ऋषभ पंत की चोट को लेकर भी चिंतित है। पंजाब किंग्स इस सत्र में अब तक एकमात्र अजेय टीम रही है।

टीम ने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम का नेट रन रेट 1.067 है, जो उसकी दमदार बल्लेबाजी और लक्ष्य-पीछा करने की क्षमता को दर्शाता है।

अंक तालिका में फिलहाल सातवें स्थान पर मौजूद एलएसजी लगातार दो हार के बाद दबाव में है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत की कोहनी में लगी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पंत महज तीन गेंद खेलने के बाद दर्द से कराहते हुए रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। वह हालांकि बाद में बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन उस समय उनकी कोहनी पर पट्टी लगी हुई थी। ऐसे में रविवार के मैच में उनकी उपलब्धता अब भी अनिश्चित बनी हुई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबला एकतरफा रहा। मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी के संघर्ष के बावजूद एलएसजी की टीम केवल 146 रन ही बना सकी थी। लखनऊ की बल्लेबाजी अब तक लय में नहीं दिखी है और टीम इस सत्र में अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सकी है।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	5	4	0	1	9	1.067
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
3.	राजस्थान रॉयल्स	5	4	1	0	8	0.889
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	6	3	3	0	6	0.566
5.	दिल्ली कैपिटल्स	5	3	2	0	6	0.310
6.	गुजरात टाइटंस	5	3	2	0	6	0.018
7.	चेन्नई सुपर किंग्स	6	2	4	0	4	-0.780
8.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	5	2	3	0	4	-0.804
9.	मुंबई इंडियंस	5	1	4	0	2	-1.076
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	6	0	5	1	1	-1.149

केकेआर के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेंगे रॉयल्स

कोलकाता। शानदार फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर जीत के लिए तरस रही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को लय वापिस पाने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक रॉयल्स और खराब फॉर्म से परेशान केकेआर के बीच यह मुकाबला होगा। राजस्थान ने लगातार चार जीत दर्ज की लेकिन पिछले मैच में उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया।

सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को 10 रनों से हराया

हैदराबाद, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद ने अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन के अर्धशतक के बाद शानदार गेंदबाजी के बूते शनिवार को यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 10 रनों से शिकस्त देकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक (59 रन) की शानदार शुरुआत के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन (तीन विकेट) और अंशुल कंबोज (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 194 रन ही बना सकी। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन (59 रन) के अर्धशतकों को छोड़ दें तो सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी इकाई ने सीएसके के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। यह स्कोर चुनौतीपूर्ण नहीं लग रहा था लेकिन मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने सीएसके जवाब में 20 ओवर में आठ विकेट पर 184 रन ही बना सकी और उसे चौथी हार का मुंह देखना पड़ा। उसके लिए मैथ्यू शॉर्ट (34 रन) शीर्ष स्कोरर रहे।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम छह अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। सीएसके को अंतिम छह गेंद में 18 रन बनाने थे। लेकिन जैमी ओवरटन (16 रन) का विकेट गिरने से टीम इसमें सात रन ही बना सकी। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इशान मलिंगा ने 29 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि नीतिश कुमार रेड्डी ने 31 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। प्रफुल हिंगे, साकिब हुसैन और शिवांग कुमार को एक एक विकेट मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके को पहला झटका दूसरे ओवर में संजू सैमसन (07) के आउट होने से लगा जो नीतिश कुमार की गेंद पर हेनरिक क्लासेन के हाथों लपके गए। पर आयुष म्हात्रे और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने तेजी से रन जुटाते हुए टीम को अच्छी शुरूआत कराई। इन दोनों ने 21 गेंद में अर्धशतकीय साझेदारी निभा ली थी। लेकिन अचानक एक रन लेते हुए म्हात्रे के पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया और उपचार लेने के बावजूद उन्हें परेशानी हो रही थी। और आखिर में नीतिश कुमार ने उनकी 13 गेंद में 30 रन की पारी का अंत किया जब क्लासेन ने हवा में छलांग लगाकर उनका जबरदस्त कैप लपका। सीएसके ने 66 रन के स्कोर पर म्हात्रे और गायकवाड़ के विकेट गंवाए। गायकवाड़ (19 रन) ईशान मलिंगा की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों लपके गए।

चेन्नई सुपर किंग्स के सरफराज खान को आउट करने के बाद जश्न मनाते सनराइजर्स हैदराबाद के इशान मलिंगा। एजेंसी

स्व. श्री राम कुमार अग्रवाल सर्राफ

स्व. श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल

राम कुमार अग्रवाल सर्राफ के स्वर्णिम 100 वर्ष

पिछले 100 वर्षों से हम अपने ग्राहकों को शुद्धता, विश्वास और उत्कृष्ट कारीगरी प्रदान करते आ रहे हैं।

आज चौपुला रोड स्थित हमारा प्रतिष्ठान इसी परंपरा को आधुनिक डिजाइनों और विस्तृत रेंज के साथ आगे बढ़ा रहा है।

पुनीत कुमार अग्रवाल

अक्षय तृतीया महोत्सव
Till 20th April 2026

1%
MAKING CHARGES*
ON SELECTED STOCK

RAM KUMAR
SARAF
CHAUPLA ROAD
BAREILLY | CALL : 83940 79574, 87552 63874
www.ramkumarsarraf.in